ISSN 2349-6614

मई, 2017

मूल्य : 25 ₹

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

बाबरी का चक्र

आडवाणी, जोशी, और भारती सहित 13 लोगों पर आपराधिक साजिश का मुकदमा

फैसले का अपना असर और निहितार्थ भी!

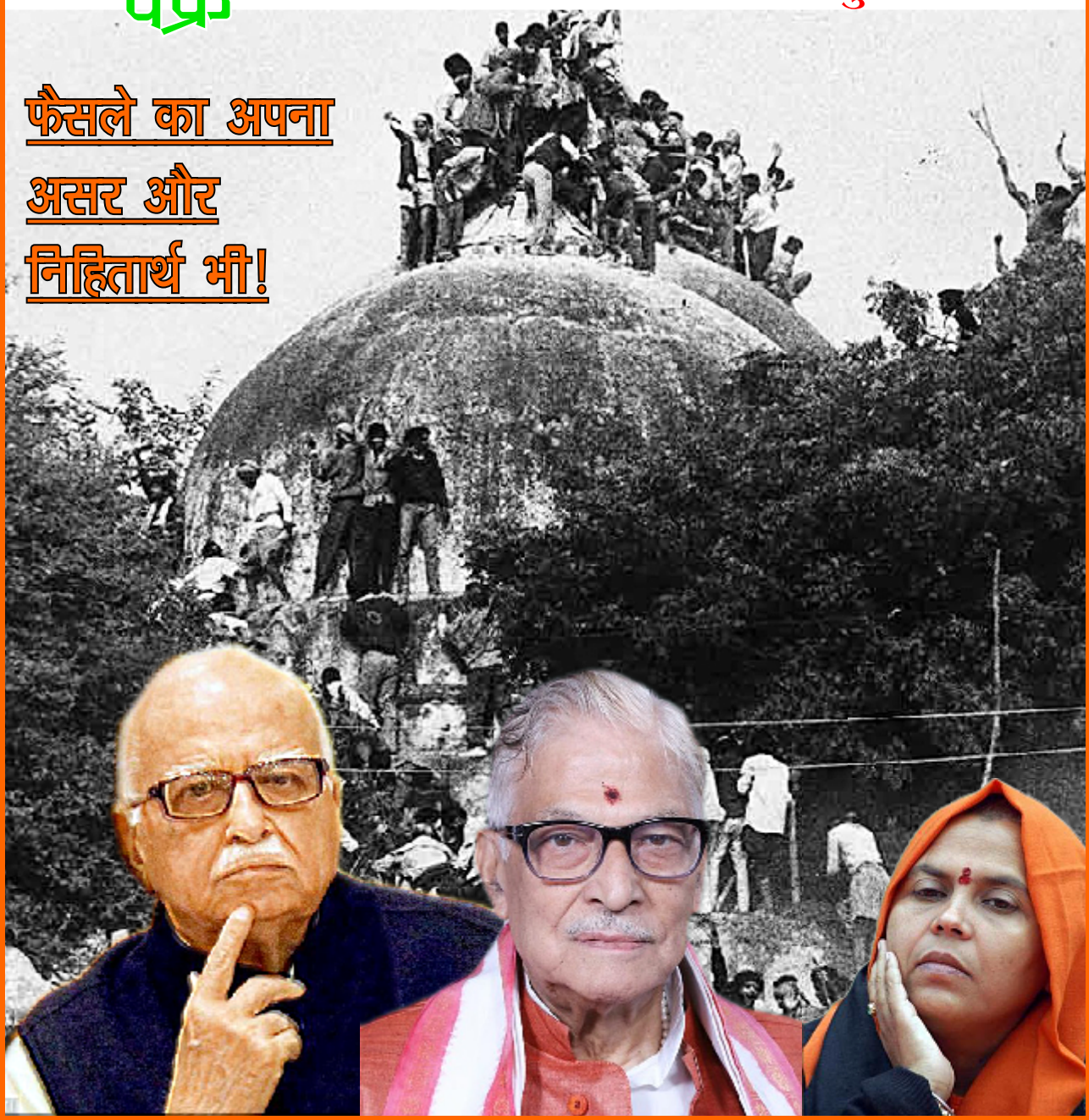

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 15 अंक 3 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2015-2017 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Shastri Circle, Udaipur

!! The Ultimate hub of Royal Rajasthani Delicacy !!

पदम थाऴ

A/C DINING HALL & RESTAURANT

RAJASTHANI
PUNJABI

PACKING FACILITY

GUJRATI
JAIN

PURE VEG.

4, Above JMB Mishtan, Hiran Magari, Sec.-3 Main Road,
Udaipur, Call : +91-8233829282, 9829431502

प्रत्यूष

मूल्य 25 ₹
वार्षिक 300 ₹

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत-शत नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर
मदन, भूमिका, उषा
चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

Supreme Designs
कम्प्यूटर ग्राफिक्स विकास सुहालका

मुद्रक पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि.
गुलाब बाग रोड, उदयपुर (राज.) फोन : 2418482, 2410659

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं,
इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अन्दर के पृष्ठों पर...

10 सियासत

प्रणब दा के विकल्प की तलाश

14 प्रसंगवश

कर्ज़ के मर्ज़ से मुक्ति मांग रहा हर खेत-खलिहान

26 हौंसले का उड़ान

लेकसिटी का गौरव जलपरी गौरवी

16 तन–मन

तपन में सहेजे नाजुक दिल

18 हॉरर किलिंग

फ्रीज में टुकड़े-टुकड़े लाश

कार्यालय पता : 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष : 0294-2427616, 2414933, 2413477, 2100408-09, फेक्स : 0294-2525499
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
visit us at : www.pratyushpatrika.com, E-mail : pankajkumarsharrma@pratyushpatrika.com
pankajkumarsharma2013@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाब बाग रोड, उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी , उदयपुर से प्रकाशित।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

आकाश वागरेचा

मो :- 94141-69241

EVEREST GROUP OF COMPANIES
SINCE 1963

एवरेस्ट ग्रुप ऑफ कम्पनीज

शुभलक्ष्मी बिल्डकॉन प्रा. लि.

सावा सर्जिकल प्रा. लि.

एवरेस्ट नेचुरो हर्ब प्रा. लि.

एवरेस्ट इंटरनेशनल होटल एंड रेस्टोरेंट

एवरेस्ट आशियाना बिजनेस प्रा. लि.

169-ओ रोड, भूपालपुरा, उदयपुर (राज.)

फिर से घूमा न्याय का पहिया

देश की शीर्ष अदालत ने सीबीआई की याचिका स्वीकार करते हुए अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में 19 अप्रेल को भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता एवं मार्गदर्शक लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी तथा केन्द्रीय मंत्री उमा भारती समेत 13 लोगों पर आपराधिक षड़यंत्र का मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रकरण से जुड़ी सभी जांचें एक माह में पूरी करने और मामले की सुनवाई से सम्बद्ध किसी भी न्यायाधीश का स्थानान्तरण न करने का भी आदेश दिया है।

सीबीआई ने बाबरी मस्जिद गिराये जाने के मामले में 21 लोगों पर आपराधिक साजिश का आरोप लगाया था। लेकिन अदालतों में याचिकाओं पर सुनवाई होते-होते छह आरोपियों की मौत हो गई। जिनमें बाल ठाकरे, अशोक सिंघल, आचार्य गिरिराज किशोर और महंत अवैद्यनाथ के नाम शामिल हैं। राजस्थान के मौजूदा राज्यपाल कल्याण सिंह चूंकि संवैधानिक पद पर हैं, अतएव उन पर हाल-फिलहाल कोई मुकदमा नहीं चलेगा। लेकिन उन्हें नैतिकता का वास्ता देते हुए विपक्ष पद छोड़ने के लिए मज़बूर कर सकता है और तब वे आडवाणी, जोशी, भारती की तरह मुकदमे का सामना करने वालों की कतार में खड़े दिखाई दे सकते हैं।

राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद के विवाद पर भी थोड़ी नज़र डालें। सन् 1528 में विवादित राम जन्मभूमि पर मस्जिद का निर्माण किया गया था। हिन्दुओं की ओर से तब यह बात उठी कि यह वह स्थल है, जहां मर्यादा पुरषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच इस जमीन को लेकर पहली बार 1853 में विवाद हुआ। सन् 1859 में ब्रिटिश हकूमत ने विवाद के मद्देनजर पूजा व नमाज के लिए मुसलमानों को अन्दर का हिस्सा और हिन्दुओं को बाहर की खाली पड़ी जमीन का उपयोग करने को कहा। 1949 में अन्दर के हिस्से में भगवान राम की मूर्ति रख दी गई। जिससे एकाएक तनाव की स्थिति बन गई। केन्द्र ने इस पर काबू पाने की गरज से गेट पर ताला ठोक दिया। सन् 1986 में जिला न्यायाधीश ने विवादित स्थल हिन्दुओं को पूजा के लिए खोलने का आदेश दिया। मुस्लिम समुदाय ने इसके विराधे में बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी गठित की। सन् 1989 में विश्व हिन्दू परिषद् ने विवादित स्थल से सटी भूमि पर राममंदिर की मुहिम शुरू की। 6 दिसम्बर 1992 को बाबरी मस्जिद कारसेवकों द्वारा गिरा दी गई। परिणाम स्वरूप देशव्यापी दंगों में करीब दो हजार लोगों की जानें गई।

इसके दस दिन बाद 16 दिसम्बर 1992 को आंध्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एस. एस. लिब्रहान की अध्यक्षता में 'बाबरी ध्वंस का सच' जानने के लिए आयोग गठित किया गया। जिसे तीन माह यानि 16 मार्च, 1993 को अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया लेकिन 48 बार इसके कार्यकाल को बढ़ाया गया और यह रिपोर्ट 17 साल बाद 30 जून, 2009 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उनकी सरकार में गृहमंत्री पी. चिदम्बरम ने सौंपी। बताया जाता है कि 700 पन्नों की इस रिपोर्ट में यूपी के तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान में राजस्थान के राज्यपाल कल्याण सिंह के नाम का उल्लेख 400 पन्नों में है, जबकि लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी की चर्चा 200 पन्नों में की गई है।

आयोग की 17 वर्षीय जांच यात्रा, अदालतों में लेट-लतीफी, नई याचिकाओं और पुनर्विचार याचिकाओं के एक के बाद दूसरी दायर होते रहने तथा केन्द्र व राज्य सरकार की ढिलाई के चलते मामला खिंचता गया। यह मामला अदालतों में सालों-साल चलते रहने की एक मिसाल है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश ने कानून के उस मूल सिद्धांत का भी फिर से स्मरण कराया है कि देर से भले हो लेकिन अंतत: न्याय होता है। कोर्ट के इस आदेश से यह भी स्पष्ट होता है कि आरोपी शीर्ष नेताओं ने 6 दिसम्बर 1992 को संयम नहीं बरता। सार्वजनिक जीवन में सक्रिय नेताओं को वचन और कर्म में संयम रखना ही चाहिए। बहरहाल फैसले का अपना प्रभाव है और अपने निहितार्थ भी। लेकिन मानना होगा कि लम्बे विश्राम के बाद न्याय का पहिया फिर से घूमा है। यह फैसला समाज का ताना-बाना व्यापक तौर पर प्रभावित करने वाले मामलों में हमारी अदालतों के लिए त्वरित न्याय देने का भी संदेश है। सुप्रीम कोर्ट ने दो वर्ष में इस मामले की सुनवाई पूरी करने को कहा है।

जाधव फांसी प्रकरण

बिना चाबुक खाए नहीं सुधरेगा पाकिस्तान

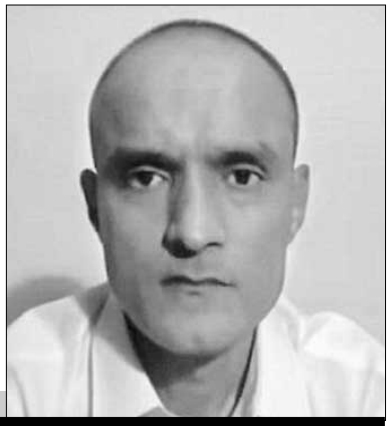

– सुधीर जोशी

भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी कुलभूषण जाधव को पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने जासूसी और विध्वंसक गतिविधियों के झूठे आरोप लगा कर गुपचुप तरीके से चार अप्रेल को फांसी की सजा सुनाई। भारत का इस पर क्रोधित होना स्वाभाविक है। पाकिस्तान के बीच तनातनी बढ़ गई है। मृत्युदंड की सजा सुनाए जाने के तुरन्त बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के समक्ष कड़ा विरोध जताया और कहा कि अगर न्याय के प्राकृतिक सिद्धान्तों एवं अन्तरराष्ट्रीय नियमों को दरकिनार कर जाधव को फांसी दी गई तो इसे सुनियोजित हत्या माना जाएगा। निरपराध लोगों को जासूसी और आतंकवाद के आरोपों में फंसाकर भारत से बदला लेने की पाकिस्तानी चाल नई नहीं है। इससे पहले सरबजीत सिंह समेत कई अन्य भारतीय पड़ोसी देश के जुल्म के शिकार हुए हैं।

कानून का उल्लंघन

25 मार्च 2016 से 31 मार्च 2017 के बीच अन्तरराष्ट्रीय कानून के तहत परामर्शदाता नियुक्त करने की मांग करते हुए भारत ने 13 औपचारिक अनुरोध किए। इसके अलावा जाधव से मिलने की पाकिस्तानी अधिकारियों ने इजाजत भी नहीं दी। हालांकि पाकिस्तानी आइएसपीआर के बयान के अनुसार जाधव उर्फ हुसैन मुबारक पटेल को कानूनी प्रावधानों के मुताबिक बचाव अधिकारी मुहैया कराया गया। जबकि भारतीय उच्चायोग को यह भी न बताया गया कि जाधव के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही चल रही है। पाकिस्तानी अधिकारी सफेद झूठ बोलने और फर्जी मामले तैयार करने में इतने सिद्धहस्त है कि जाधव को सेवारत नौसेना कर्मी बताया गया तथा रॉ का एजेन्ट होने के कबूलनामे का झूठा कैसेट भी जारी कर दिया। वीडियो इस तरह कूट रचित तैयार किया गया है कि डेढ़ दर्जन से ज्यादा कट के अवरोध हैं और लगता है टेलीप्रिंटर के समान बयान उगलवाया गया है।

अन्तरराष्ट्रीय कानून और मानवीय पक्ष

इन्टरनेशनल लॉ के अनुसार जासूसी और आतंकवाद को अलग-अलग किस्म का अपराध माना गया है। जासूसों को शांतिकाल का अपराध माना गया है और यूएनओ के दो प्रस्ताव(49-60 और 51-210) कहते हैं कि उस व्यक्ति के नागरिक अधिकारों का हनन नहीं किया जा सकता। कोई देश उसे अपना नागरिक स्वीकार कर लेता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई अन्तरराष्ट्रीय नियमों के तहत करनी होगी। जबकि आतंकवाद को युद्ध का अपराध माना गया है। वियना सम्मेलन की धारा 36(1) की उपधारा(बी) के अनुसार जासूसी या आतंककारी गतिविधियों का आरोपी जिस देश का नागरिक हो, उसके लिए वकील वही देश मुहैया कराएगा। साथ ही आरोपी से मिलने की छूट होगी। भारत ने कुलभूषण को अपना नागरिक मान लिया और काउंसलर नियुक्त करने और उसके मिलने के लिए कई अनुरोध किए। परन्तु पाक सरकार ने इसे ठुकरा दिया। इस मामले में कई अनियमितताएं सामने आई हैं। उन्हें वकील नहीं दिया गया। कोर्ट मार्शल भी रहस्य बना हुआ है। हैरानी है कि इस मामले में तो पाक ने तेजी दिखाई किन्तु मुंबई हमले के आरोपियों का केस नौ साल से रंच मात्र भी आगे नहीं बढ़ा और जाधव को एक माह में ही सुनवाई पूरी कर सजा सुना दी गई। अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी कुलभूषण जाधव को फांसी दिए जाने के पाक सैन्य अदालत के फैसले पर सवाल उठाए हैं। भारत अन्तरराष्ट्रीय अदालत का दरवाजा खटखटाने के विकल्प पर गंभीरता से सोच रहा है और पाकिस्तान से आरोप पत्र की प्रति मांगी है।

यह भी आशंका जताई जा रही है कि शायद जाधव को पहले ही बेरहमी से मारा जा चुका है। इसीलिए उससे मिलने नहीं देने की तमाम कोशिशें हुईं। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने संसद में कहा कि इस सजा पर अमल हुआ तो द्विपक्षीय सम्बन्धों पर गंभीर असर पड़ेगा और भारत किसी भी सीमा तक जाने को तैयार है। भारत की सभी राजनैतिक पार्टियों के नेता तथा पूरा देश कुलभूषण के साथ खड़ा है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान के सशस्त्र बल किसी भी स्तर के खतरे का जवाब देने

कौन हैं कुलभूषण जाधव?

महाराष्ट्र के कोल्हापुर निवासी जाधव वर्ष 1987 में नेशनल डिफेंस अकादमी में आए। वर्ष 2001 में भारतीय नौसेना से जुड़े। नौसेना से स्वेच्छिक सेवा निवृत्ति लेकर वे पिछले कुछ वर्षों से ईरान के चाबहार पोर्ट पर अपना कारोबार कर रहे थे। उनके पास ईरान में रहने की शासकीय अनुमति थी। भारतीय एजेन्सियों के अनुसार पाकिस्तान के एक सुन्नी आतंककारी गिरोह ने जाधव को ईरान से अगवा किया और पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंप दिया। इस हकीकत को झुठला कर पाकिस्तानी सेना का दावा है कि उसे 3 मार्च 2016 को बलूचिस्तान के चमन इलाके से गिरफ्तार किया गया। वह ईरान से घुसपैठ कर पाकिस्तान पहुंचा। उसे बलूचिस्तान में आतंकवाद फैलाने के लिए भारत ने भेजा है। यहीं उसकी अप्रैल 2016 में प्राथमिकी दर्ज हुई। दिसम्बर 2016 में पाकिस्तान सरकार के सलाहकार सरताज अजीज ने सीनेट में बताया कि कुलभूषण के खिलाफ पुख्ता सबूत नहीं है। हालांकि 29 मार्च 2017 को वे अपने इस बयान से पलट गए। 4 अप्रैल को जाधव को पाकिस्तानी हुक्मरानों और आइएसआइ के नुमांइदों के दबाव में एक सैन्य अदालत ने गोपनीय सुनवाई के दौरान सजा-ए-मौत सुनाई। 10 अप्रैल को पाकिस्तान के फौजी प्रमुख कमर बाजवा ने सजा पर मुहर लगाई।

के लिए पूरी तरह मुस्तैद हैं। हालांकि भारत इन गीदड़ भभकियों से डरने वाला नहीं है और उसने युद्ध जैसी कोई जुर्रत की तो उसे इस बार भी मुंह की खानी पड़ेगी।

वक़्त की परछाइयों में भारत-पाक रिश्ते

अपने गठन से ही पाकिस्तान के हुक्मरान भारत से नफ़रत और उसे किसी न किसी तरह चोट पहुंचाने में लगे रहे हैं। कश्मीर में 1947 में कबाइलियों के नाम से पाकिस्तान की सैनिक कार्रवाई हो अथवा 1965 और 1971 का आमने-सामने जंग हर बार उसे क़रारा जवाब मिला। बाद के वर्षों में करगिल युद्ध हो अथवा सीमा पर बार-बार होने वाला छद्म युद्ध, उसे माकूल ढंग से निपटा गया है।

इस साल भारत की सर्जिकल स्ट्राइक से पाकिस्तान सदमे में है। फिर भी बेज़ा हरकतों से बाज़ नहीं आ रहा। पाक मीडिया और पंथ निरपेक्ष पाकिस्तानी नागरिकों ने अपने हुक्मरानों को चेताया है कि जाधव प्रकरण से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ेगा, जो आपसी संबंधों के लिए हितकर नहीं है। पाक उच्चायुक्त अब्दुल बासित को तलब कर विदेश सचिव एस. जयशंकर ने डिमार्श जारी कर कहा कि भारत अब चुप नहीं बैठेगा। दोस्ती और दुश्मनी एक साथ नहीं चल सकती और वह अंजाम भुगतने को तैयार रहे। भारत के सख्त रूख के बीच पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा से मिले। वहीं पाकिस्तानी रक्षामंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने सीनेट में कहा कि सैन्य अदालत के फैसले के विरूद्ध अपील के लिए जाधव के पास 60 दिन है। इसके बाद भी वह सेना प्रमुख और राष्ट्रपति के समक्ष दया याचिका दायर कर सकते हैं। हालांकि जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान आर्मी एक्ट की धारा 131 के तहत 40 दिन में ही अपील करनी होगी।

भारत ने जाधव को सजा सुनाए जाने के 12 घंटे के अंदर 12 पाकिस्तानी कैदियों की रिहाई रोक दी तथा इंटरनेशनल, कोर्ट ऑफ जस्टिस, सार्क जैसे देशों के मंचों पर पाक का अलग-थलग करने तथा सिंधु समझौता व वियना समझौता के तहत कार्रवाई करने सहित कई विकल्पों पर चिंतन शुरू कर दिया है। ऐसे कदम उठाते वक्त इसकी परवाह नहीं की जानी चाहिए कि पाकिस्तान से द्विपक्षीय रिश्ते कितने बिगड़ जाएंगे, क्योंकि वे तो पहले से ही बिगड़े हुए हैं। आतंकवाद को प्रश्रय देने को लेकर अपने ऊपर लगने वाले आरोपों से दुनिया का ध्यान हटाने और भारत पर पलटवार करने का कोई मौका पाकिस्तान नहीं चूक रहा है। ऐसे में भारत को इस बार ऐसा सबक सिखा ही देना चाहिए, जो उसे याद रहे।■

अंग्रेजी-हिन्दी शब्दों का सटीक प्रयोग

शब्द ज्ञान

अनेक ऐसे शब्द है, जिनकों प्राय: पर्याय समझ लिया जाता है। ऐसे शब्दों की व्यवहार में निकटता तो होती है, परन्तु अर्थ में कदापि नहीं। जानकारी के अभाव में प्राय: इन शब्दों का ठीकठाक प्रयोग नहीं हो पाता, जिसके कारण प्राय: अर्थ का अनर्थ होने की संभावना रहती है। हर अंक में ऐसे समानार्थक शब्दों का सही अर्थ देने का प्रयास रहेगा।

Deceive : प्रवंचना करना - धोखे या वंचना से माल हड़प जाना।

Defraud : कपट जाल से फायदा - जाल रच कर धन-दौलत का बेज़ा फायदा।

Dupe : ठगना - सीधे-सादे किसी व्यक्ति को मूर्ख बना कर धन ऐंठ लेना।

Cheat : छल करना - बेईमानी या धोखे से छल करना।

Hoax : मज़ाक से धन लेना - मज़ाक या धोखे से धन ऐंठ लेना।

Fleece : लूटना - वैसे 'लूट' क्रिया भी अंग्रेजी में व्यवहृत होती है।

Swindle : (विश्वास में लेकर)धन ऐंठना, झांसा देना - विश्वास जमा कर धन ऐंठना।

Trick : (चालाकी से) ले लेना - दूसरे की वस्तु या माल हड़प लेना।

Deceased : दिवंगत, मृतक - आदर के साथ प्रयुक्त (जो मर चुका है।)

Dead :मृत - जिसका जीवन समाप्त हो गया।

Defunct : निष्क्रिय - जिसका अस्तित्व ही मिट चुका।

Departed : दिवंगत - जो हमेशा के लिए जा चुका।

Lifeless : निष्प्राण, निर्जीव - जिसमें से जीवन शक्ति जा चुकी

Ex : पूर्व - जो पहले कभी किसी पद पर रहा।

Extinct : लुप्त, मृतप्राय - वह जाति जिसकी संतति अब नहीं बची।

Late : स्वर्गीय, भूतपूर्व - जो कभी पद पर रहा, पर अब दुनिया से विदा।

रमेशजी का जाना, बड़ी क्षति

उदयपुर/प्रत्यूष संवाददाता

दैनिक भास्कर समूहके चेयरमैन श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल(73) का 12 अप्रेल 2017 को अहमदाबाद एयरपोर्ट पर विमान से उतरते हुए हृदयाघात से निधन हो गया। भोपाल के भदभदा घाट पर अगले दिन प्रात: उनका अंतिम संस्कार किया गया। रमेश जी अपने पीछे शोकाकुल माता कस्तूरी देवी, पुत्र सुधीर, गिरिश व पवन अग्रवाल तथा पुत्री भावना तथा भरापूरा परिवार छोड़ गए। उनके निधन पर प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी, मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित देश के नेताओं, पत्रकारों, साहित्यकारों व उद्यमियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

उदयपुर में उनके निधन की सूचना पहुंचते ही पत्रकार जगत में गहरा शोक छा गया। कांग्रेस नेता डॉ. गिरिजा व्यास, गृहमंत्री गुलाब चंद कटारिया, यूआईटी चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली, सांसद अर्जुन मीणा, महापौर चन्द्रसिंह कोठारी, भाजपाध्यक्ष दिनेश भट्ट, कांग्रेस अध्यक्ष कृष्ण गोपाल शर्मा, प्रदेश सचिव पंकज शर्मा, पूर्व सांसद रघुवीर मीणा, नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक कैलाश 'मानव', अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, हरीश राजानी, हेमन्त भागवानी आदि ने उनके निधन को पत्रकारिता क्षेत्र की बड़ी क्षति बताया। 'प्रत्यूष' कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी ने कहा कि वे पत्रकारिता जगत के पुरोधा थे। विभिन्न भाषाओं में 'भास्कर' का प्रकाशन उनके भारतीय भाषाओं के प्रति प्रेम का उदाहरण है।

यूबीआई लॉलीपॉप या फर्म डिसिजन?

-शांतिलाल शर्मा

दुनिया भर में इन दिनों यूनिवर्सल बेसिक इनकम पर विचार-विमर्श जारी है। पूरे विश्व में ऑटोमाइजेशन व ग्लोबलाइजेशन के कारण रोजगार के अवसर घट रहे हैं। सपनों के देश माने गए अमेरिका में भी एम्पलोयमेन्ट को लेकर तीखा विरोध है। नब्बे के दशक में भारत में भी शुरू हुई मुक्त अर्थव्यवस्था से बेचैनी कायम है। कम्प्यूटर और मशीनीकरण से लोग काम की तलाश में भटक रहे हैं। कई बार तो पारिश्रमिक इतना कम होता है कि व्यक्ति खुशहाल जिंदगी की बात तो दूर सामान्य जिंदगी भी बसर नहीं कर पाता। खास कर डिग्रीधारी नौजवानों को खासी दिक्कतें आ रही हैं। स्वरोजगार के लिए भी स्टार्टअप जैसी सरकारी योजनाओं से सबका भला होते नहीं दिख रहा है। ऐसे में हर कामकाजी व्यक्ति को यदि गुज़ारा लायक एक न्यूनतम रकम उपलब्ध करा दी जाए तो रोज़गार के अभाव में भी जीवनयापन हो सकेगा। यूरोप का फिनलैण्ड इस मायने में उदाहरण है, जहां नागरिकों को प्रतिमाह 560 यूरो मूल वेतन दिया जा रहा है। मोदी सरकार भी इस दिशा में सोच-विचार कर सकती है। वित्त मंत्रालय ने फरवरी में पेश आम बजट से पहले जारी इकॉनोमिक सर्वे में भारतवासियों को न्यूनतम बेसिक आमदनी (यूबीआई) देने का एक क्रांतिकारी विचार प्रस्तावित किया है। हालांकि कोई साफ तस्वीर तो पेश नहीं की, परन्तु यह 25-30 हजार रुपये सालाना या कम-ज्यादा कुछ भी हो सकता है। विचार अच्छा है, परन्तु क्रियान्वयन दूर की कोड़ी है। ब्यूरोक्रेसी इसमें सबसे बड़ा रोड़ा है, क्योंकि जनकल्याण के नाम पर देश में अरबों-खरबों की योजनाओं के क्रियान्वयन में धन का बड़े पैमाने पर रिसाव देखा गया है। इस मायने में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का यह कथन सही प्रतीत होता है कि दिल्ली से जारी होने वाले एक रुपये में से जरूरतमंदों तक 15 पैसे ही पहुंचते हैं।

भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. सुब्रमण्यम के अनुसार यूबीआई के दायरे में 65 फीसद कामकाजी आबादी हो सकती है और इससे ग़रीबी कम होकर 0.5 प्रतिशत के स्तर पर आने का अनुमान है। चाहे व्यक्ति काम करता हो या न करता हो, इसमें सभी वयस्कों को बिना किसी शर्त के निश्चित भुगतान प्रस्तावित है। इसमें अमीर, ग़रीब, अनपढ़ व पढ़े-लिखे सीमा रेखा नहीं है। लेकिन अपेक्षा यह की जा रही है कि जैसे एलपीजी की सब्सिडी को सम्पन्न वर्ग के लोगों ने छोड़ दिया। उसी तरह ऊंची आय वाले 25 फीसद लोग इस योजना का हिस्सा नहीं होने चाहिए। दूसरा, अहम सवाल यह है कि देश में अब तक सरकारी सहायता जरूरतमंदों को ही मिलती आ रही है। देश में 27 करोड़ लोग ग़रीबी की रेखा के नीचे माने गए हैं। जबकि गरीबों की संख्या अनुमानित 90 करोड़ और एकल परिवार 20 करोड़ हैं। देश में देहाती इलाके में 32 रुपये और शहरी क्षेत्र में 47 रुपये प्रतिदिन कमाने वालों को बीपीएल माना जाता है। यह रेखा तो ग़रीबी की नहीं भुखमरी की प्रतीत होती है। बीपीएल में भी कौन इस लाइन से नीचे और कौन ऊपर? इसका फैसला करना असंभव है। सरपंच, पटवारी, पार्षद और सरकारी मुलाज़िम जो कर दे, वही बीपीएल का दायरा हो जाता है। बीपीएल के नाम पर आज ऊंची हैसियत वाले ख़ैरात हड़प रहे और वास्तव में गरीब हाथ मल रहे हैं। इन्दिरा आवास से लेकर मुफ़्त की सरकारी योजनाओं की बड़ी राशि का दुरुपयोग हो रहा है। यदि यूबीआई का सिर्फ बीपीएल की छतरी के नीचे ही क्रियान्वयन हुआ तो फिर ढाक के वही तीन पात होंगे। इसलिए श्रेयस्कर होगा कि इस स्कीम का फलक विस्तारित किया जाए और बिना किसी आरक्षण के सभी कामकाजी लोगों को गुज़ारा लायक प्रतिमाह आमदनी वितरित की जाए।

बड़ा सवाल यह है कि आखिर अरबों-खरबों रुपये वाली यूबीआई स्कीम का वित्त पोषण कैसे होगा? आम बजट का 88 फीसद हिस्सा राजस्व व्यय (रिवेन्यू एक्सपेंडिचर) यानी वेतन, भत्ते, सब्सिडी, उधारी व ब्याज चुकाने पर खर्च हो जाता है और मात्र 12 फीसद धन पूंजीगत व्यय के नाम पर बचता है। जिससे विभिन्न विकास योजनाओं पर काम होता है। पिछले दस सालों में पूंजीगत व्यय लगातार घट कर जीडीपी का मात्र 1.6 फीसद रह गया है। इस साल जीडीपी 6.8 से 7.1 फीसद रहने का अनुमान है। अर्थशास्त्री विजय जोशी ने 'इंडियाज लांग रोड : द सर्च ऑफ प्रोस्पर्टी' पुस्तक में यूबीआई की चर्चा करते लिखा है कि यदि सरकार प्रति परिवार, हर साल 17,500 रुपये दे तो जीडीपी के महज 3.5 फीसद धन से गरीबी को समाप्त किया जा सकता है, बशर्ते कि तमाम सब्सिडी और जनहितैषी योजनाएं बंद कर दी जाए। वहीं दूसरे एक अर्थशास्त्री प्रणववर्धन के अनुसार यूबीआई पर जीडीपी का करीब 10 फीसद धन खर्च होगा। भोजन, रोज़गार, खाद, पेट्रो-डीजल, गैस, बिजली, पानी पर मिल रही सब्सिडी, बेरोज़गारी भत्ते व वृद्धावस्थ पेंशन पर केन्द्र तथा राज्य सरकारें मिल कर प्रतिवर्ष जो धन खर्च करती है वह जीडीपी का 14 फीसद है। कृषि, स्वास्थ्य, जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों, कॉरपोरेट कंपनियों को देय छूट इत्यादि के आंकड़े तो आंखे खोलने वाले हैं। अकेले मनरेगा पर इस साल 5,800 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अरबों-खरबों की यह राशि

ब्यूरोक्रेसी और लीडरशिप की तंग प्रवाहिकाओं से निकल कर ही लोगों तक पहुंचती है। 'वर्ल्ड एम्प्लॉयमेंट एंड सोशल आउटलुक' रिपोर्ट बताती है कि भारत में 23 करोड़ लोग घोर ग़रीब हैं, जिनकी प्रतिदिन की आय 1.90 डॉलर(127 रु) से कम है। ग़रीबी की ही एक दूसरी कैटेगिरी में 68 करोड़ लोग हैं, जिनकी रोज़ की आमदनी 3.10 डॉलर(208 रु) से कम है। ग़रीबी का यह आलम अटक से कटक, कश्मीर से कन्याकुमारी तक पसरा है। गरीबी हटाने-मिटाने के नाम पर सरकारें बनती रहीं, परन्तु आज भी उनकी कराह साफ सुनाई देती है। अमीरी और ग़रीबों के बीच खाई दिनों-दिन चौड़ी होती जा रही है। किसान-मजदूर, अनपढ़ महिलाएं, दुधमुंहे बच्चे आज भी कई जगह भूखे पेट सोते या आत्महत्या करने का विवश हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई बार कह चुके हैं कि वे ग़रीबी के खिलाफ निर्णायक शंखनाद करेंगे। नोटबंदी का दांव भी वे ग़रीबों का हितैषी मानते हैं। केन्द्र सरकार का डिजिटलाइजेशन और जनधन खाते इसमें क्रांतिकारी कदम साबित हो सकते हैं। अवैध लेन-देन रोक कर काफी कुछ किया जा सकता है। बेनामी संपत्ति हथियाने वालों पर चोट और इनकम टैक्स विभाग की कार्रवाई से प्राप्त रकम भी यूबीआई में डाली जा सकती है। इसके अलावा 'आर्थिक सर्वे' का मानना है कि तमाम सब्सिडी को बंद कर इस योजना को वित्त पोषित किया जा सकता है। सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार यूबीआई की रकम जनधन खाते या अन्य बैंकिंग सिस्टम से सीधे पहुंचाई जानी चाहिए। हालांकि सभी खातों को आधार से जोड़ना ज़रूरी माना गया है। आंकड़े बताते हैं कि अभी भी पांच में से महज़ एक भारतीय के पास ही जनधन खाता है और उसमें से भी मात्र 60 फीसद आधार से जुड़ पाए हैं। इस स्कीम में अभी कोई पक्का नहीं है कि प्रतिमाह कितनी रकम मिलेगी व कितना खर्च होगा। मध्य और अमीर वर्ग, जिसे सरकारी सहायता की बिल्कुल जरूरत नहीं, उसे भी इसका हिस्सा बनाया जाएगा या नहीं? केन्द्र सरकार अभी हाल ही में यूपी के किसानों का कर्ज़ माफ़ करने का खर्च उठाने का वादा कर पलटी मार चुकी है। जीएसटी जुलाई में लागू होगा, जिसमें करीब 100 सेवाओं को इसके दायरे में लाया जा रहा है। उसकी 18-28 प्रतिशत दरों को बढ़ाकर 22-35 फीसद करके भी सरकार यूबीआई का वित्त पोषण कर सकती है।

हालांकि कहा जा रहा है कि इस योजना से कामकाजी आबादी सुस्त हो सकती है, निठल्लापन बढ़ेगा और काम के प्रति समर्पण घटेगा। इसे यदि कामबाजी आबादी तक सीमित किया गया तो वरिष्ठ नागरिक, विधवा महिलाओं, मानसिक-शारीरिक अशक्त लोगों का क्या होगा? देश के कई लोगों का मानना है कि ग़रीबी मिटाने की दिशा में यह कारगर कदम हो सकता है। रोज़गार के मोर्चे पर देश के हालात भी अच्छे नहीं हैं। काम के लायक एक तिहाई लोग बेकार बैठे हैं। ऑटोमेशन के कारण 69 फीसद नौकरियां छीन सकती हैं। बेरोज़गारी की मार सिर्फ ग़रीबों पर ही नहीं मध्य वर्ग पर भी भारी है। बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे नौजवान घर बैठे हैं। केन्द्र सरकार इस योजना को लागू करने पर चिंतन में जुटी है। यह कदम महज़ वोट बैंक बनाने का ज़रिया न बने, अपितु देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए ग़रीबों के उत्थान में सहायक बने, तभी क्रांतिकारी कदम कहलाएगा। ■

विश्व में विश्वसनीय ब्रांड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'मेक इन इंडिया' मुहिम रंग ला रही है। गुणवत्ता युक्त उत्पादों की बात की जाए तो भारत के उत्पाद दुनिया में काफी पसंद किए जा रहे हैं। यूरोपीय संघ और दुनिया के 49 बड़े देशों समेत जारी मेड इन कंट्री इंडेक्स (एमआइसीआइ-2017) में उत्पादों की साख के मामले में भारत पड़ोसी चीन से काफी आगे है। चीन भारत से 7 पायदान पीछे है। इसमें भारत के जहां 36 अंक हैं वहीं चीन भारत से काफी पीछे 28 अंको पर ही है। इस इंडेक्स में पायदान की बात की जाए तो सौ अंकों के साथ जर्मनी टॉप पर है और दूसरे स्थान पर स्विट्जरलैण्ड । यह अध्ययन दुनिया भर के 43034 उपभोक्ताओं की संतुष्टि के आधार पर स्टैटिस्टा ने अंतरराष्ट्रीय शोध संस्था डालिया रिसर्च के साथ मिलकर किया। यूरोपीय संघ समेत इस सर्वे में 50 देश दुनिया की 90 फीसद आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस सर्वे में उत्पादों की गुणवत्ता, डिजायन, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, कीमत की वसूली, विशिष्टता, सुरक्षा मानक, भरोसेमंद, टिकाऊपन, सही तरीके का उत्पादन और प्रतिष्ठा को शामिल किया गया है।

चीन की खुली पोल

इन आंकड़ों के बाद चीन की पोल भी खुलती हुई दिखाई दे रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन संसाधनो की सीमित उपलब्धता के चलते मैन्युफैक्चरिंग में घटिया कच्चे माल का इस्तेमाल करता है। चीन के उत्पाद वैश्विक गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतर रहे हैं। ■

प्रणब दा के विकल्प की तलाश!

भारतीय गणतंत्र में राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक पद है। शासनिक प्रक्रिया में उसका दैनिक दखल नहीं होता, परन्तु राष्ट्रपति के पास कई अलिखित अधिकार हैं और वे रबड़ स्टैम्प मात्र नहीं हैं। मौजूदा राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का कार्यकाल इसी साल जुलाई में पूरा हो रहा है। ऐसे में राजनीतिक खेमों में उनके विकल्प की तलाश शुरू हो चुकी है।

भारतीय लोकतंत्र के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर चुनाव की रणनीतिक तैयारियां शुरू हो गई हैं। निवर्तमान राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी 25 जुलाई को कार्यकाल पूरा करेंगे और इससे पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, सर्वपल्ली राधाकृष्णन, ज़ाकिर हुसैन, डॉ. के. आर. नारायणन, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और प्रणव मुखर्जी ऐसे राष्ट्रपति के रूप में ख्याति प्राप्त कर चुके हैं, जिन्होंने किसी पार्टी या सम्प्रदाय विशेष की विचारधारा से प्रभावित हुए बिना लोकतांत्रिक मूल्यों का संवर्धन किया। वे लोकतंत्र के सशक्त अभिभावक और भारतीय संविधान के रक्षक के तौर पर सामने आए। इन्होंने पूरी शिद्दत से राजधर्म के पालन की मिसाल कायम की। वोटों की गणित में राष्ट्रपति बन जाना सहज बात है, परन्तु पद की प्रतिष्ठा व गरिमा को बनाए रखना अलग बात है।

आमतौर पर इस पद पर चुने जाने को राजनैतिक वानप्रस्थ कहा गया है। परन्तु यह सामाजिक, वैश्विक, राजनैतिक रूप से संन्यास नहीं। शासनिक प्रक्रिया से पद निर्लिप्त बना रह सकता है, लेकिन राष्ट्रपति भवन की चौकस नज़रें हर वक़्त तात्कालिक घटनाओं पर रहती हैं। लोकतंत्र के चारों पायों के समन्वय का दायित्व इस पद पर है।

अनुच्छेद 53 संघ के कार्यकारी अधिकारों की बात करता है, जिसमें कहा गया है कि राज्य के प्रतीक के तौर पर राष्ट्रपति के हाथों सैन्यबलों की सर्वोच्च कमान होती है, लेकिन उसमें एक अर्हता है कि 'उसका अनुपालन कानून द्वारा नियमित होना चाहिए।' शायद ये शब्द नहीं होते, तो भारत का राष्ट्रपति किसी राजा से कहीं ज्यादा ताकतवर होता। यही चंद लफ़्ज़ हैं जो इस असीम अधिकार को महज़ औपचारिक व प्रतीकात्मक बना देते हैं। अनुच्छेद 56(बी) संसद की सर्वोच्चता की पुनः पुष्टि करता है। 'संविधान का उल्लंघन करने पर राष्ट्रपति को संसद द्वारा महाभियोग लगा कर अनुच्छेद 61 के प्रावधानों के तहत उसके पद से हटाया जा सकता है।' एक अन्य व्याख्या के अनुसार राष्ट्रपति को ब्रिटिश शासक की तरह काम करना चाहिए, जिसकी सीमाएं कानून से ज्यादा परम्परा से तय होती हैं। हालांकि संविधान के रक्षक के तौर पर राष्ट्रपति के पास कई अलिखित अधिकार हैं और वह मात्र रबड़ स्टैम्प नहीं है। कई अवसरों पर राष्ट्रपति ने देश हित में ऐसे निर्णय भी किए हैं, जिन पर देश को नाज़ है। और कई बार संविधान के अनुच्छेद 74 के बावजूद राष्ट्रपति के निर्णयों को मंत्री परिषद स्वीकार करने को बाध्य हुई।

चुनाव का गणित

मतदान प्रक्रिया : आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत एकल संक्रमणीय पद्धति

मतदान तिथि : घोषणा शेष किन्तु जुलाई, 2017 के प्रथम-द्वितीय सप्ताह में संभव।

मतदाता : लोकसभा + राज्यसभा सांसद 776 और राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के 4,120 विधायक

कुल वोट : 10.90 लाख वोटों का निर्वाचक मंडल

मूल्य : सांसदों के वोटों का 5,49,408, विधायकों के वोटों का 5,49,474 मौजूदा एनडीए सरकार के पास, 24,552 वोटों की कमी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद 1950 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति बने, जब गणतांत्रिक राष्ट्र के रूप में देश का उदय हुआ। 1960 में डॉ. राधाकृष्णन राष्ट्रपति बने। दोनों ही कद्दावर राजनैतिक शख्सियत थे। काबिलियत, बुद्धिमता व ईमानदारी में दोनों समान थे। राष्ट्रपति का तीसरा विकल्प 1969 में वीवी गिरि के रूप में सामने आया, जब इस पद का आंशिक अवमूल्यन देखने को मिला। फ़ख़रूद्दीन अहमद जैसा राष्ट्रपति(अग. 1974 – फरवरी 1977) अपनी शिष्टता के लिए नहीं, बल्कि अपनी कमजोरी के लिए याद किए जाते हैं। उन्होंने जून 1975 में बगैर कोई सवाल किये आपातकाल के असीमित अधिकार वाले अध्यादेश पर दस्तखत कर डाले। 1977 में नीलम संजीव रेड्डी राष्ट्रपति बने। 1982 में पूरा देश उस समय अवाक रह गया जब ज्ञानी जेलसिंह का नाम राष्ट्रपति चुन लिया गया। 1984 में जब श्रीमती गांधी की हत्या हो गई तो उन्होंने राजीव गांधी को प्रधानमंत्री बनाया, परन्तु दिल्ली में चर्चा आम हो गई कि उनका रवैया असहयोगात्मक रहा। 1987 से 1992 तक राष्ट्रपति रहे रामास्वामी वेंकटरमण और 1992 से 1997 तक राष्ट्रपति रहे डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने अपनी विद्वता से पद की गरिमा को कायम रखा। 1997 से 2002 तक राष्ट्रपति रहे के. आर. नारायण की संविधान के रक्षक के तौर पर की गई

चुनाव प्रक्रिया : एक नज़र में

राष्ट्रपति के चुनाव में लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभाओं एवं केन्द्रशासित प्रदेशों की विधानसभाओं के सदस्य भाग लेते हैं। कुल 776 सांसद और 4120 विधायक 'आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के एकल संक्रमणीय' पद्धति के आधार पर राष्ट्रपति का चुनाव करते हैं। देश के कुल वोटों का मूल्य 10,988,82 है। एक सांसद का वोट 708 मतों के बराबर है। सभी सांसदों का वोट मूल्य 5,49,408 है। सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के 4,120 विधायकों का कुल वोट मूल्य 5,49,474 है। हर राज्य के विधायकों का मूल्य अलग-अलग होता है, क्योंकि यह 1971 की जनसंख्या के आधार पर तय किया गया है। सबसे ज्यादा वोट उत्तरप्रदेश के पास 83,824 हैं, क्योंकि उत्तरप्रदेश के एक विधायक का मत मूल्य 208 होता हैं। फिर तमिलनाडु का 176, झारखंड का 176, बिहार का 173, केरल का 152 है। यह वोट राज्यवार घटते हुए राजस्थान के हिस्से में मात्र 129 और सबसे कम मिजोरम का 8, अरुणाचल का 8 और सिक्किम का मात्र 7 रह जाता है।

टिप्पणियां इतिहास में दर्ज़ है। मिसाइलमैन के रूप में प्रख्यात एपीजे अब्दुल कलाम के नाम का प्रस्ताव सत्ताधारी एनडीए और कांग्रेस दोनों ने किया। कलाम ने आदर्श राष्ट्रपति की गरिमा को आगे बढ़ाया। 2007 से 2012 तक राष्ट्रपति रही प्रतिभा पाटिल की भूमिका काफी संकुचित दिखलाई पड़ी। 25 जुलाई, 2012 में राष्ट्रपति बने प्रणव मुखर्जी ने अपने कार्यकाल में पद को नई ऊंचाइयां दी। निवर्तमान राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी का नाम 2007 में भी इस पद के लिए चला, परन्तु केन्द्र सरकार अपनी मंत्री परिषद से उन्हें छोड़ने को तैयार नहीं हुई। अन्ततः वे 2012 में मंत्री परिषद से त्याग पत्र देकर राष्ट्रपति बने। बंगाल से अपना राजनीतिक कॅरियर शुरू कर वे कांग्रेस के एक बड़े रणनीतिकार के तौर पर उभरे और कांग्रेस के साथ केन्द्र की सत्ता में बड़ी शक्ति बने। उदारवादी अर्थव्यवस्था की बुनियाद रखने वाले वित्तीय ढांचे और सहअस्तितव की विदेशनीति का जो सूत्रपात प्रणव मुखर्जी ने किया, उस पर चलते हुए देश आज प्रगति की ओर अग्रसर है। संसदीय व्यवस्था की व्यापक समझ, सिलसिलेवार घटनाओं के संगणक, हर दिल अज़ीज, विद्वता की प्रतिमूर्ति, निस्पृह और सरल-सादगी भरे जीवन के तौर पर उनका सानी नहीं। इनका कार्यकाल शानदार, संजीदा और विवादों से परे रहा। सत्ताधारी दल और विपक्ष दोनों ने उनकी बातों को ग़ौर सुना। देश की जनता अभिभावक के तौर पर उन्हें सदैव याद करेगी। उनका यह संदेश आने वाले दिनों में भी हवा में तैरता रहेगा कि 'बहुमत के बावजूद सत्ता में बैठे लोगों को पूरे देश को हमेशा एक साथ लेकर चलना चाहिए। सरकारें बहुमत से चलती हैं, लेकिन काम सर्व-सम्मति से होता है।'

उनके उत्तराधिकारी का चुनाव जुलाई के मध्य में होना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की जोड़ी सर्तकता से अपनी बिसात बिछाने में लगी है। हालांकि उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड में भाजपा की प्रचंड जीत और अन्य राज्यों में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद राष्ट्रपति चुनाव में उनकी राह बहुत आसान नहीं है। राज्यसभा का गणित अभी भी उनके पक्ष में नहीं हैं। लिहाज़ा सत्ताधारी पार्टी को संसद में अपने मौजूदा संख्या बल और विधानसभाओं से मिलने वाले मतों पर ही निर्भर रहना होगा। मोदी-शाह की युति राजग के सहयोगी दलों को साधने और विपक्षी खेमे से समर्थन जुटाने में जुट गई है। राज्यसभा के मौजूदा दमखम पर विपक्ष चुनौती खड़ी करने की व्यूह रचना में जुटा है। अगर सारे विपक्ष के वोट लामबंद हो जाते हैं तो भाजपा को 24,552 वोटों की मामूली कमी का सामना करना पड़ेगा। 10.98 लाख वोटों के निर्वाचक मंडल में 776 सांसद तथा देश के राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों के 4120 विधायक शामिल हैं। सांसदों के वोटों का कुल मूल 5,49,408 और विधायकों के वोटों का कुल मूल्य 5,49,474 हैं। इनमें से 5.49 लाख वोट प्राप्त करने वाला प्रत्याशी विजेता होगा। ■

-शिल्पा नागदा

डॉ. सी. पी. जोशी को मातृशोक

नाथद्वारा(प्रब्यू)। अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. सी. पी. जोशी की माता श्रीमती सुशीला देवी(95) (धर्मपत्नी स्व. भूदेव जोशी) का 2 अप्रेल 2017 को गोलोकवास हो गया। 3 अप्रेल को उनका स्थानीय मोक्षधाम पर वैदिक रीति से अंतिम संस्कार किया गया। उनके वागरवाड़ा स्थित आवास प्रकाश भवन से आरंभ हुई अन्तिम यात्रा में गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया, सांसद हरिओम सिंह राठौड़, विधायक कल्याण सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट, वैभव गहलोत, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अखिलेश प्रसाद सिंह, लालचंद कटारिया, प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री शांति धारीवाल, दयाराम परमार, अशोक बैरवा, बाबूलाल नागर, मांगीलाल गरासिया, महेन्द्रजीत सिंह मालवीय, प. बंगाल कांग्रेस के वणिक्कम टैगोर, संतोष पाठक, असम से रूकनुद्दीन अहमद, पूर्व सांसद अश्क अली टांक, पूर्व विधायक रघु शर्मा, उदयपुर यूआईटी चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली, प्रदेश कांग्रेस सचिव पंकज शर्मा, पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत, राजसमंद जिला कांग्रेस अध्यक्ष, देवकीनंदन गुर्जर, अशोक पारिख, वीरेन्द्र वैष्णव, गजेन्द्र सिंह शक्तावत, मिराज समूह के प्रकाश पालीवाल, पूर्व सांसद उदयलाल आंजना, प्रदीप पालीवाल, आईवी त्रिवेदी, दिनेश श्रीमाली, नवनीत सोनी, गोपाल कृष्ण शर्मा सहित भारी संख्या में नागरिक, विभिन्न राजनैतिक दलों के कार्यकर्त्ता, पत्रकार व उद्योग जगत से

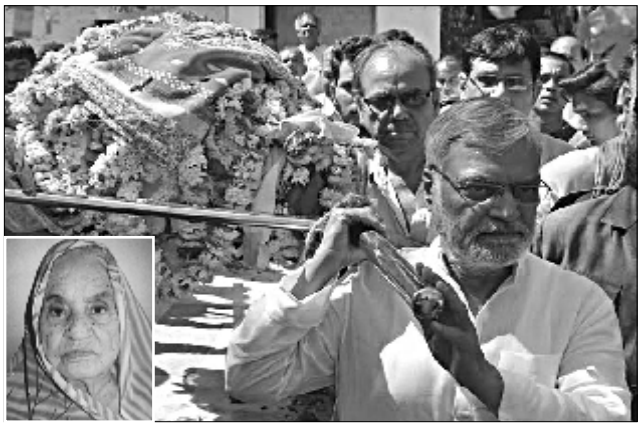

सम्बद्ध हस्तियां शामिल हुई। सुशीला जी अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र ओमप्रकाश, शिवप्रकाश, डॉ. सी. पी. जोशी, प्रेम प्रकाश, विजय प्रकाश व कृष्ण प्रकाश तथा पुत्री राजश्री आचार्य सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव गुरुदास कामत, पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा ने सुशीला जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। ■

AKME GROUP OF COMPANIES

AKME FINTRADE (I) LTD.
(RBI Reg. No. 10.00092)

AKME FINCON PVT LTD.
(RBI Reg. No. B.10.00119)

AKME STAR HOUSING FINANCE LTD.
(NHB Reg. No. 08.0076.09)

AKME BUILD ESTATE PVT. LTD. **AKME PROPERTY & BUILDERS**

TVS **AKME TVS** TVS KING
(Akme Automobiles Pvt. Ltd.) ऑटोवों का राजा

(Authorised Dealer of TVS Motor Company for Two Wheeler & Three Wheeler)

AKME BUSINESS CENTRE
4-5, Subcity Centre, Savina Circle, Udaipur (Raj.) 313 002
Ph. : 0294-2489502/03/04, 2481244

कीर्तिपुरुष महाराणा प्रताप

मुगलकालीन चाटुकारों ने अकबर को महान भले ही बताया हो, पर कुछ इतिहासकारों की नई शोध ने तथ्य और तर्क से साबित किया है कि महाराणा प्रताप अपराजेय थे।

भारत मध्यकाल में सदियों तक विदेशी आक्रांताओं के हमलों से त्रस्त रहा। मुगलों ने तलवार के दम पर न केवल इस देश को लूटा, बल्कि जोर-जबर्दस्ती अपनी विचारधारा लाद कर लोगों को गुलाम बनाया। तत्कालीन राजपूताने के अनेक शासकों ने उनकी बर्बरता से भयभीत होकर समर्पण कर दिया, परन्तु मेवाड़ के महाराणा प्रताप ने मुगल बादशाह अकबर की अधीनता स्वीकार करना तो दूर, उसके सामने सिर झुकाना तक मंजूर नहीं किया। इसके लिए उन्हें राजमहल छोड़ जंगल में कठिनाई भरा जीवन भी बिताना पड़ा। मुगल दिल्ली पर काबिज थे, परन्तु तीन दशक के अनथक प्रयासों के बाद भी मेवाड़ के महाप्रतापी महाराणा का सिर न झुका सके। उन पर पहला आक्रमण सन् 1567 में हुआ और उन्हें चित्तौड़ से बेदखल होकर उदयपुर आना पड़ा। दिल्ली सल्तनत ने महाराणा प्रताप को दरबार में हाजिर होने एवं संधि-प्रस्ताव के लिए सन् 1572-73 में अपने प्रतिनिधियों को भेजा। उनकी शर्तें इकतरफ़ा थी कि संधि-समर्पण करें अथवा युद्ध के लिए तैयार रहें। प्रताप ने ऐसे प्रस्ताव को ठुकरा दिया, जिससे मातृभूमि का स्वाभिमान और आजादी प्रतिबंधित होती हो।

मुगलों ने राजस्थान के कई शासकों से नाता जोड़ कर उन्हें अपने अधीन कर लिया। मेवाड़ के महाराणा ने असहज रिश्ते को सिरे से नकार स्वाभिमान और परम्पराओं पर ही कायम रहने की ठानी। मुगलों से वैवाहिक संबंध न बनाने के कारण ही हल्दीघाटी युद्ध हुआ। मानसिंह के सेनापतित्व में विशाल मुगल सेना ने दिल्ली से कूच किया तो महाराणा प्रताप ने सेना नायक हकीम खां सूर, झाला मान, राजा रामशाह तोमर, भीलू राणा और मेवाड़ व चंबल के अनेक राजपूत सरदारों के साथ हल्दीघाटी के मैदान पर मोर्चा संभाला। आजादी के वीरों के खून से समरभूमि रक्त रंजित हो गई। महाराणा प्रताप के नेतृत्व में आजादी के दीवानों ने गुरिल्ला युद्ध किया, जिससे घबरा कर मुगल सेना भाग खड़ी हुई। मुगलों की विशाल सेना के सामने मेवाड़ की वीर सेना को रणनीति बदलना पड़ा। क्योंकि राणा सांगा सहित पूर्ववर्ती शासकों ने शत्रुओं से आमने-सामने ही युद्ध किया था, जिसमें काफी नुकसान उठाना पड़ा था। प्रताप को इस युद्ध में आंशिक विजय ही मिली। बाद में घाटी से हटकर युद्ध केन्द्र बनास नदी के किनारे वह स्थान बना जो अब रक्तताल कहा जाता है। जहां भयंकर युद्ध हुआ और अनेक वीर शहीद हुए। महाराणा किसी तरह छापामार युद्ध से बच कर दक्षिणी मेवाड़ के जंगलों में चले गए। गुरिल्ला युद्ध में मुगलों के पैर मेवाड़ पर कभी भी जम नहीं पाए। ऐसे संघर्ष भरे समय में दानवीर भामाशाह आगे आए, जिन्होंने प्रताप को 25 लाख रुपये और 20 हजार स्वर्णमुद्राएं भेंट की। इससे उन्हें बड़ी आर्थिक मदद मिली और प्रशासकीय-सैनिक व्यवस्था पटरी पर लौट सकी। अकबर ने महाराणा को घेरने के लिए मेवाड़ के आसपास के राजे-रजवाड़ों को अपने पक्ष में करना चाहा, पर प्रताप की कूटनीति से सफल नहीं हो पाया। प्रताप को बंदी बनाने के लिए आदिवासियों के सामने खजाना खोल दिया, परन्तु मेवाड़ का हर जन प्रताप बन चुका था। उन्होंने मुगलों के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

हल्दीघाटी युद्ध का निर्णय इतिहासकारों ने जो भी कलमबद्ध किया हो, परन्तु जिन परिस्थितियों में प्रताप ने संघर्ष किया वह किसी बड़ी विजय से कम नहीं था। 30 वर्ष के लम्बे प्रयासों के बाद भी मुगल सल्तनत न महाराणा को झुका सकी और न बंदी बना सकी। प्रताप ने उदयपुर से स्थानान्तरित कर राजधानी आवरगढ़ और फिर चावंड में बनाई, जहां उनका महाप्रयाण हुआ। दिवेर विजय और हल्दीघाटी युद्ध के बाद प्रताप ने मेवाड़ के राजनैतिक, आर्थिक, साहित्य एवं कला के क्षेत्र के विकास के लिए विशेष प्रयास किए। युद्ध, संघर्ष व वीरता के बल पर प्रताप ने साबित कर दिया कि वे अपराजेय हैं। मेवाड़ के सभी वर्गों ने प्रताप का जो साथ दिया, वह इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। सामान्य जन और वनवासियों के बीच रह कर उन्होंने समरसता का सूत्रपात किया। समाज के सभी वर्गों में मातृभूमि के प्रति प्रेम की उत्कट भावना पैदा की, जिससे मेवाड़ का हर व्यक्ति प्रतापमय हो गया। आज भी हल्दीघाटी की पवित्र रज को स्पर्श कर देशवासियों का मस्तक गर्व से उन्नत हो जाता है। मुगले-आज़म के ख़िताब पर इठलाने वाले अकबर का मेवाड़-विजय का सपना अधूरा ही रहा। आज़ादी, आन-बान-शान और क्षत्रिय धर्म पालन का महासंकल्प लेने वाले महाराणा प्रताप का जीवन स्वाधीनता प्रेमियों में नए जोश का संचार करता रहेगा।

अब तक इतिहासकार प्रताप के जीवन संघर्ष के बारे में जानकारी फारसी-तवारीखों के आधार पर जुटाते रहे, जो मुगलकालीन चाटुकारों की देन है। जिनमें सिर्फ मुगलों का ही महिमामंडन है। अंग्रेजी इतिहासकार कर्नल टॉड ने अपनी पुस्तक 'एनाल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजपूताना' में भी प्रताप को ब्रिटिश हुकूमत के नजरिए से देखा और अकबर को ही 'ग्रेट अकबर' के ख़िताब से नवाज़ा। कई इतिहासकारों ने हल्दीघाटी में अकबर को विजयी बताया। वर्तमान में कुछ शोध ग्रंथों में प्रताप के कृतित्व व व्यक्तित्व की नये सिरे से व्याख्या हुई है, जिसमें हल्दीघाटी में अकबर की नहीं, महाराणा प्रताप की विजय को उजागर किया गया है। ■

-अशोक तम्बोली

कर्ज़ के मर्ज़ से मुक्ति मांग रहा हर खेत-खलिहान

योगी की घोषणा से कई राज्यों का दम फूला

केन्द्र ने कहा - राज्य इस मामले में उसकी ओर न देखें

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लघु एवं सीमांत किसानों का 36 हजार करोड़ रुपये का कर्ज़ माफ़ कर उन्हें बड़ी राहत दी है। 4 अप्रैल को पहली कैबिनेट मीटिंग में भाजपा सरकार ने इसके साथ ही किसानों का 5630 करोड़ का एनपीए भी माफ़ कर दिया है।

उत्तरप्रदेश के 2.30 करोड़ किसानों में से 86 लाख किसानों का कृषि ऋण तथा 7 लाख किसानों का एनपीए माफ़ कर योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। इसे किसी राज्य की ओर से सबसे बड़ी ऋण माफी माना जा रहा है। तमिलनाडु में कई दिन से नई दिल्ली जंतर-मंतर पर आन्दोलनरत किसानों को इसी दिन मद्रास हाईकोर्ट के एक फैसले से बड़ी राहत मिली और को-ऑपरेटिव बैंक से कर्ज़ लेने वाले 3 लाख किसान भी ऋण माफ़ी के दायरे में आ गए। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी कृषि भूमि पर लगने वाला (शर्तों पर) टैक्स भी समाप्त कर दिया। महाराष्ट्र, पंजाब, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा में भी कृषि ऋण माफ़ करने की मांग तेजी से उठ रही है। केन्द्र की यूपीए सरकार ने 2008 में देश भर के लघु व सीमांत किसानों के करीब 70 हजार करोड़ रुपये माफ़ किए थे और 2014 में आन्ध्र, तेलंगाना, तमिलनाडु सरकारें भी किसानों का कर्ज़ माफ़ कर चुकी हैं।

इसी साल फरवरी-मार्च में पांच राज्यों के चुनाव प्रचार के दौरान यूपी में किसानों के कर्ज़ माफ़ करने की बात भाजपा ने जोर-शोर से की थी। कर्ज़ माफ़ी के इस दौर से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के चेयरमैन उर्जित पटेल ने वित्तीय अनुशासन टूटने का अंदेशा जताया है। एसबीआई चेयरपर्सन अरूंधति भट्टाचार्य सहित कई बैंक प्रमुखों ने भी कड़ा विरोध व्यक्त किया है।

इधर खंदक, उधर खाई

पिछले लोकसभा चुनाव में किसानों को उनकी पैदावार का डेढ़-दो गुना दाम दिलाने का भाजपा का वादा अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। आलम यह है कि हर चौबीस घंटे में 52 किसान आत्महत्या कर रहे हैं। दोषपूर्ण आर्थिक नीतियों से ग़रीब की बदहाली तथा अमीरों की अमीरी तेज़ रफ़्तार से बढ़ रही है। सरकारी या गैर-सरकारी बैंक हो अथवा सूदखोर साहूकार के कर्ज़ का दबाव अथवा कुदरती क़हर से फसलों की बर्बादी का संताप, किसानों को तिल-तिल घुटने और ख़ुदकुशी को मज़बूर कर रहा है। गुजरात के एनजीओ 'सिटिजंस रिसॉर्स एंड एक्शन इनीशिएटिव' द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इसका दायरा बढ़ा कर पूरा देश कर दिया। आज किसान बेहद परेशान हैं। खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल और मज़दूरी काफी महंगी हो गई। किसानी घाटे का सौदा हो गया। एक किसान को चौथी श्रेणी के कर्मचारी से भी प्रतिमाह कम मिल रहा है। कहीं गन्ने के खेत जलाए जाते तो कहीं प्याज, टमाटर इत्यादि सड़कों पर फेंककर रोष जताया जाता, मगर सत्ता के शिखरों तक किसानों की आवाज़ नहीं पहुंचती। सत्ता में आने से पहले हर सियासी पार्टी किसानों की बेहतरी की बातें करती है, लेकिन सत्ता में आते ही भूल जाती है। देश के 9 करोड़ किसानों पर 12 लाख करोड़ से ज़्यादा का कर्ज़ है। कर्ज़ सेठ-साहूकारों का भी हो सकता है। तमिलनाडु सहित कई राज्यों में किसान मज़बूरी के कारण 60 फीसद सूद पर साहूकारों से कर्ज़ ले रहे हैं। कर्ज़ का मर्ज़ इतना भीषण और ख़ौफनाक है कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी किसान इस दुष्चक्र से नहीं निकल पाता। पिछले पन्द्रह साल साल में कृषि कर्ज़ बेतहाशा बढ़े हैं। बड़े किसान तो किसी तरह बोझ सह लेते हैं, परन्तु छोटे व सीमांत किसान टूट जाते हैं। सरकारी बैंक और साहूकार दोनों ही वसूली के 'लठैती हथकंडे' अपनाते हैं। पहले किसान की गृह लक्ष्मी के ज़ेवर जाते, फिर ज़मीन और अन्त में ज़िन्दगी भी। बैंक और अंत में ज़िन्दगी की बारी आती है। बेरहम बैंक और दबंग साहूकार किसान की चमड़ी बेचकर भी दमड़ी वसूलने पर आमादा रहते हैं। किसान को मुफ़लिसी और मज़बूरी ज़िंदा लाश बना देती है। लोकतंत्र के 70 बरस बाद भी ख़ुदकुशी की घटनाएं सिर्फ ब्रेकिंग न्यूज तक सीमित हैं। सरपंच, पटवारी, तहसीलदार, बीडीओ व कलक्टर किसान के आत्महत्या करते ही घटना को बीमारी या पारिवारिक कारणों में तब्दील करने की मुहिम में जुट जाते हैं। कृषि को 'मानसूनी जुआ' कहा जाता है। आजादी के बाद भी कुल कृषि योग्य रकबे का 41 फीसद क्षेत्र ही सिंचित बन पाया है। नौ करोड़ किसानों में से 52 फीसद कर्ज़दार है। हर किसान पर औसतन 47-

48 हजार रुपये का कर्ज़ है। देश की 1440 लाख हैक्टेयर ज़मीन में से किसान के पास औसतन 2-3 एकड़ भूमि ही उपलब्ध है। देश की 73 फीसद आबादी खेती-किसानी पर आश्रित है। विकास परियोजनाओं के नाम पर प्रतिवर्ष सैंकड़ों गांव और ज़मीनें निगल ली जाती हैं। देश की आबादी एक अरब तैंतीस करोड़ हो चुकी है, जो 2040 में एक अरब साठ करोड़ से ज़्यादा होने का अनुमान है। आखिर इतनी आबादी का पेट किससे भरेगा? शेयर बाजार के उछलते बुल, चमचमाती सड़कों-फ्लाईओवरों पर फर्राटे से दौड़ती कारों और कुलांचें भरते विकासवाद के हरिण के भरोसे ही तो 'स्टील इंडिया' बन नहीं पाएगा।

कॉरपोरेट्स पर 'सॉफ्ट' किसानों पर 'हार्ड'

सरकार और बैंक औद्योगिक व व्यावसायिक कंपनियों पर 'सॉफ्ट' कोर्नर रखते हैं, जबकि किसानों को ऋण देने व वसूलने के नाम पर कठोरता दिखाते हैं। हैरान करने वाली तस्वीर यह है कि बैंकों के कर्ज़ में जहां उद्योगपतियों की हिस्सेदारी 41.7 फीसद है, वहीं किसानों की सिर्फ 13.49 फीसद। बड़ी कंपनियों को मामूली पहलकदमी पर अरबों रुपये के कर्ज़ बांटे जाते, तो किसानों को चक्कर कटाने के बावजूद कुछ हजार का ऋण मिल पाता है। 30 जून से 2016 तक 50 करोड़ से अधिक कर्ज़ लेने वाले नॉन परफोर्मिंग एसेट्स खातों की संख्या 2071 थीं। उनमें 3 लाख 88 हजार 919 करोड़ रुपये की राशि फंसी पड़ी है। जबकि किसानों पर कुल 12 लाख 60 हजार करोड़ का कर्ज़ है। 31 दिसम्बर 2016 को

कॉरपोरेट बनाम किसान

- बैंकों से कर्ज़ लेने में कॉरपोरेट घरानों की हिस्सेदारी 41.7 फीसद, वहीं किसानों की मात्र 13.49।
- 30 जून, 16 तक 50 करोड़ से अधिक कर्ज़ लेने वाले उद्योगपतियों का ही एनपीए 3 लाख 88 हजार 919 करोड़ रुपये था।
- इस वित्तीय वर्ष में कॉरपोरेट एनपीए 9 लाख करोड़ हो जाने का अनुमान है।
- किसानों का कुल कर्ज 12 लाख 60 हजार करोड़ हैं और कॉरपोरेट का इससे तीन गुना से ज्यादा।
- पिछले 15.20 साल में 3.25 लाख करोड़ से ज्यादा उद्योगपतियों का कर्ज़ बट्टे खाते में डाला गया। अब तक 7129 खाते डिफाल्टर घोषित।
- यूपी में 4 अप्रैल को योगी सरकार ने 36 हजार करोड़ का कर्ज़ माफ तथा 5630 करोड़ का एनपीए समाप्त कर दिया।

प्रधानमंत्री ने कर्ज़ माफ़ी की बात तो नहीं की, परन्तु 60 दिनों का ब्याज ज़रूर माफ़ किया, जो 'ऊंट के मुंह में जीरा' के समान है। 2015 में बैंकों का एनपीए करीबन 3.5 लाख करोड़ था। इस वर्ष अनुमान है कि यह 9 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। किसी किसान का कर्ज़ बाकी हो तो अन्य कठोर तरीकों के अलावा कर्ज़दार के घर के बाहर ढोल बजा कर जगज़ाहिर किया जाता है, जबकि कॉरपोरेट क्षेत्र के विलफुल डिफाल्टर्स के नाम और आंकड़े छिपाये जाते हैं। विजय माल्या जैसे कॉरपोरेट घरानों के डिफाल्टर सरकार की नाक के नीचे से गुज़र कर देश से छूमंतर हो जाते हैं। अब तक 7129 बैंक खाते डिफाल्टर घोषित किए गए

कर्ज़माफी बनाम वित्त

बैंक और वित्त व्यवस्था से जुड़े शख्स का तर्क होता है कि कर्ज़माफ़ी से ईमानदार ऋण संस्कृति कमजोर होती है। ऋण मुक्ति से वित्तीय अनुशासन बिगड़ने की चिंताओं को खारिज नहीं किया जा सकता। पर सवाल है कि यह चिंता तब क्यों नहीं सताती, जब कॉरपोरेट जगत के कर्ज़ माफ़ किए जाते हैं। बैंकों के एनपीए का बड़ा हिस्सा कंपनियों-उद्योगपतियों का ही रहता है। बड़े-बड़े बकाएदारों के कर्ज़ बट्टे-खाते में डाल दिए जाते हैं। तब न सरकार की नींद खराब होती, न बैंक हल्ला मचाते हैं।

हैं। 10 बड़े कॉरपोरेट घरानों पर ही 5 लाख 73 हजार 682 करोड़ कर्ज़ है। पिछले 10-15 साल में 3.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा राशि बैंकों ने बट्टे खाते में डाली है। बट्टा खाता यानी मान लिया गया कि जिसकी वसूली अब संभव नहीं। बैंक तर्क देते हैं कि कर्ज़ माफ़ नहीं किया गया, बट्टे खाते डाला गया है। मतलब कान को बाएं हाथ से नहीं, दायें हाथ से पकड़ रखा हैं। किसानों के कर्ज़ को अभी बट्टे खाते में डालने की कोई परिभाषा नहीं गढ़ी गई है। राजस्थान की बात करें तो राज्य के 85 लाख किसान परिवारों पर 82 हजार करोड़ का कर्ज़ है। 2008 से 2015 तक यहां पर 2870 किसान आत्महत्या कर चुके हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट मांग कर चुके हैं कि यूपी में कर्ज़ माफ़ी की तर्ज पर राजस्थान में भी ऐसा होना चाहिए। देर-सवेर देश के अन्य राज्यों से भी कर्ज़ माफी की मांग उठने लगेगी। हालांकि केन्द्र सरकार ने एक बार फिर जोर देकर कहा है कि किसानों की ऋण माफी के लिए राज्य सरकारों को ही अपने स्तर पर संसाधन जुटाने होंगे। **-जगदीश सालवी**

मुफ्त का चंदन, घिस ले नंदन

विधायक, सांसद चुने जाते ही वे इतने आगे निकल जाते हैं, कि उन्हें वोट देने वाली जनता ही नजर नहीं आती। इनके सुर बदल जाते हैं, दृष्टि शनि की तरह वक्र हो जाती है और चलते हुए कदम धरती से ऊपर उठे दिखते हैं। यदि मंत्री बन गए तो शरीर भी भारी-भरकम और ऐसा गोल-मटोल हो जाता है कि इन्हें चुनने वाले पहचान नहीं पाते। मुफ्त में मिलने वाली सुविधाओं से परिवार की पौ-बारह पच्चीस हो जाती है। कुछ दिन पहले महाराष्ट्र के उस्मानाबाद से शिवसेना के टिकट पर चुनकर आए सांसद रवीन्द्र गायकवाड़ ने एयर इण्डिया के एक बुजुर्ग अधिकारी की चप्पल से इसलिए पिटाई कर दी कि उन्होंने इनके पास बिजनेस क्लास का बोर्डिंग कार्ड होने पर भी इकॉनोमी क्लास में बैठने को कहा। एयर इण्डिया ने भी सांसद को ऐसा सबक सिखाया कि वे हवा में उड़ने लायक ही नहीं रहे। बेचारे रेलगाड़ी में कुछ दिन मुम्बई-दिल्ली का सफर करने लगे, संसद में भी इस मामले में उन्होंने और उनकी पार्टी ने काफी हंगामा कियाँ उनका कहना है कि हवाई यात्रा न किए जाने से जन सेवा प्रभावित हो रही है। लोकसभा में बाद में 'गायकवाड़' पर एयर इण्डिया के 'बैन' को वापस ले लिया।

जिस देश में करोड़ों लोगों को सड़क और यातायात के अभाव में आज भी पसीना टपकाते पैदल चलकर लम्बी दूरी तय करनी पड़ती हो, वहां इस सांसद के नखरे तो देखो। खाना, पीना, रहना, घूमना मुफ्त या रियायत में मिलने पर इनका दिमाग सातवें आसमान पर है। मोदी जी जरा इस पर भी तो गौर कीजिए। जिस मुल्क में आदमी जिन्दगी भर कमा कर भी अपने लिए एक छत की जुगाड़ में बुढ़िया जाता है, वहीं इनहें मुफ्त मकान मिल जाते हैं। हर पांच साल में चुनकर आने वाले विधायक-सांसद पॉश कॉलोनियों में बिना कौड़ी चुकाए मकान मालिक बन बैठते हैं। मोदी जी सिलेण्डर से सब्सिडी छीन रहे हैं, सांसदों को मुफ्त मकान की इस परम्परा को बदलेंगे या यही कहेंगे कि - 'मुफ्त का चंदन घिस ले नंदन।'

तपन में सहेजें नाज़ुक दिल

गर्मी का मौसम है। तापमान तेजी से उछल रहा है। ऐसे में सेहत सम्बन्धी अनेक समस्याएं मुंह बाएं खड़ी हो जाती हैं। ऐसी एक समस्या है 'दिल' की। गर्मी के दबाव से दिल न हो जाए परेशान, इसका ख्याल रखना इन दिनों ज़रूरी है।

हमारा दिल मुट्ठी भर मांसपेशियों का एक ढांचा है, जो रक्त धमनियों के जरिए शरीर के बाकी अंगों और तंतुओं को रक्त पहुंचाता है। बाहर के तापमान में वृद्धि होने से शरीर को ठंडा रखने के लिए अन्य मौसम की तुलना में शरीर का ज्यादा पानी खर्च हो जाता है। दिल को ज्यादा तेजी से काम करना पड़ता है, ताकि त्वचा की सतह तक रक्त पहुंचा कर पसीने के जरिए शरीर को ठंडा रखने में मदद की जाए। वैसे तो सेहतमंद लोग आराम से इस बदलाव को सह लेते हैं, लेकिन जिनका दिल कमजोर हो, उनमें स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन, अरिद्मियस, एन्जाइना और दिल का दौरा जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जो कभी-कभी जानलेवा भी होती हैं।

हीट स्ट्रोक और दिल का रोगी

दिल के रोगियों में हीट स्ट्रोक का खतरा काफी ज्यादा होता है, क्योंकि प्लॉक से तंग हो चुकी धमनियों से त्वचा तक खून का बहाव सीमित हो सकता है। पसीना, जुकाम, त्वचा में तनाव, चक्कर आना, बेहोशी, मांसपेशियों में तनाव, हीट रैश, एड़ियों में सूजन, सांस में दिक्कत, जी मिचलाना, उल्टी आदि हीट स्ट्रोक के लक्षण हैं। हीट स्ट्रोक होने पर दिल के रोगी को तुरंत नजदीकी हॉस्पिटल ले जाना चाहिए। गर्मियों में होने वाला डिहाइड्रेशन दिल के रोगियों के लिए बेहद खतरनाक है। यह धमनियों में रिसाव और स्ट्रोक का कारण बनता है।

अरिद्मियस से बचने के लिए पानी पीते रहना जरूरी है, चाहे आपको प्यास न भी लगी हो। 50 से ज्यादा उम्र के लोग अक्सर अपनी प्यास का अंदाजा नहीं लगा पाते और डिहाइड्रेशन का शिकार हो जाते हैं। घर से बाहर रहते वक्त उन्हें बार-बार पानी पीते रहने का ध्यान रखना चाहिए। दिल के रोगियों को कुछ तनाव भी दवाएं दी जाती हैं, जो इस मौसम में नुकसानदेह साबित होती हैं। अगर गर्मी में चक्कर आएं और सिर हल्का लगे तो डॉक्टर से दवा के बारे में सलाह लें।

अगर एंजियोप्लास्टी हो चुकी है

जिन लोगों की एंजियोप्लास्टी हो चुकी है या स्टेंट अथवा कृत्रिम वॉल्व लगे हैं, उन्हें ज्यादा ध्यान रखना चाहिए। डीहाइड्रेशन से रक्त गाढ़ा हो जाता है, जो दिल की नसों में चिपक कर स्टेंट को बंद कर देता है। यह जानलेवा हो सकता है। स्टेंट के सही काम करते रहने के लिए शरीर में पानी की मात्रा संतुलित बनी रहनी चाहिए। इसके लिए आपको पानी की मात्रा का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कॉरनरी दिल के रोग वालों को एन्जाइना हो सकता है। उन्हें धमनियों में रिसाव और कॉन्जेस्टिव हाई फेल्योर भी हो सकता है। उन्हें ठंडे माहौल में रहना चाहिए। ऐसा न भी हो तो कम से कम कूलर का इस्तेमाल जरूर करें। ऐसे लोगों को थोड़ी-थोड़ी देर बाद पानी पीते रहना और हल्का व सेहतमंद आहार लेते रहना चाहिए।

तो हार्ट फेल्योर हो सकता है

दिल के रोगियों में बढ़ा हुआ तापमान ज्यादा जलन का कारण बन सकता है। तापमान जितना ज्यादा होगा, हार्ट फेल्योर वाले मरीजों के रक्त में बायोमार्कर्ज उतने ज्यादा होंगे। दिल पर बढ़ा हुआ तनाव सूजन या जलन या सैल की क्षति से होने वाली अंदरूनी प्रतिक्रियाओं में बदलाव ला देता है। यह दिल के तंतुओं और जलन में वृद्धि करके हार्ट फेल्योर का कारण बन सकता है। ■

डॉ. अर्चना शर्मा

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

भारतगैस

बनाइये खाना, परोसिये प्यार

बापना गैस डिस्ट्रीब्युटर्स

Bharat Petroleum

भारत गैस सुरक्षा होज का प्रयोग करें
आप www.MYLPG.in or www.bharatgas.in के द्वारा भी
सिलेण्डर बुक एवं पेमेंट ऑनलाइन कर सकते हैं।

4, पाठों की मगरी, सेवाश्रम, उदयपुर (राज.)
Email:- bapnagas@gmail.com **Phone :-** 2418197, 2417858
On line Booking No. :- 9413456789

फ्रीज में टुकड़े-टुकड़े लाश

प्यार, धोखा और कत्ल का एक सनसनीखेज त्रिकोण

इश्क़, मुश्क़, धोख़ा और अदावत कभी राज नहीं रहते। बठिंडा एयरफोर्स स्टेशन के क्वार्टर नं. 214/10 में काले रंग के 16 लिफाफों में बंद लाश के टुकड़े बरामद होते ही सनसनी फैल गई। तहक़ीकात में सामने आया कि मामला इश्कबाजी का था।

एयरफोर्स में कार्यरत कोरपोरल विपिन शुक्ला अपनी पत्नी को खाना तैयार कर रखने को कह कर घर से टहलने निकला। देर रात अपने स्तर पर तलाशी करने पर भी कुमकुम को अपने पति का पता नहीं चला। अगले दिन गुमशुदगी की रिपोर्ट बल्लुआना पुलिस चौकी पर दर्ज करवाई गई। मामले की गंभीरता देखते हुए बठिंडा एसपी गुरमीत सिंह ने दो दर्जन रिजर्व बटालियन, दो डीएसपी, चार एसएचओ सहित 85 जवानों की टीम तैनात की। खोजी दल ने कई दिन एयरबेस की खाक छानी। तेरह दिन बाद 21 फरवरी को स्निफर डॉग अचानक हरकत में आया, वह भौंकता हुआ क्वार्टर नं. 214/10 के दरवाजे पर पंजा रगड़ने लगा। यह सार्जेन्ट शैलेष कुमार का निवास था। दरवाजा खोलते ही डॉग फ्रीज की ओर लपका। फ्रीज खोलते ही पुलिस दल के होश उड़ गए। उसमें कागज के 16 लिफाफों में मांस के लोथड़े थे। वहां मौजूद सार्जेन्ट शैलेष कुमार व पत्नी अनुराधा को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया तथा कड़ाई से पूछताछ करने पर दंपती ने गुनाह कबूल कर लिया। तीसरे आरोपी शैलेष के साले और मर्चेन्ट नैवी में कार्यरत शशिकांत भूषण को सरगर्म तलाश के तीन दिन बाद गिरफ़्त में लिया गया। हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, दरांती, आरी और मृतक का मोबाइल भी बरामद हुए।

फ्रीज में रखे लाश के टुकड़े और आरोपी पति-पत्नी।

प्रेम त्रिकोण

नर-नारी के बीच शाश्वत आकर्षण को परिसीमित करने के लिए ही विवाह पद्धति का प्रचलन सदियों से है। सांस्कृतिक परिवेश व परिवार के प्रति अनुरक्त रह कर नैतिकता के मानदंडों पर खरा उतरने की पुरानी परम्परा है। फिर भी दिग्भ्रमित व्यक्ति आवारा पशु की तरह मुंह मारने से नहीं चूकता। इश्क़ जाल में उलझ कर वह परिवार व समाज गंवा कर अन्ततः जान तक गंवा बैठता है। बहरहाल, बठिंडा एयरबेस के क्वार्टर में प्यार, धोखा व बर्बर क़त्ल की ताज़ा कहानी अपने पीछे कई ख़ौफनाक चेतावनियां छोड़ गई। घटना के अनुसार 9 फरवरी को कुमकुम शुक्ला ने पुलिस चौकी बल्लुआना में एफआईआर दर्ज करवाई कि उसका शौहर विपिन शुक्ला(27) खाना तैयार कर रखने की बात कह कर रात 8.45 बजे टहलने निकल गया। काफी खोजबीन पर भी उसका पता नहीं चला। शायद किसी ने अपहरण कर लिया और अंदेशा है उसके साथ कोई अनहोनी हुई हो। आईपीसी 365 के तहत पुलिस ने मामला दर्ज़ कर तलाश शुरू की। कई दिन बीत गए, परन्तु पुलिस मामले की तह तक न पहुंच सकी। एसपी ने स्थिति की गंभीरता देख 85 सदस्यीय पुलिस जांच दल का गठन किया। मृतक विपिन शुक्ला उत्तरप्रदेश के गोडा जिले के बेनीनगर का रहने वाला था। वह बठिंडा एयरफोर्स में कोरपोरल पद पर तैनात था। वहीं आरोपी शैलेष व पत्नी अनुराधा उत्तराखंड के उधमसिंह नगर के निवासी हैं। दोनों परिवार एयरबेस के क्वार्टरों में रहते हैं। शैलेष की अनुपस्थिति में विपिन एक दिन अनुराधा के पास पहुंचा। औपचारिक बातों के बाद दोनों सम्मोहित होकर एक-दूजे को दिल दे बैठे। फिर गाहे-बगाहे मौका पाकर मिलने लगे। यह सिलसिला चलता रहा। प्यार परवान चढ़ने लगा और उन्होंने शादी करने का फैसला तक ले लिया। विपिन शादीशुदा था, फिर भी आशिकी में अंधी डगर पर चल पड़ा। दोनों के बीच रोमांस की भनक अनुराधा के पति शैलेष और विपिन की पत्नी कुमकुम को नहीं थी। इसीलिए दोनों के बीच प्यार का सफ़र बेरोकटोक जारी रहा। जब भी सार्जेन्ट शैलेष घर के बाहर होता विपिन और अनुराधा करीब हो जाते। मगर अभी भी दोनों के बीच शैलेष एक दीवार की तरह था। उसका क्या किया जाए, इस पर दोनों ने कभी सोचा ही नहीं। इश्क़ की राह न केवल ढालू, बल्कि चिकनी भी होती है, जिस पर कदाचित यू टर्न बड़ा मुश्किल है। वक़्त की परछाइयों के साथ दोनों की दोस्ती परवान चढ़ी। वह अच्छा खासा हृष्ट-पुष्ट, दिलफेंक व बांका जवान था। यौवन की दहलीज पर खड़ा विपिन जल्द ही अनुराधा के सपनों का राजकुमार बन गया। विपिन भी अपनी

> अनुराधा ने विपिन के सामने शादी का प्रस्ताव रखा तो उसने कुछ दिन इंतजार करने को कहा। ज्यादा ज़ोर देने पर वह आना-कानी करने लगा। अनुराधा को उसकी मनाही इतनी चुभ गई कि वह नागिन सी फुफकार उठी

पत्नी कुमकुम से ज्यादा अनुराधा पर फिदा होने लगा और इश्क़ के मकड़जाल में फंस गया।

रूह कांप जाए

''ख़ैर, खून, खांसी, खुशी, बैर, प्रीति, मदपान, दाबे से फिर ना दबे जाने सकल जहान। प्यार, रोमांस व सपनों के इस खेल में निर्णायक मोड़ तब आया, जब अनुराधा गर्भवती हो गई। अनुराधा ने विपिन के सामने शादी का प्रस्ताव रखा तो उसने कुछ दिन इंतजार करने को कहा। ज्यादा ज़ोर देने पर वह आना-कानी करने लगा। अनुराधा को उसकी मनाही इतनी चुभ गई कि वह नागिन सी फुफकार उठी और आइंदा उसके पास न फटकने का अल्टीमेटम दे दिया। प्रतिशोध की आग दिल में फफोला बन गई। उसने अपने पति शैलेष को कुछ दिन पैतृक गांव गोंडा चलने को कहा और वे सुबह की ट्रेन से निकल गए। वहां पहुंचने पर उसने विपिन को अपना सच बता दिया लेकिन यह भी जोड़ दिया कि विपिन ने उसके साथ जबर्दस्ती की। शैलेष आग-बबूला हो उठा और विपिन को ठिकाने लगाने की बात सोच ली। वहीं से उसने अपने साले शशिकांत को फोन से तत्काल बठिंडा पहुंचने को कहा। सारी योजना उसे बताकर शैलेष अपनी पत्नी के साथ

इत्मीनान से फ़र्श पर खून साफ किया और बाद में खाना खाकर सो गए। बाकी काम कल पर छोड़ दिया। योजना बनी कि लाश को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर रात के वक्त बाहर कुत्तों को एक-एक कर खिला देंगे और जो बच जाएगा उसे जला दिया जाएगा।

फिर से बठिंडा आ गया। उसने उच्चाधिकारियों से दरख्वास्त लगा कर अपना क्वार्टर बदलवा दिया तथा 8 फरवरी शाम विपिन को सामान पैकिंग करवाने के बहाने घर बुलवाया।

रात करीब 9 बजे शैलेष के घर पहुंचे विपिन की पहले तो आवभगत हुई और मिलजुलकर सामान पैक करने लगे। इस बीच अनुराधा और साला शशिकांत भी आ गए। बेखबर विपिन पर पहले शैलेष ने कुल्हाड़ी से वार किया और बाद में पत्नी और साला भी उस पर टूट पड़े। कुछ ही देर में विपिन ढेर हो गया। इस दौरान क्वार्टर में हाई वोल्यूम पर टीवी चलता रहा। मरने के बाद भी विपिन पर पच्चीसों वार किए गए, ताकि वह जिन्दा बच न पाए। लहुलूहान लाश को एक बड़े ट्रंक में भर दिया और दर्जनों फिनाइल की गोलियां उसमें रख दिया। इत्मीनान से फ़र्श पर खून साफ किया और बाद में खाना खाकर सो गए। बाकी काम कल पर छोड़ दिया। योजना बनी कि लाश को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर रात के वक्त बाहर कुत्तों को एक-एक कर खिला देंगे और जो बच जाएगा उसे जला दिया जाएगा। दो-चार दिन बाद ही शव से बदबू आने लगी तो 19 फरवरी को तीनों ने मिल कर आरी और दरांती से मांस के छोटे-छोटे टुकड़े कर काले रंग की 16 थैलियों में भर कर फ्रीज में रख दिया। काम पूरा हो गया, अब मांस को कुत्तो को खिलाना ही बाकी था। अपराधी चाहे कितनी होशियारी दिखाए, अपराध से पर्दा उठ ही जाता है।

21 फरवरी को पुलिस दल व खोजी डॉग ने उनके दरवाजे पर दस्तक दी। एक बारगी तो वे सहम उठे, परन्तु हिम्मत बटोर कर दरवाजा खोला। पुलिस को देखते ही पसीना छूट गया। पहले तो वे घटना से मुकर गए। मगर डॉग स्निफर सीधा फ्रीज तक पहुंच गया। आखिर शैलेष तथा अनुराधा ने अपना गुनाह कबूला और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। तीसरा आरोपी शशिकांत भी तीन दिन बाद गिरफ़्त में आ गया। मामला अदालत में है।■

-प्रकाश जोशी

बच्चे को बताएं उसकी सीमाएं

बच्चे नटखट तो होंगे ही, पर बिगड़े नहीं। चुहलबाजियां चलती रहें पर उनसे किसी को शिकायत का मौका न मिले। उन पर ऐसी पाबंदियां भी न लगाई जायं कि उनका बचपन ही छिन जाए। बचपन बच्चे के भविष्य का भी आधार है, उसे बनाना और संवारना हर माता-पिता का दायित्व है। यदि आप चाहते हैं कि बच्चा होनहार और स्वस्थ नागरिक बने तो कुछ बातों पर निरंतर ध्यान दें।

बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए सबसे ज्यादा ज़रूरी है कि माता-पिता और बुजुर्ग उन्हें उनकी सीमाओं अर्थात् मर्यादाओं से रूबरू करवाएं। ताकि उन्हें अपने दायरे का सदैव खयाल रहे। बच्चों को यह पता होना चाहिए कि उन्हें क्या करने की अनुमति है और क्या नहीं करने की छूट। उन्हें कितनी देर खेलने या घर से बाहर रहने की इज़ाजत है। घर से बाहर क्यों और किस लिए जा रहे हैं, यह भी स्पष्ट होना चाहिए। फास्ट फूड खा सकते हैं या कम्प्यूटर और टीवी पर कितनी देर गेम खेल सकते हैं। उनके लिए क्या हानिप्रद है और क्या लाभप्रद। ये सब बातें उन्हें प्यार से समझाने की ज़रूरत है।

रहें अडिग : एक का मतलब एक। बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर न समझौता करें और न ही उनकी किसी अनुचित हठ को स्वीकारें। यदि बच्चे को आप एक या दो बिस्किट देते हैं और बच्चा फिर मांग करता है तो यह सोचकर कि एक और खा लेगा तो क्या फर्क पड़ेगा, उसकी मांग को यदि पूरा करते हैं तो मतलब साफ है कि उसे आप स्वयं चिन्हित दायरे से बाहर निकलने का अवसर दे रहे हैं, जो ठीक नहीं है।

क्योंकि बात एक-दो दिन की नहीं, उसे आप हमेशा ऐसा करने के लिए प्रेरित कर रहे होते हैं। बच्चे भी यह सोचते हैं कि मां-पापा कभी तो उन्हें दो बिस्किट देते हैं और कभी पूरा पैकेट ही थमा देते हैं। कभी खुद चॉकलेट्स लाकर देते हैं तो कभी उनके खाने के नुकसान गिनाने लगते हैं। ऐसी स्थिति से बच्चों में झुंझलाहट और चिड़चिड़ापन आ सकता है। इसलिए तय की गई सीमाओं पर अडिग रहें ताकि संदेह की गुंजाइश ही न रहे।

जिद पर क्या करें : बच्चों की जिद के आगे माता-पिता प्राय: बेबस होते दिखते हैं और हथियार डाल देते हैं। लेकिन यह भूल जाते हैं कि एक बार उन्होंने बच्चों की जिद से हार मान ली तो बच्चे उनकी इस कमजोरी को ताड़ जाएंगे और फिर यह दोनों तरफ एक आदत बन जाएगी, क्योंकि परोक्ष रूप से उन्हें आपने अपनी हार का रास्ता जो बता दिया है। इसलिए बच्चों की कोई भी अनुचित जिद पूरी न करें। इसका सबसे अच्छा तरीका यह है कि जब बच्चे जिद करें तो उन्हें पूरी तरह से नज़रन्दाज करें। कुछ देर जिद के बाद बच्चों को स्वत: अहसास हो जाएगा कि ज़िद से कोई फायदा नहीं। उन्हें अपनी अनुचित मांग पर मंथन का भी इससे मौका मिलेगा। जब बच्चा जिद करे तो उसी के अनुकूल कोई और बात छेड़कर उसका ध्यान बांट सकते हैं।

फैसला न कर पाएं तो : बच्चा आपसे कोई सवाल करे या किसी चीज के बारे में जानना चाहे और आप इस उलझन में हो कि हाँ कहूं या ना, तो इससे उबरने के लिए पहले आप बच्चे से ही यह जानने का प्रयास करें कि उसके पूछने की वजह क्या है। इससे बच्चे के मनोभाव जान पाएंगे और उसके अनुकूल जवाब देकर उसकी जिज्ञासा अथवा दुविधा का हल दे सकेंगे। मसलन बच्चा टीवी पर गेम खेलने या फिल्म देखने की इजाजत मांग रहा है तो पहले यह जानें कि उसने अपना होमवर्क पूरा किया अथवा नहीं, अपनी किताबों व खिलौनों को सलीके से रखा है कि नहीं इत्यादि। वह कौन सा गेम खेलना अथवा फिल्म देखना चाहता है, वह उसके बालमन के अनुकूल है भी कि नहीं। ■

- पुष्पा जांगिड़

एंटिना-डिश एंटिना

पापा जब पहली बार घर में टी.वी. लाए तो उसके साथ एक एंटिना भी आया जो घर की छत पर लगा दिया। पूछा तो बताया कि टीवी में चलते-फिरते चित्र इसी से होकर आएंगे। पिछले बरस जब एक बड़ा कटोरानुमा एंटिना छत पर लगा मैंने मम्मा से पूछा। दोस्तों, आप भी जानिए, उन्होंने जो बताया - एंटिना एक ऐसा माध्यम (उपकरण) है, जो तरंगों को ग्रहण करता है। एंटिना द्वारा ग्रहण की जाने वाली तरंगों की आवृत्ति उसकी तीव्रता पर निर्भर करती है। एंटिना मुख्य रूप से टेलीविजन के लिए इस्तेमाल होता है। पहले एक एंटिना तो टी.वी. के लिए घरों की छतों पर देखने को मिलता ही था। लेकिन दूर देश के चैनल के प्रसारणों को देखने के लिए डिश एंटिना का इस्तेमाल किया जाता है। साधारण एंटिना उपग्रह (सैटेलाइट) द्वारा प्रेषित ज्यादा आवृत्ति की तरंगों को ग्रहण नहीं कर पाता इसलिए सैटेलाइट चैनल को टी.वी. एंटिना से ग्रहण नहीं कर सकते। उपग्रह द्वारा प्रेषित तीव्र आवृत्ति वाली तरंगों को निम्न आवृत्ति में परावर्तित करने के लिए ट्रांसपोर्डर की जरूरत होती है। साधारण टीवी में चूंकि यह इकाई नहीं होती, इसलिए साधारण एंटिना उपग्रह की तेज तरंगों को ग्रहण कर पाने में असमर्थ होता है, जबकि खुला छतरीनुमा डिश एंटिना इस काम को आसानी से अंजाम दे देता है। ■

- अभिजय शर्मा

मेरे आंगन में

रोज सुबह मेरे आंगन में -
चिड़िया चीं-चीं गाती है।
सूरज की पीली किरणें भी -
प्रतिदिन सोना बरसाती हैं।
आंगन में आ रोज कबूतर,
गुटर गूं करता है।
दाना खाकर, फुर्र होता,
मन को हरता है।
आंगन में गमले का पौधा
लहर-लहर लहराता है।
मोती जैसी ओस-बिंदु
उसका हर पत्ता यहां
लुटाता है। ■

- ऋषिका नागदा

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

एस. के. पी. प्रोजेक्ट्स प्रा. लिमिटेड
S.K.P. PROJECTS PVT. LTD.

AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY

SKP Projects is a reputed name in the field of Pipeline Survey and Oil & Gas Exploration Survey in India.

It was established in the year 2000 in Vadodara district of Gujarat with the vision of providing world class services in the field of Pipeline Survey in India.

During last 17 years, the company has executed & completed number of projects mainly in the field of pipeline survey and has worked with the top most public sector undertaking companies and many other reputed private companies within India and abroad. We have site offices at Delhi, Gandhinagar, Bhavnagar, Botad, Panvel, Nagpur, Warrangal, Eluru, Karimnagar, Rajamundry, Bhubaneshwar, West Bengal & Chennai.

We are trending towards excellence and over the years we are one of the most reliable and trusted names among the Land survey companies in India.

Mr. S. C. PANDEY
Chairman & Managing Director

Mrs. KAMINI S. PANDEY
Director

Residential Address : A-1, Shri Krishna Park, Opp. Novino Battery, Makarpura Road, Vadodara-390010
Native Address : Mr. Suresh Chandra Pandey | S/o Late Shri Kulomani Pandey, Village Bartoli, P.O. Panuwanoula, Dist.: Almora (Uttarakhand).

Regd. Office:

201-205, Sai Samarth Complex,
Near Maneja Crossing,
Makarpura Main Road,
Vadodara-390013,
GUJARAT.
Phone: 0265-6451501/02
Website: www.skpprojects.com
E-mail: skp@skpprojects.com

Branch Office:

Nagpur -	+91-715-6605161
Karimnagar -	+91-878-6451502
Panvel -	+91-93140 05259
Warangal -	+91-73820 61066
Gandhinagar -	+91-93777 90070
Rajahmundry -	+91-96408 09735
Eluru -	+91-96408 09735

आत्मा के महागायक : टैगोर

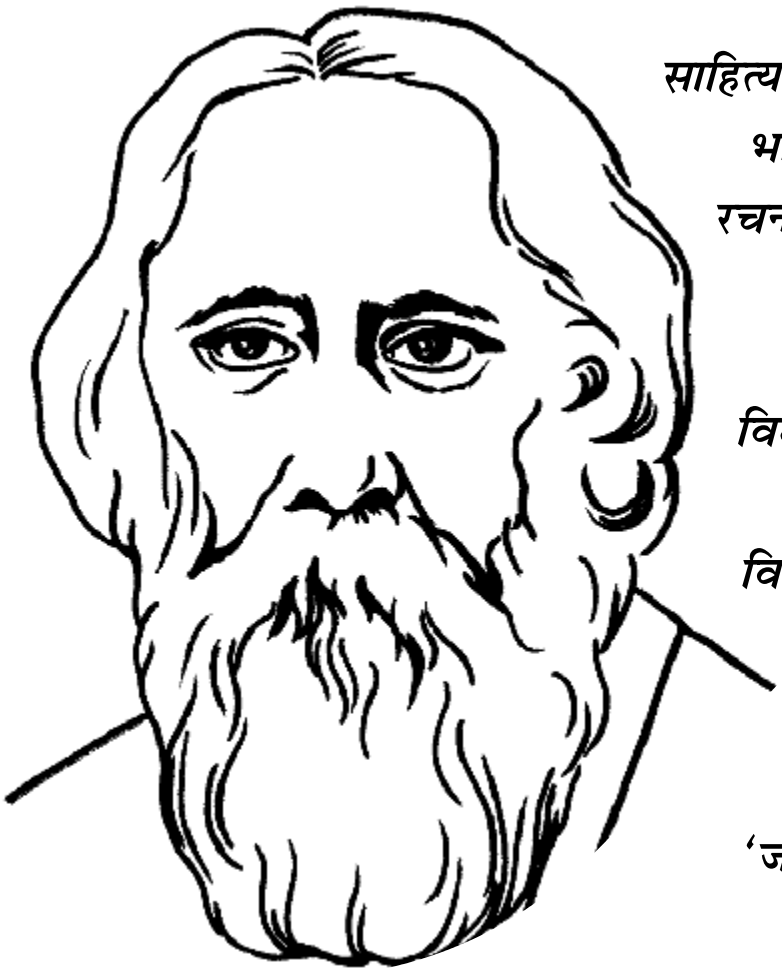

साहित्य का नोबेल पुरस्कार पाने वाले भारतीय उपमहाद्वीप के इकलौते रचनाकार हुए हैं रवीन्द्रनाथ टैगोर। कथा-काव्य, गीत-संगीत, नाट्य-नृत्य, चित्रकला आदि विधाओं पर उनकी रचनाएं भारत की ही नहीं समूचे विश्व की विरासत हैं। वे एक मात्र कवि हैं, जिनकी दो रचनाओं ने दो देशों के राष्ट्रगान बनने का गौरव हासिल किया। भारत में 'जन गण मन' और बांग्लादेश में 'आमार सोनार बांग्ला'।

- विष्णु शर्मा हितैषी -

द्वारकानाथ ठाकुर के सबसे बड़े पुत्र देवेन्द्रनाथ ने 18 साल की उम्र में गंगा के किनारे मौत की आगोश में समा जाने की दिन-रात प्रार्थना कर रही कृशकाय दादी के सान्निध्य में तीन दिन क्या बिताए, खुद बैरागी हो गए और परसेवा को ही अपना ध्येय बना लिया। इसीलिए लोगों में महर्षि के नाम से जाने गए। उन्होंने दादी के सान्निध्य में जैसे जीवन के सत्य को खोज लिया था। एक जगह उन्होंने इसका जिक्र करते हुए लिखा भी कि **'अब मैं वैसा नहीं रहा, वैभव-सम्पत्ति के प्रति मेरा लगाव खत्म हो गया। दादी के निकट जिस फटी-पुरानी बांस की चटाई पर में बैठा करता था, बस मुझे वही अपने लिए उपयुक्त जान पड़ी, मेरा मन-मयूर आनंदातिरेक में नाचता सा जान पड़ा। ऐसा अनुभव मुझे इससे पहले कभी नहीं हुआ।'** इसके बाद उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज सुधार के कार्यों में लगाया। इन्हीं महर्षि की संतान थे प्रकृति और मानव स्पंदन के महागायक रवीन्द्रनाथ। जब ये छोटे थे तो बड़ी बहन दुलारते हुए प्राय: कहती, मेरा रवि भले सांवला हो, लेकिन अपने तेज से सब पर छा जाएगा।' हुआ भी यही, वे न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में मानवता की उदात्तता के प्रकाश-पुंज बनकर चमके। उनके द्वारा 1910 में प्रणीत बांग्ला काव्य कृति 'गीतांजलि' के गीतों पर उन्हीं के द्वारा आंग्ल भाषा में अनुदित कृति को 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया। वे एशिया के पहले कवि थे, जिन्हें यह सम्मान मिला। स्वयं रवीन्द्रनाथ भी इससे चकित थे। विद्वानों ने इसे 'पश्चिम द्वारा पूर्व की मनीषा का सम्मान' माना।

देवेन्द्रनाथ चाहते थे कि रवीन्द्र बड़े होकर बैरिस्टर बनें। उन्होंने 1878 में इंग्लैण्ड के ब्रिजटोन पब्लिक स्कूल में दाखिला करवाया, जहां से स्कूली शिक्षा पूरी कर लंदन कॉलेज में प्रवेश किया किन्तु बिना डिग्री हासिल किए ही भारत लौट आए। कानून की पढ़ाई उन्हें रास नहीं आई, उनका मन तो साहित्य में रमता था। भारत आकर उन्होंने फिर से लेखन आरंभ किया। उन्हें ग्राम्यांचल से प्रेम था और पद्मा नदी का किनारा सबसे अधिक पसंदीदा। जिसकी छवि उनके काव्य में यत्र-तत्र उभरी दिखाई देती है। उन्होंने मौलिक सशक्त एवं सहज दृश्य शब्द कोष

विकसित कर लिया था। टैगोर के चित्रों में बेहद काल्पनिक एवं विचित्र जानवरों, मुखौटों, रहस्यमयी मानवीय चेहरों, गूढ़ भू परिदृश्यों, नाना प्रकार के पक्षियों एवं पुष्पों के चित्रों में लयात्मकता एवं जीवंतता का अद्‌भुत संगम है। कल्पना की शक्ति ने उनकी कला को जो विचित्रता और वैविध्यता प्रदान की, वह वर्णनातीत है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर का जन्म 7 मई, 1861 को कलकत्ता में शारदा देवी की कोख से हुआ। प्रकृति की गोद में पले-बड़े रवीन्द्रनाथ का काव्य सृजन प्रकृति प्रेरित है। बचपन में ही कविताएं लिखने लगे थे। सन् 1901 में टैगोर ने प. बंगाल के ग्राम्यांचल में 'शांति निकेतन' नाम से एक प्रायोगिक विद्यालय की स्थापना की। जहां उन्होंने पूर्व और पश्चिम की परम्पराओं में तालमेल बिठाने का अभिनव व प्रासंगिक प्रयास किया। 1921 में यह विश्व-भारती विश्वविद्यालय बन गया। 1902 तथा 1907 के मध्य उनकी पत्नी तथा दो बच्चों की मृत्यु से संवेदनशील यह व्यक्तित्व अंदर तक हिल सा गया। उनकी यह वेदना 'गीतांजलि' के गीतों में भी परलक्षित होती है।

वर्ष 1910 में बांग्ला में रचित इनके 157 गीतों का संकलन 'गीतांजलि' नाम से इंडियन पब्लिकेशन हाउस, कलकत्ता ने प्रकाशित किया था। इन्हीं गीतों का इन्हीं के द्वारा अंग्रेजी में गद्यानुवाद 'गीतांजलि : द सांग आफरिंग्स' संकलन में हुआ। 'गीतांजलि' की काव्यात्मक उत्कृष्टता और परमात्मा के प्रति साधक के रूप में कवि के भावपूर्ण समर्पण और आत्म निवेदन के दृष्टिगत ही नोबेल पुरस्कार समिति ने इसे सर्वसम्मति से पुरस्कार के लिए चयनित किया। समिति ने अपनी संतुस्ति में लिखा भी कि - **'स्वयं कवि द्वारा अंग्रेजी में अनूदित कविताओं का यह संकलन विस्मयपूर्ण है और ऐसा समृद्ध और काव्यात्मक प्रभाव उत्पन्न करता है कि इसे पुरस्कृत करने के प्रस्ताव में कुछ भी असंगत नहीं है। निस्संदेह यह श्रेष्ठ कृति है।'**

रवीन्द्रनाथ टैगोर की कविताओं की पांडुलिपि को सबसे पहले विलियम रोथेनस्टाइन ने पढ़ा और वे इतने मुग्ध हुए कि प्रसिद्ध आंग्ल कवि यीट्स से सम्पर्क किया और पश्चिमी जगत के लेखकों, कवियों, चिंतकों और रंगकर्मियों से टैगोर का परिचय करवाया। उन्होंने ही इंडिया

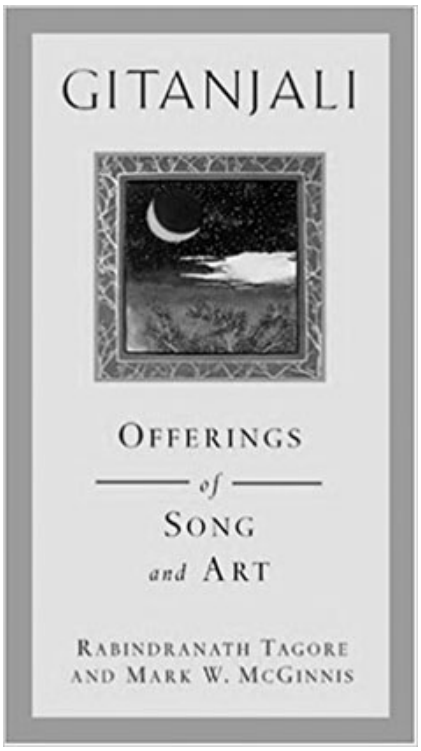

सोसायटी से इसके प्रकाशन की व्यवस्था की। बाद में मार्च 1913 में मेकमिलन एण्ड कम्पनी लन्दन ने इसे प्रकाशित किया।

नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले ही स्थिति यह हो गई कि इसके दस संस्करण छापने पड़े। यीट्स ने टैगोर के अनुवाद में कुछ सुधार किए और अपनी स्वीकृति के लिए टैगोर के पास भेजा और लिखा कि **'हम इन कविताओं में निहित अजनबीपन से उतने प्रभावित नहीं हुए, जितना यह देखकर कि इनमें तो हमारी ही छवि नज़र आती है।'** बाद में यीट्स ने अंग्रेजी अनुवाद की प्रस्तावना भी लिखी। उन्होंने लिखा कि **'कई दिनों तक इन कविताओं का अनुवाद लिए मैं रेलों, बसों और रेस्तराओं में घूमा हूं और मुझे बार-बार इन कविताओं को इस डर से पढ़ना बंद करना पड़ा कि कहीं कोई मुझे रोता-सिसकता न देख ले। हम लोग लम्बी-लम्बी किताबें लिखते हैं जिनमें शायद एक भी पन्ना ऐसा आनंद नहीं देता।'** इसके बाद तो न केवल भारतीय भाषाओं में बल्कि जर्मन, फ्रेंच, जापानी, रूसी सहित विश्व की सभी प्रमुख भाषाओं में अनुवाद हुआ और टैगोर विश्वकवि हो गए।

साहित्य का नोबेल पुरस्कार पाने वाले भारतीय उपमहाद्वीप के इकलौते रचनाकार रवीन्द्र नाथ की मानवता के भविष्य में अगाध आस्था थी। उनके संदेश, उलाहने और चेतावनियां मौजूदा दौर में भी हमें सतर्क रहने और अपराजित विश्वास का हौसला देती है। मानव ने अपने अथक और अनवरत प्रयासों से जिस सृष्टि की रचना की, उसे वह खुद कैसे समाप्त कर सकता है? रवीन्द्रनाथ ने अपनी रचनाओं में बार-बार यही चेताया है। समूची मानवता के उत्कर्ष के लिए वे सदा चिंतित रहे और उनकी कविताएं अंधेरे में दीपक की लौ की भांति मार्ग निर्देश देती रही हैं। ब्रह्म सत्य है, जगत मिथ्या' में विश्वास की बजाय वे पृथ्वी को ही मनुष्य की सबसे सुन्दर कृति बनने का स्वप्न ही नहीं देखा करते बल्कि अपने चिंतन और लेखन से इस दिशा में योगदान का साहस भी दिखाया। ■

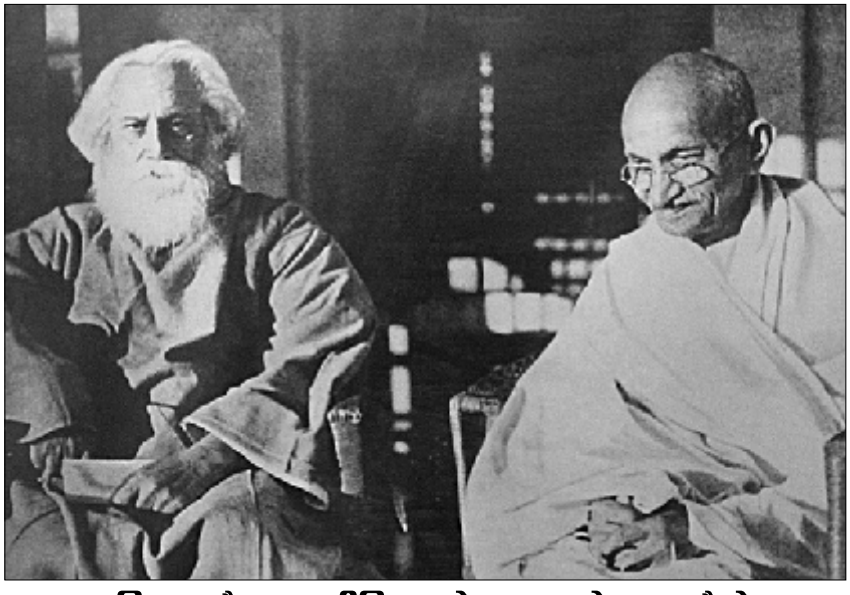

साहित्य और राजनीति का मेल : बापू के साथ टैगोर

Grace Colonizers Private Ltd.

Office :- 26, Nyay Marg, Court Chouraha,
Udaipur 313001 (Rajasthan)

Residence :- 123, Kharol Colony, Fatehpura, Udaipur

Telefax:- 0294-2413003(O) 2451569, 3296758 (R)

E-mail :- gcpludr@rediffmail.com

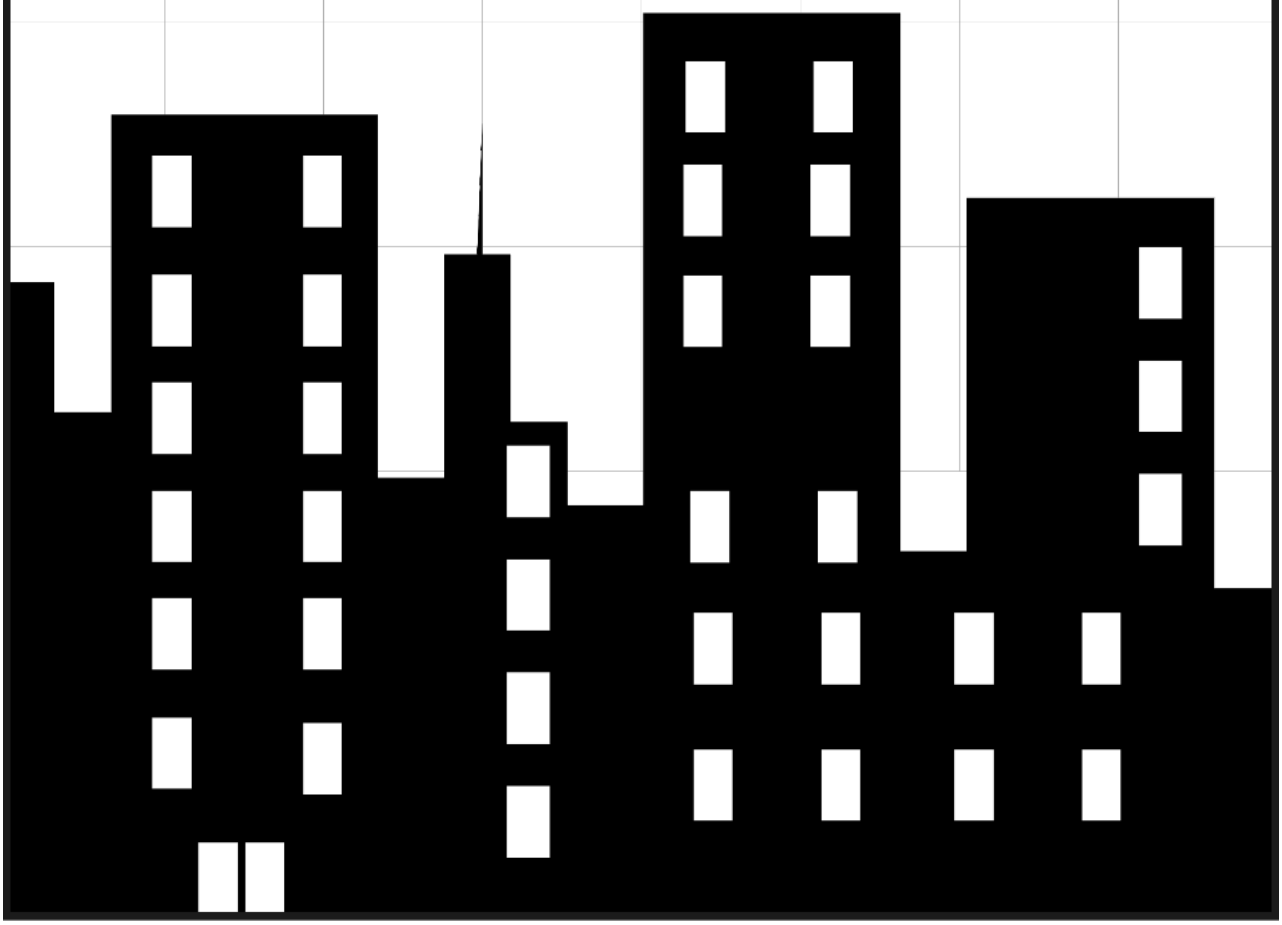

नीलगिरी की पहाड़ियों में मनोरम-कुन्नूर

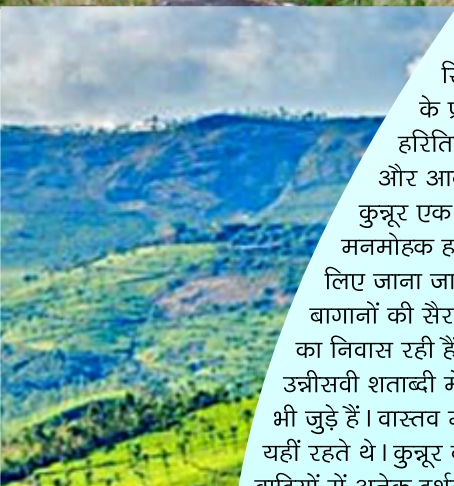

इन गर्मियों में तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों पर स्थित कुन्नूर की ओर जाने का मानस बना सकते हैं, जो देश के प्रसिद्ध और खूबसूरत हिल स्टेशनों में से एक है। यहां की हरितिमा और वादियों के मनमोहक दृश्य बरबस ही आपको अपनी और आकर्षित करते लगेंगे। समुद्र तल से 1800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित कुन्नूर एक अन्य प्रसिद्ध हिल स्टेशन ऊटी से 19 किमी दूर है। यह स्थान मनमोहक हरियाली, जंगली फूलों और पक्षियों की विविधताओं और कलरव के लिए जाना जाता है। यहां ट्रैकिंग और पैदल सैर का अपना ही मजा है। मुख्यतः चाय बागानों की सैर पर्यटकों को लुभाती है। नीलगिरी की पहाड़ियां सदियों से टोड़ा जनजाति का निवास रही हैं। ब्रिटिशकाल में इसे महत्वपूर्ण हिल स्टेशन घोषित करने के बाद कुन्नूर उन्नीसवी शताब्दी में पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हुआ। इस क्षेत्र से कई ऐतिहासिक तथ्य भी जुड़े हैं। वास्तव में यह अंग्रेज अफसरों की पसंदीदा जगह थी। वे प्रायः अपने परिवारों के साथ यहीं रहते थे। कुन्नूर की खूबसूरती में यहां के चाय बागान चार चांद लगाते हैं। यहां की प्राकृतिक वादियों में अनेक दर्शनीय स्थल हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर खींचते हैं। कुन्नूर के अलावा इसके इर्द-गिर्द और भी पर्यटन स्थल हैं जो देखने योग्य हैं।

सिम्सार्क पार्क : यह लगभग 1768 से 1798 मीटर की ऊंचाई पर 12 हेक्टेयर में फैला है। इस पार्क को आठ भागों में बांटा गया है। पार्क में लगभग 1000 से अधिक पौधों की प्रजातियां हैं जिनमें मुख्यतः देवदार, मंगोलिया, फर्न और केमिलिया है। पेड़-पौधों के इस पार्क का एक हिस्सा जापानी शैली में विकसित है। जेडी सिम के नाम पर पार्क का नामकरण हुआ जो 1874 में मद्रास क्लब के सचिव थे। हर साल यहां फूलों और सब्जियों का शो आयोजित होता है। जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं।

द पेश्चर इंस्टीट्यूट : इस संस्थान की स्थापना 1907 में की गई। यह सिम्स पार्क के समीप है। यह मूलतः पोलियो और रेबीज के टीकाकरण अनुसंधान के लिए जाना जाता है।

पॉमोलॉजिकल स्टेशन : यह नीलगिरी के तीन प्रायोगिक फूलों के बगीचों में से एक है। अन्य दो बगीचे बर्लियर और कल्लार हैं जो कुन्नूर-मेट्टूपलायम रोड पर हैं। अनुसंधान के उद्देश्य से यहां सेब, आड़ू, जामुन, नीबू, खूबानी, अनार आदि फलों को उगाया जाता है।

लॉज फाल्स : लॉज फॉल्स पिकनिक के लिए यह एक खूबसूरत स्थान है। कुन्नूर से मात्र 7 किमी की दूरी पर है। इस झरने की ऊंचाई लगभग 180 फीट है। इस झील से दूर-दूर तक का शांत वातावरण मन को बहुत भाता है।

लैम्स रॉक : कुन्नूर से 8 किमी दूर डोल्फिन्स नोज मार्ग पर स्थित लैम्स रॉक देखने योग्य है। यहां से कोयंबटूर के मैदानों का विहंगम नजारा भी देखा जा सकता है।

- फिरोज अहमद शेख

तैराकी में नया रिकॉर्ड बनाने पर जयपुर-उदयपुर में हुआ अभिनंदन

लेकसिटी का गौरव जलपरी गौरवी

लहरों से संघर्ष

समंदर फतह

मां और कोच के साथ खुशी के पल

लेकसिटी की गौरवी ने तैराकी में सबसे कम उम्र में 6 घंटे 35 मिनट और 34 सैकंड में समुद्र की ऊंची उठती लहरों को चीरते हुए 36 किमी की दूरी पार करने का नया रिकॉर्ड बनाया है। मुम्बई में सी-लिंक से गेट-वे ऑफ इण्डिया तक की दूरी तय करके सबको आश्चर्यचकित कर देने वाला यह साहसिक कारनामा उन्होंने 26 मार्च 2017 को किया। इस दौरान उन्हें आठ बार पानी पिलाया गया। उन्होंने छह बार चॉकलेट और दो बार केले भी खाए। अभिषेक सिंघवी-शुभ सिंघवी दम्पत्ति की इस बेटी ने इससे पांच दिन पहले 21 मार्च को मुम्बई में ही गवर्नर हाउस से गेट-वे ऑफ इण्डिया तक की 16 किमी की दूरी महज 3 घंटे 58 मिनट में तय करने का कीर्तिमान स्थापित किया था। इस रूट पर ऐसा कारनामा करने वाली वह सबसे कम उम्र की तैराक है। होली के त्योहार के एक दिन पहले ही गौरवी ने उदयपुर की फतहसागर झील में 20 किमी की तैराकी कर अपने लक्ष्य का अभ्यास कर लिया था और तभी सिंघवी परिवार व गौरवी के कोच महेश पालीवाल को यह विश्वास हो गया था कि वह 21 मार्च को 16 किलोमीटर की दूरी आसानी से तय कर लेगी।

14 वर्षीय गौरवी 8वीं कक्षा की छात्रा हैं। पिछले दो वर्ष से वे लगातार राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीत चुकी है। जबकि पिछले तीन साल से जिला स्तर पर भी विजेता रही। स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय रैंकिंग में वे ग्यारहवें स्थान पर हैं। ओपन चैनल स्विमिंग में कई रिकॉर्ड अपने नाम कर मेवाड़ और प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली गौरवी व उनके कोच महेश पालीवाल का 3 अप्रैल 2017 को उदयपुर में क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र, जिला क्रीड़ा परिषद्, खेल प्रेमियों व 'प्रत्यूष' हिन्दी मासिक पत्रिका द्वारा होटल अलका में अभिनन्दन किया गया। जिला कलक्टर रोहित गुप्ता ने समारोह को भेजे संदेश में कहा कि गौरवी पर उदयपुर को गर्व है। वे इससे आगे के रिकॉर्ड बनाए यही शुभकामना है। गौरवी के दादा एम.एस. सिंघवी ने कहा कि गौरवी बचपन से ही अपने पिता की तरह अच्छा तैराक बनना चाहती थी। पिता के साथ तैराकी ने इसका हौसला बढ़ाया और फिर इसे स्कूल और खेलसंघों का मार्गदर्शन मिला। सिंघवी परिवार उन सबका आभारी है जिन्होंने गौरवी के सपने को साकार करने में मदद की।

समारोह के मुख्य अतिथि महापौर चन्द्रसिंह कोठारी थे। जबकि अध्यक्षता यूआईटी चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली ने की। दोनों ही जनप्रतिनिधियों ने कहा कि उदयपुर गौरवी को विश्व तैराकी में रिकॉर्ड कायम करते देखना चाहता है और ईश्वर यह अवसर अवश्य प्रदान करेंगे।

गौरवी को सम्मानित करते 'प्रत्यूष' सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी, महापौर चन्द्र सिंह कोठारी एवं यूआईटी चेयरमैन रविन्द्र श्रीमाली।

गौरवी ने कहा कि उसका अगला लक्ष्य इंग्लिश चैनल पार करना है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, अपने कोच व महाराणा प्रताप खेलगांव तरणताल में मार्गदर्शन को दिया। कार्यक्रम में खेलगांव तरणताल के सभी तैराक अपनी रोल मॉडल गौरवी का अभिनन्दन करने पहुंचे। इनमें से ज्यादातर की उम्र 10 से 14 साल के बीच थी।

जिला खेल अधिकारी ललित सिंह झाला ने गौरवी की स्पीड और स्ट्रोक्स और खेलगांव के विकास की जानकारी देते हुए बताया कि जल्द ही उदयपुर अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट मैच हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि गौरवी को प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करेंगे और आगे के प्रशिक्षण के लिए विशेष अनुदान स्वीकृत करने का राज्य सरकार से अनुरोध किया जाएगा।

गौरवी के कोच महेश पालीवाल ने मुम्बई में गौरवी की तैराकी के दौरान उन क्षणों का जिक्र किया जब उनका व गौरवी के माता-पिता का दिल एक बारगी थम सा गया था। उन्होंने बताया कि गौरवी के साथ चल रही हमारी बोट एकाएक खराब हो गई। जबकि लहरों को चीरती हुई गौरवी तेजी से आगे बढ़ रही थी। वह हमारी नज़रों से ओझल हो चुकी थी। बोट तब ठीक हुई जब गौरवी करीब 6 किलोमीटर हमसे आगे निकल चुकी थी। बोट ठीक होने और गौरवी पर नज़र टिकने पर ही लगा कि सांसे लौट रही हैं। गौरवी ने 30 किमी की दूरी तेज और लगभग एक जैसी स्पीड के साथ तय की। गेटवे रूट के लाइट हाउस के नजदीक मौसम का एकाएक मिजाज बदल गया। हवा मंद होने से गौरवी को परेशानी होने लगी। यहां 30 मिनट में वह करीब 300 मीटर ही तैर पाई। उसे लहरों से जूझते देख माता-पिता के हाथ ईश्वर की दुआओं के लिए उठ गए। गौरवी ने हिम्मत दिखाई और बढ़ती गई।

अपने परिवार के साथ लाडली गौरवी

कार्यक्रम में जिला बैडमिन्टन संघ के अध्यक्ष सुधीर बक्षी, होटल व्यवसायी कमल भण्डारी, यूसीसीआई अध्यक्ष वी. पी. राठी, सरस डेयरी चेयरमैन गीता पटेल, 'प्रत्यूष' के सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी, प्रदेश कांग्रेस सचिव पंकज कुमार शर्मा, यूसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष रमेश चौधरी, दिलीप सुखाड़िया, रोटेरियन निर्मल के. सिंघवी सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमियों ने गौरवी का स्वागत किया। इससे पूर्व गौरवी के पिता अभिषेक सिंघवी और माता शुभ सिंघवी ने कहा कि उदयपुर सहित देशभर से मिली शुभकामनाओं ने गौरवी का हौसला बढ़ाया है। यही वजह है कि गौरवी लहरों से संघर्ष कर सकी। कुछ दिन पूर्व जयपुर में भी राजस्थान फोरम की ओर से आईटीसी राजपूताना होटल में गौरवी का अभिनन्दन किया गया था।

रिपोर्ट :- रेणु शर्मा

With Best Compliments from
NAHAR
COLOURS & COATING LTD.
Certified ISO 9001 by
BVQI
UKAS QUALITY MANAGEMENT 008
NCCL, House, G-1, 90-93, Sukher Industrial Park
Udaipur-313004 INDIA
Tel. : +91-294-2440307-309 | Fax : +91-294-2440310
E-mail : ramesh@naharcolours.net

A Product of
अर्चना Panch 5 mani Fragrance
अर्चना एक्टिव
आधुनिक एवं सर्वश्रेष्ठ तकनीक का आविष्कार एक्टिव डिटर्जेन्ट पाउडर
1 Kg. वाले कट्टे में 25 पाउच
500 Gram वाले कट्टे में 40 पाउच
200 Gram वाले कट्टे में 80 पाउच
निर्माता : पंचमणी फ्रेगरेन्स
कार्यालय : ने. हा. 76, एयरपोर्ट रोड
ग्लास फैक्ट्री चौराहा, खेमपुरा की तरफ
उदयपुर-313001 (राजस्थान)
वेबसाईट : www.archanaagarbatti.com
ई-मेल : sales@archanaagarbatti.com
www.facebook.com/Archana Agarbatti
फोन : 0294-2492161, 2490899
व्यावसायिक पूछताछ एवं डीलरशिप हेतु आर्थिक रूप से सुदृढ़ पार्टियां (वितरक रहित क्षेत्र में) सम्पर्क करें।
मो.: +91-98290 42705, +91-99508 15555

मौत को दबोच, चीता ने जीती ज़िंदगी की जंग

कश्मीर में आतंकवादियों की 9 गोलियां शरीर में धंसने के बावजूद सीआरपीएफ की 45वीं बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर राजस्थान की माटी के सपूत चेतन चीता ने अपनी प्रबल इच्छाशक्ति के बल पर मौत को ही दबोच लिया और जीत ली ज़िंदगी जंग।

राजस्थान के कोटा नगर निवासी सीआरपीएफ की 45वीं बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर चेतन चीता(45) 14 फरवरी 2015 को कश्मीर घाटी के बांदीपुरा में आतंकवादियों से मुठभेड़ में अपनी टीम का नेतृत्व करते हुए गोलियों से शरीर छलनी होने पर भी बहादुरी से आतंकवादियों से लड़ते रहे। उन्होंने 16 राउन्ड गोलियां चलाई और लश्कर के खतरनाक आतंकी कमांडर अबू हारिस को ढेर कर दिया। घायल चीता को अविलम्ब श्रीनगर के आर्मी अस्पताल ले जाय गया, जहां से कुछ ही देर बाद बिगड़ती हालत को देखते हुए एयर एंबुलेंस के जरिये नई दिल्ली ले जाकर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) में भर्ती कराया गया। जहां दो माह की गहन चिकित्सा के बाद 5 अप्रेल 2017 को छुट्टी दी गई। वे प्रारंभिक 16 दिन तक कोमा में रहे।

इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की खबर के बाद सुरक्षा बलों ने सर्च अभियान शुरू किया, जिसकी जानकारी आतंकियों को मिलने पर उन्होंने ठिकाना बदल लिया। चीता के नेतृत्व में सुरक्षा बल की टीम ने भी उनका पीछा नहीं छोड़ा और वह उस ठिकाने तक पहुंच ही गई, जहां आतंकी दुबके थे। टीम ठीक से मोर्चा संभालती, उससे पहले ही आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। चीता पर 30 राउन्ड गोलियां बरसी, जिनमें से 9 उन्हें लगी। घायल होने के बावजूद चीता ने फायरिंग जारी रखी और खूंखार आतंकी अबू हारिस को मार गिराया। इस मुठभेड़ में तीन जवान शहीद हुए। नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में जब लाया गया, सिर पर काफी गंभीर चोट थी और शरीर के ऊपरी हिस्से में कई जगहों पर फ्रेक्चर थे। दांई आंख पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी। उनका GCS(सिर की चोट की गंभीरता तय करने वाला टेस्ट) स्कोर M3 था। जो दो माह तक डॉक्टरों के अथक प्रयास, एंटीबायोटिक थैरेपी और चीता की प्रबल इच्छाशक्ति के बाद M6 हुआ। उनके शौच के लिए डॉक्टरों को शरीर के अन्य भाग में रास्ता बनाना पड़ा, क्योंकि पेट में लगी गोलियों से शौच मार्ग क्षतिग्रस्त हो चुका था और परफोरेशन का खतरा था। जहां उन्हें गोलियां लगी वहां बारी-बारी सर्जरी की गई।

कोटा में जन्मे और वहीं खेड़ली फाटक निवासी चेतन चीता ने सेंटपॉल स्कूल के 1991 बेच से पासआउट होने के बाद राजकीय महाविद्यालय से स्नातक की डिग्री ली। पिता रामगोपाल भी राजस्थान प्रशासनिक सेवा में अधिकारी रहे हैं। अस्पताल में रहने के दौरान पत्नी उमा, सांतवी में पढ़ने वाला बेटा दुष्यंत और बेटी रिनय ने भी रात-दिन अस्पताल में ही गुजारे। पत्नी उमा बेटे-बेटी की पढ़ाई की खातिर दिल्ली में ही रहती हैं। जब उन्हें सूचना मिली तो वह तत्काल श्रीनगर पहुंची। एयर एम्बुलेंस से वे जख्मी पति के साथ ही एम्स पहुंची। आंखों में आंसू थे और होठ शब्द छोड़ नहीं पा रहे थे। उन्होंने बताया कि 'उस समय उनकी आंखें बंद थी, वे पूरी तरह बेहोश थे, लेकिन जब सांस चलती देखी, मैं जान गई कि वे यह जंग जरूर जीत लेंगे। हिम्मत जुटाकर उन्हें आवाज दी। उनका हल्के से हाथ हिला, जैसे वे मुझे दिलासा दे रहे हों।' एम्स में भर्ती होते ही देश भर के लोगों के हाथ उनकी सलामती की दुआओं के लिए उठ गए और अन्ततः वे मौत को दबोच कर ज़िन्दगी की जंग जीत गए। वे अब बिल्कुल स्वस्थ तो नहीं लेकिन बेहतर हैं और घर में आराम कर रहे हैं। परिवार और डॉक्टरों की उनके स्वास्थ्य पर बराबर नज़र है। एम्स में जब सेना प्रमुख बिपिन रावत उनसे मिलने गए तो चीता भावुक हो उठे और बोले 'मुझे लगता है कि मैंने देश के लिए किंचित योगदान किया है।' इस बहादुर सैनिक को देश का सलाम। ■

- मोहन गौड़

शरीर हुआ छलनी

चीता पर की गई 30 राउंड फायरिंग में से उन्हें लगी नौ गोलियों में एक दायें जबड़े के ऊपरी हिस्से में आंख के पास लगी, जिससे आंख पूरी तरह नष्ट हो गई। दो गोलियां दोनों हाथों में लगी। दो गोलियां पेट में लगी। जिससे रैक्टम(शौच मार्ग) क्षतिग्रस्त हो गया। दो गोलियां दोनों कूल्हों की हड्डियों के बीच धंसी, जिससे वे आज भी खड़े नहीं हो पा रहे हैं। दो गोलियां दोनों जांघों में लगी। जिनके घाव भी अभी भर नहीं पाए हैं। जांघों और हाथ की हड्डियों में फ्रेक्चर है।

बारूद के ढेर पर दुनिया

संयुक्त राष्ट्र बड़ी ताकतों का न बने 'खिलौना'

क्या दुनिया फिर से विश्व युद्ध के कगार पर है? पश्चिम एशिया अर्से से बड़े देशों के वर्चस्व का रणक्षेत्र बना हुआ है। इराक, ईरान, सीरिया, अफगानिस्तान दशकों से बर्बरता जातीय हिंसा व आतंकवाद की चपेट में है। पेट्रो-केमिकल के अकूत प्राकृतिक भंडार के अंधाधुंध दोहन के स्वार्थ विश्व की बड़ी ताकतें युद्ध की ज्वाला धधकाने में लगी हैं। अकूत तेल भंडारों को कब्जाने में सियासत के शहंशाह और आतंकी संगठन भी पीछे नहीं है। अलकायदा, तालिबान, हक्कानी और इस्लामी स्टेट जैसे कई खूंखार संगठनों की पकड़ इतनी मजबूत बन चुकी है कि वे पेट्रो डॉलर के बूते समूचे विश्व पर नियंत्रण के मंसूबे बांधे बैठे हैं। इन संगठनों ने युवाओं का ब्रेन वाश कर कट्टरता का ऐसा पाठ पढ़ाया है कि वे मरने-मारने पर आमादा हैं। पश्चिम एशिया में जमे आतंकियो ंकी फंडिंग अरब मुल्कों से हो रही है, तो पालन-पोषण और प्रशिक्षण पाकिस्तान से। रूसी और अमरीकी खेमों में बंटी बिरादरी अपने-अपने नफ़ा-नुकसान के मद्देनजर हालातों को हवा दे रही है।

सीरिया दशकों से गृहयुद्ध के कारण रक्तरंजित है। अब तक चार लाख लोग मारे गए और बीस लाख विस्थापित हुए हैं। 60 लाख बेघर होकर दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। यहां अगस्त 2013 में घातक सैरिन नामक रासायनिक गैस का हमला हुआ था, जिसमें 1300 लोग मारे गए। ताजा मामले में 4 अप्रैल 2017 को खान शेखोंन शहर में हुए केमिकल हमले में 86 लोग मारे गए और सैकड़ों कराहते हुए अस्पतालों में मौत से जूझ रहे हैं। इस हमले का आरोप सीरिया सरकार व रूस पर लगाते हुए अमेरिका ने 7 अप्रैल को 4 मिनट में ही 59 टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें दागते हुए शायरत एयरबेस को निशाना बनाया। इससे विश्व के दोनों बाहुबली रूस और अमरीका आमने-सामने आ गए। दोनों के बीच टकराव एक इंच से भी कम रह गया है। इनके पास हजारों परमाणु बम का ज़खीरा है, जो पलक-झपकते पूरी दुनिया को नेस्तनाबूद कर सकता है। अमेरिका ने एक और कदम उठाते हुए 13 अप्रैल को अफगानिस्तान के नांगरहार इलाके पर 'मदर ऑफ ऑल बम्स' कहा जाने वाला जीबीयू-45(बी) बम से अलकायदा, आईएस व तालिबानी आतंकियों को निशाने पर लिया। इससे अचिन पहाड़ियों के बीच बनाई गई सुरंगों में छिपे कई आतंकवादी मारे गए। माना जा रहा है कि उस वक्त तीन हजार से ज्यादा इस्लामिक लड़ाके मौजूद थे। यह क्षेत्र पाकिस्तान की सीमा से महज़ 60 किमी दूर है। पाकिस्तान के दुर्गम सीमावर्ती इलाके में भी कई खूंखार आतंकी शरण लिए हैं। पिछले वर्षों पाकिस्तान के पेशावर की सैनिक छावनी में छिपे अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को अमरीकी सेना ने ढूंढ कर ढेर किया था। पाकिस्तान इस घटना से सहमा हुआ है कि अगला निशाना फिर वहां हो सकता है। जीबीयू बम 9 मीटर लम्बा, 1.02 मीटर व्यास, 11 टन टीएनटी विस्फोटक से लैस, 21,600 पौंड वज़नी और एक करोड़ से अधिक कीमत का है। यह गैर-परमाणु तो है, परन्तु घातक इतना है कि पहाड़ों को छलनी कर सकता है। 15 साल पहले इसी क्षेत्र के पास तोरा-बोरा में भी अमेरिका ने डेजी कटर बम गिरा कर कई खूंखार आतंकियों का सफाया किया था। बचे हुए दहशतगर्द अब आइएस के बैनर तले पूरे विश्व में आतंकी नेटवर्क चला रहे हैं।

जीबीयू के धमाकों से दुनिया में एक साथ कई संदेश दिए गए। रूस, चीन, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, सीरिया, इराक और उत्तर कोरिया के लिए अलग-अलग किस्म की चेतावनी है कि अमरीकी विदेश नीति अब पहले जैसी नहीं रहेगी। वहीं अमरीकी कार्रवाई से रूस की भौंहें भी तन गई है। इधर लम्बे अर्से से सैन्य ताकत व धौंस के बल पर दक्षिण-चीन सागर पर साम्यवादी चीन एकाधिकार जता रहा है। इस क्षेत्र में अपने सहयोगी राष्ट्रों की मदद के लिए पहले ही युद्धक सामग्री और लड़ाकू विमानों से लैस अमरीकी जहाज जॉन स्टेनिस गश्त कर रहा है। इस क्षेत्र की समुद्री व्यापार के लिहाज़ से विश्व में अहम भूमिका है। यहां पेट्रो-केमिकल का अकूत भंडार है। जापान, फिलीपीन, वियतनाम, ताईवान, मलेशिया, ब्रूनेई पहले ही चीन से खफ़ा है। चीन की शह पर उत्तर कोरिया पड़ोसी मुल्कों सहित अमेरिका को परमाणु मिसाइल हमले की धमकी दे चुका है। वहां का शासक किम जोंग तानाशाह और तुनकमिज़ाजी है। पश्चिम एशिया के अलावा पीला सागर और दक्षिण चीन सागर का इलाका नाजुक रणक्षेत्र बना हुआ है। बारूद के ढेर पर बैठी दुनिया का अस्तित्व मामूली चिनगारी से कभी भी समूल नष्ट हो सकता है। दुनिया के अन्य चार क्षेत्रों लीबिया, सूडान, यमन और नाइजीरिया में भी हालात अच्छे नहीं हैं। गृहयुद्ध की स्थितियों ने इनकी आबादी को भुखमरी के कगार तक पहुंचा दिया है। यह हालात इन देशों के नेतृत्व की गलतियों से बने किन्तु कुछ गंभीर गलतियां अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भी हुई। सूडान में अलगाववादी ताकतों ने संसाधनों की दृष्टि से सम्पन्न देश को हिंसा की आग में झोंक कर कमजोर ही नहीं किया बल्कि लोग भूख से मर रहे हैं। यमन, सउदी अरब और ईरान के बीच टकराव का मोहरा बना हुआ है तो नाइजीरिया कट्टरवादी तत्वों के पंजे में फंसा है। शांति-सद्भाव, सुलह-बातचीत और समझ-धैर्य से ही विश्व और मानव सभ्यता को बचाया जा सकता है। आतंक, हिंसा और अलगाववाद किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। संयुक्त राष्ट्रसंघ को बड़ी ताकतों के हाथों का 'खिलौना' बने रहने की बजाय मानवता के अस्तित्व के लिए अब कुछ कड़े कदम उठाने ही होंगे।

- उमेश शर्मा

Mahendra Jain
+91 93527 98887

With Best Compliments

Prateek Jain
+91 94601 84445

प्रत्यूष

Modern Medical Agency

Modern Ayurvedic

O/s Delhi Gate, Hummad House,
Udaipur - 313001, Ph. : 0294-3292890
E-mail : modern_ayurvedics@yahoo.com

Modern Ayurvidic Centre

Ayurvedic Clinic & Consultancy Services
Ayurvedic Medicines & Herbal Products
House No. 2 Shri Niwas,Lane No. 3,
Durga Nursery Road, Udaipur - 313 001

Navkar

A House of
Designer Sarees,
Lehanga-Chunni

Phone :+91-294-2422975
+91-294-2524319

134. Dhan Mandi,
Teej Ka Chowk,
Udaipur

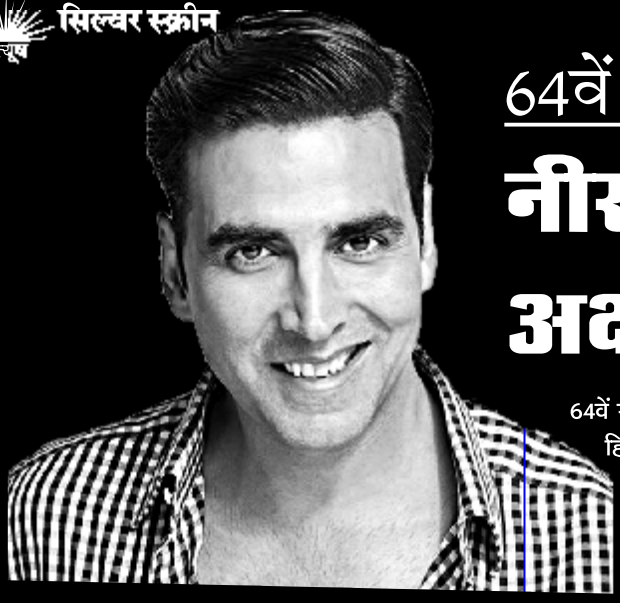

64वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

नीरजा सर्वश्रेष्ठ फिल्म, अक्षय श्रेष्ठ अभिनेता

64वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का ऐलान 7 अप्रेल को नई दिल्ली में हुआ। सर्वश्रेष्ठ हिन्दी फिल्म का अवॉर्ड 'नीरजा' को दिया गया है। इस फिल्म में सोनम कपूर को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्पेशल मेंशन अवॉर्ड से नवाजा गया। 'रुस्तम' फिल्म के लिए अक्षय कुमार को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया है। उनका यह पहला राष्ट्रीय पुरस्कार है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश को मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट के तौर पर चुना गया है। वहीं, झारखंड को भी स्पेशल मेंशन अवॉर्ड दिया गया है। टीनू सुरेश देसाई के निर्देशन में बनी 'रुस्तम' में अक्षय ने नेवी ऑफिसर रुस्तम पावरी का किरदार निभाया था। अक्षय कुमार की यह फिल्म मुंबई के प्रसिद्ध नेवी अधिकारी के एम नानावती केस पर आधारित थी।

जायरा भी पुरस्कृत

फिल्म 'दंगल' में नन्हीं बबीता का किरदार निभाने वाली कश्मीरी अभिनेत्री जायरा वसीम को 'बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस' चुना गया। सुरभि सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री : मलयालम फिल्म मिन्नामीनुनगु के लिए सुरभि लक्ष्मी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया।

सोनम को विशेष अवॉर्ड

राम माधवानी की फिल्म 'नीरजा' की कहानी पैन एम 73 फ्लाइट के हाईजैक पर आधारित है। इसमें नीरजा भनोत बनी सोनम यात्रियों को आतंकियों से छुड़ाती है।

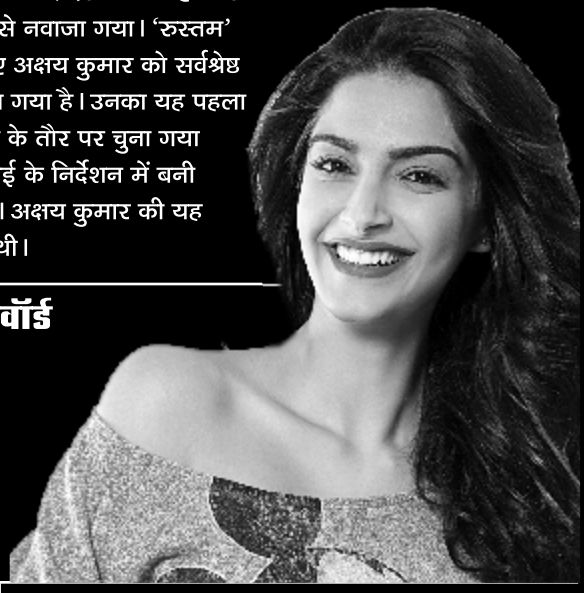

सही सोच और अप्रोच

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता जैकी श्राफ उर्फ जैकी दादा के बेटे टाइगर श्राफ ने बहुत कम समय में फिल्मों में अपनी पहचान बनाई है। वे फिटनेस को लेकर ज़रूरत से ज्यादा जागरूक हैं। उनके दिन की शुरुआत ही 'फिटनेस' कार्यक्रम से होती है। व्यायाम, डांस, मार्शल आर्ट के अभ्यास से दिनचर्या आरंभ होती है। वे मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग के लिए चीन भी जाएंगे। उनका मानना है कि शरीर अथवा मांस-पेशियों को ही हृष्ट-पुष्ट रखना फिटनेस नहीं है। फिटनेस के जो मायने मेरे लिए हैं, वह है - शरीर और आत्मा दोनों को फिट रखना। शरीर के साथ आत्मा का भी स्वस्थ और स्वच्छ रहना जरूरी है, वही सकारात्मक सोच और अप्रोच का जरिया है। जीवन के हर उतार-चढ़ाव को सकारात्मक रूप में लेता हूं, जिससे नैराश्य भाव मुझमें प्रकट ही नहीं हो पाते और सदैव प्रसन्न रहता हूँ। यही सोच मुझे पूरी तरह फिट बनाती है। खान-पान पर बहुत ध्यान वाले टाइगर ऑयली स्पाइसी और मीठी चीजों को नज़रन्दाज करते हैं। प्रोटीन से भरपूर चीजें इन्हें ज्यादा पसंद है। इन दिनों वे 'मुन्ना माइकल' फिल्म में व्यस्त हैं। वे जल्दी ही 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' व 'बागी-2' फिल्म में भी नजर आने वाले हैं।

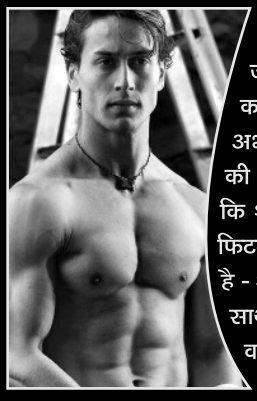

ज़िन्दगी से जंग

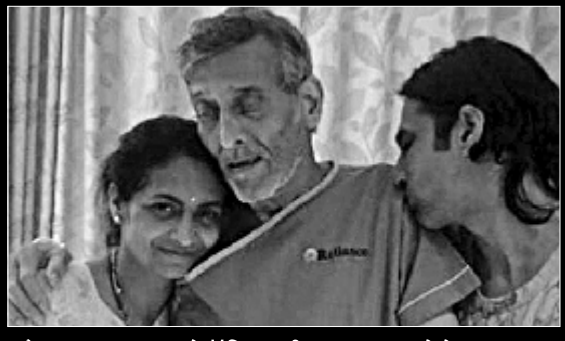

बतौर खलनायक अपने कॅरियर की शुरुआत करने के बाद नायक के रूप में शोहरत की बुलन्दियों तक पहुंचने वाले अभिनेता विनोद खन्ना इन दिनों ज़िन्दगी से जंग लड़ रहे हैं। वे पिछले कुछ महीनों से बीमार हैं। थोड़े ही दिन पहले शरीर में पानी की कमी के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती भी रहना पड़ा। बताया जाता है कि वे ब्लैडर कैंसर के शिकार हैं। 1997 में राजनीति में प्रवेश करने वाले 70 वर्षीय खन्ना पहली बार 1998 में भाजपा के टिकट पर गुरुदासपुर (पंजाब) लोकसभा सीट से चुनाव लड़े और जीते। केन्द्रीय मंत्री भी रहे। खन्ना के फैन्स उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की दुआएं कर रहे हैं।

PACIFIC UNIVERSITY

Admissions Open

With option for

DEGREE WITH A STARTUP Support

WORLD CLASS PROGRAMMES

WITH ASSURED PLACEMENT ASSISTANCE & OPTION FOR STARTUP

MBA

MBA Dual Specialization
MBA with International Certification
MBA Hospital Administration

- Pre-placement in Jobs.
- Empowered Incubation Center for Entrepreneurship.
- 20+ Certification Options including Financial Modeling, Simulation & many more.
- 200 Hours Student Development Programmes.
- 2 Majors for Double Employability.
- 360 Degree Development.

5 Times National Champion in Simulated Management Games of AIMA

250+ Corporate Linkages in Management Education

100+ Companies Training Support including BSE, III, IIT, Systat ...

MBA From RTU also available at PBS

For More Detail :
+91 9983992222, +91 9672970941

B. PHARMA.

MCA

WHY JOIN MBA / B. TECH. / MCA / B. PHARMA DEGREE WITH STARTUP Support?

- Professional guidance for setting your own business venture.
- Business idea identification and development of project report.
- Investment support from Angel Investors / Venture Capital Funds.
- Boot Camp to incubate for launching and running own business.

HIRE ME → CHANGE THE ATTITUDE → I CAN HIRE

NO YES

B. TECH.

B.Tech. Civil, Mechanical, ECE, CSE, IT, Electrical, Mining, EEE.

M.Tech. CAD/CAM, Structural Engg, Geotechnical Engg, Software Engg, CSE, Digital Communication, VLSI, Control & Instrumentation Engg, PS, Industrial Engg, Production Engg, Energy Studies, CTM

- 1st in Aakash Anroid Application Programming Contest Conducted by IIT Bombay.
- 35,000+ Books, Periodicals, 200+ Journals (National & International), 2000+ E-Journals.
- Achieved Third Position in Thar - 2015.
- Technical Support from more than 50 Labs.

52+ Corporate Linkages in Engineering Education

100+ Corporate Training Support including IBM, Oracle, Infosys, Flipkart & Many More..

B.Tech From RTU with Best College for Engineering Award

B.Tech. from RTU also available

For More Detail :
+91 7665017787, +91 9672970940

The Pacific Group

3 Universities
2 Medical Colleges
5 Dental Colleges
4 Engineering Colleges
4 Management Colleges
more than 24 Colleges ...

Campuses in 120 Acre | 500+ Faculty | 15000 Students

पेसिफिक यूनिवर्सिटी की डिग्री विथ स्टार्टअप योजना के लाभ

राजस्थान पत्रिका, उदयपुर 18 फरवरी 2017 : पेसिफिक विश्वविद्यालय में डिग्री विथ स्टार्टअप से छात्रों में उद्यमिता विकास व अपना स्टार्टअप स्थापित करवाने में सहायता की जाएगी। प्रथम चरण में एम.बी.ए., बी.टेक, बी. फार्मा व एम.सी.ए. पाठ्यक्रमों में लागू।

दैनिक भास्कर, उदयपुर 18 फरवरी 2017 : पाठ्यक्रम अवधि में छात्रों के उपयुक्त उत्पाद के चयन, बिजनेस प्लान तैयार करने, एंजेल इन्वेस्टर जुटाने में सहयोग। विद्यार्थी अपना उपक्रम स्थापित कर उद्यमी बन पाएंगे।

दैनिक नवज्योति, उदयपुर 18 फरवरी 2017 : डिग्री विथ स्टार्टअप योजना में विश्वविद्यालय में इन्क्यूबेशन सेंटर उपक्रमों के चयन, संचालन, संसाधनों के विकास, उपक्रम के बुनियादी ढाँचे के निर्माण में, व्यापार के लिए उचित नेटवर्क निर्माण में छात्रों की मदद करेगा है।

प्रातःकाल, उदयपुर 18 फरवरी 2017 : डिग्री विथ स्टार्टअप योजना का प्रमुख उद्देश्य छात्रों में स्वतंत्र एवं स्वावलंबी बनने की भावना का विकास करना एवं देश में उद्यमवृत्ति को बढ़ावा देना है।

करें अपनी उद्यमिता का विकास पेसिफिक डिग्री विथ स्टार्टअप योजना के साथ

Laurels

- Times Education Achievement Awards - 2016 &17 in Dental, Education, Pharmacy and Commerce & Mass Communication.
- Mega Events : RAJAPTICON-2015, Pharmacy Convention, 4th International Science Congress Conference 2014, South Asian Universities Festival 2015 - Students from 8 Countries & Many more...
- 4th Place in West Zone Inter University Hockey Tournament 2015-16.
- Annual Science Model Exhibition.
- Corporate Supports of 200+ Companies.
- Libraries with 1 Lac Sq. Feet Plinth Area, 2, 50,000 Books, 1,000+ National & 400+ International Journals.

POLYTECHNIC DIPLOMA (AICTE Approved)
Diploma : Civil | Mechanical | Electrical
Architecture | Mining | Automobile | CSE | ECE
Mob.: 953 036 0191

COMMERCE
B.Com. : Global Business Management
(Free Educational foreign tour every year)
B.Com. (Synchronised with competitive exams)
BBA (Synchronised with competitive exams)
B.Com. (Hons.) (Synchronised with CA / CS)
M.Com. Mob.: 988 726 2020

MASS COMMUNICATION
BA (Journalism and Mass Communication)
MA (Journalism and Mass Communication)
Mob.: 988 726 2020

AGRICULTURE
B.Sc. (Hons.) Agriculture
M.Sc. Agriculture | Mob.: 869 688 8048

DENTAL (DCI Approved)
B.D.S., M.D.S. Mob.: 766 501 7760

BASIC SCIENCES
B.Sc. (Both Maths & Bio Group)
B.Sc. (Hons.) (Physics / Chemistry / Maths / Computer Science / Statistics / Botany / Zoology)
M.Sc. (Physics / Chemistry / Maths / Computer Science / Statistics) Mob.: 766 501 7783

FIRE AND SAFETY MANAGEMENT
B.Sc.: Fire & Industrial Safety Management
Diploma: Fire & Safety Management | Industrial Safety & Disaster Mgmt. | Health Safety & Environment
PG Diploma: Industrial Safety Management | Fire & Safety Management | Health, Safety & Environment Mob.: 967 297 0953

DAIRY TECHNOLOGY & FOOD TECHNOLOGY
B.Tech Dairy Technology
B.Tech Food Technology
B.Sc. Nutrition & Dietetics
Diploma Clinical Nutrition & Dietetics
Certificate Nutrition & Fitness
Mob.: 967 291 7869

RESEARCH AND DOCTORATE
M.Phil. & Ph.D. Mob.: 967 297 8030
(In all the streams listed above)

HOTEL MANAGEMENT (AICTE Approved)
B.Sc.: Hotel Management
Diploma: Diploma in Hotel Management
Trade Diploma in Hotel Management
Master of Tourism and Hotel Management (MTHM)
Mob.: 967 297 8016

SOCIAL SCIENCES AND HUMANITIES
B.A. | B.A. (Hons.)
(Free Coaching for Competitive Exams like IAS, RAS, RPSC, SSC, BANK, PO, CDS, PSI, CONSTABLE, PATWARI AND CLERICAL EXAMS)
M.A. | M.S.W. Mob.: 766 501 7739

EDUCATION & PHYSICAL EDUCATION
D.El.Ed., B.Ed.,
B.P.Ed., M.P.Ed. | Mob.: 967 297 8055

COMPUTER APPLICATION
BCA | BCA+MCA | PGDCA Mob.: 941 424 9049
MCA | M.Sc. IT | MCA in 2 Yrs. (Eligibility: BCA with Maths)

PHARMACY (PCI Approved)
B.Pharma | M.Pharma Mob.: 766 501 7717

YOGA
Certificate, Diploma,
PG Diploma & M.Sc. in Yoga | Mob.: 766 501 7752

LAW (BCI Approved)
L.L.B.
B.A. +L.L.B.
B.Com. +L.L.B.
L.L.M. (1 Yr.)
L.L.M. (2 Yrs.)
Free R.J.S coaching & other tutorial classes Mob: 982 985 5566

FASHION TECHNOLOGY
Diploma: Fashion Designing | Jewellery Designing | Textile Designing | Fine Arts & Graphics | Interior Designing
Drama | Acting | Graphic Web Designing | Modelling | Animation | Accessory Designing |
Event Management | Architecture
B.Sc. & M.Sc.: Fashion Designing | Interior Designing | Jewellery Designing | Textile Designing | Fine Arts & Graphics
MBA : Design Management | Fashion Designing | Textile Designing Mob.: 967 297 8017

Forms available at the Pacific Institute of Management on Payment of Rs. 500/- Cash or Apply online at www.pacific-university.ac.in

Pacific Academy of Higher Education and Research University
Pacific Hills, Pratap Nagar Extn., Airport Road, Udaipur
Email : pimanagement@rediffmail.com, info@pacific-university.ac.in

+91 9983992222, +91 9672970941
+91 7665017787, +91 9672970940

वाह तरबूज! बहुत खूब

गर्मी के मौसम में हमारे शरीर को चाहिए ढेर सारा पानी और इसमें हमारी मदद करेगा इन दिनों बहुतायत से मिलने वाला तरबूज। तरबूज से कई तरह की रेसिपी बनाकर इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। तरबूज है, बहुत खूब। मजा देगा भरपूर।

– शिवनिका

तरबूज शेक

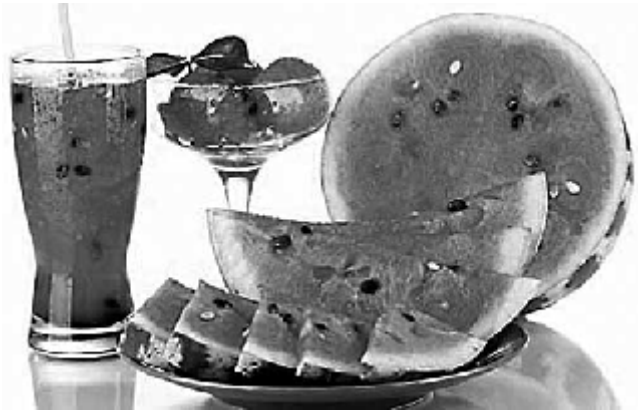

सामग्री : कटा हुआ तरबूज – 4 कप, दूध – 1/3 कप, चीनी – स्वादानुसार।

विधि : ग्राइंडर में तरबूज, चीनी और दूध डालकर चलाएं। सर्विंग गिलास में डालें। ऊपर से बर्फ के कुछ टुकड़े डालें। मनचाहे तरीके से गार्निश करें और सर्व करें।

टेस्टी सालसा

सामग्री : बीज रहित तरबूज–2 कप चौकोर कटा हुआ, प्याज–एक बड़ा चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ, हरी मिर्च–एक बारीक कटी हुई, खीरा–एक चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ, शिमला मिर्च(पीली व हरी) – 1/2 कप चौकोर टुकड़ों में कटी हुई, काली मिर्च(अधकुटी) – 1/2 छोटा चम्मच, नींबू का रस – 2 बड़े चम्मच, हरा धनिया – 2 बड़े चम्मच, नमक स्वादानुसार।

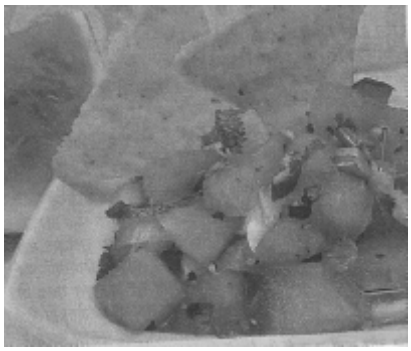

विधि : तरबूज, प्याज, हरी मिर्च, शिमला मिर्च, काली मिर्च, नींबू का रस व नमक को एक कटोरे में डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। आधे घंटे के लिए फ्रिज में ठंडा करें। जल्दी हो तो थोड़ी देर के लिए फ्रीजर में रख दें। हरा धनिया से गार्निश करें। टॉर्टिला या नाचोज चिप्स के साथ सर्व करें।

तरबूज की राजस्थानी करी

सामग्री : कटा हुआ तरबूज – 4 कप, लाल मिर्च पाउडर – 1 चम्मच, हल्दी पाउडर – 1/8 चम्मच, धनिया पाउडर – 1/2 चम्मच, लहसुन पेस्ट – 1/2 चम्मच, साबुत जीरा – 1/4 चम्मच, नींबू का रस – 2 चम्मच, तेल – 2 चम्मच, नमक–स्वादानुसार, चीनी–1/2 चम्मच।

विधि : तरबूज को दो हिस्सों में बांटें और एक हिस्से को ग्राइंडर में डालकर प्यूरी बना लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और जीरा डालें। लगभग 10 सेकेंड बाद कड़ाही में तरबूज की प्यूरी डालें। लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लहसुन पेस्ट और नमक डालें। एक उबाल आने के बाद आंच धीमी करें और लगभग पांच मिनट तक पकाएं। अब कड़ाही में तरबूज के टुकड़े, चीनी और नींबू का रस डालें। धीमी आंच पर तीन से चार मिनट तक पकाएं। चावल के साथ सर्व करें।

स्लश

सामग्री : बीज रहित तरबूज – 4 कप चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ, लैमनेड – 1/2 कप, नींबू का रस–एक बड़ा चम्मच, चीनी–एक बड़ा चम्मच, पोदीना पत्ता– सजाने के लिए।

विधि : तरबूज को छह घंटे के लिए फ्रीजर बैग में बंद कर जमा कर दें। फ्रोजन तरबूज व बाकी सारी सामग्री, लैमनेड, नींबू का रस और चीनी को मिलाकर एकसार होने तक ब्लैंड कर लें। तुरंत कांच के गिलास में डालें। पोदीना पत्ते से सजाकर ठंडा–ठंडा पीएं। ■

Vinod Jain
9414158354

Mahaveer Lal Jain
9460794827

Navkar Metal

Navkar Steel

Deals In :
Steel Brass Copper,
Aluminium Utensils, Gift Artices
& Cooker Parts

7, Bhang Gali, Inside, Surajpole
Udaipur (Raj.) Ph. : 0294-2417354

Deals In :
Steel Brass Copper,
Aluminium Utensils, Gift Artices
& Cooker Parts

6, Chkla Bazar, Under Chittora Temple
Bhupalwadi
Udaipur (Raj.) Ph : 0294-2420579

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. महावीर सिंह परिहार
एम.एस. (आर्थो)
अस्थि रोग विशेषज्ञ
मो. 94141 62139

S H
R C

डॉ. श्रीमती सुमन परिहार
एम.एस. (सर्जरी)
महिला शल्य चिकित्सक
मो. 98297 91760

श्रीनाथ हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

उपलब्ध सुविधायें

- आर्म (टेलिविजन) द्वारा आधुनिकतम तरीके से हड्डी के फ्रेक्चर की ऑपरेशन सुविधा।
- स्तन सम्बन्धी रोगों (गाठ, केंसर) का इलाज व निदान।
- एपेन्डिक्स, हर्निया एवं पथरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन।
- हड्डी के सभी प्रकार के आधुनिक ऑपरेशन।
- नेलिंग-प्लेटिंग, प्रोस्थेसिस इत्यादि।
- जन्मजात विकलांगता एवं पोलियो के ऑपरेशन।
- प्लास्टर
- एक्स-रे

ऑपरेशन एवं भर्ती की सुविधा उपलब्ध

9, फतहपुरा चौराहा, उदयपुर- 313004 (राज.)

संपदा बड़ी या त्याग?

राजा भोज के शासनकाल में एक किसान के खेत पर बोलते बिजूका के स्थान से जमीन खोदने पर एक सिंहासन निकला, जिस पर बत्तीस पुतलियां निर्मित थीं। राजा उसे अपने महल ले गए। साज-सज्जा के बाद जैसे ही वे उस पर बैठने लगे कि सभी पुतलियां खिलखिलाकर हंसने लगी। कारण पूछने पर उन्होंने बार-बारी से सिंहासन से संबंधित बत्तीस प्रसंग सुनाए। तीन पुतलियों ने जो कहा वह पिछले अंक में आप पढ़ चुके हैं, प्रस्तुत है चौथी पुतली का कथन -

मुहूर्त के अनुसार राजा भोज सिंहासन पर बैठने को ही थे कि चौथी पुतली पुष्पावती उन्हें रोकते हुए बोली, 'इस पर आरूढ़ होने की आशा छोड़ दो।' राजा ने पूछा क्यों? उसने कहा, 'सुनो'।

एक दिन जब सम्राट विक्रमादित्य सो रहे थे तो आधी रात उन्होंने किसी के रोने की आवाज सुनी। वे ढाल-तलवार लेकर अकेले उस ओर निकल पड़े। शहर से थोड़ी दूर एक सुन्दर तरुणी दहाड़ मार कर रो रही थी। पूछने पर उसने बताया कि मेरा आदमी चोरी करते हुए पकड़ा गया और शहर कोतवाल ने उसे पेड़ पर लटका दिया है। पति मुझे अतिप्रिय था। अंतिम बार मैं अपने हाथ से एक निवाला उसके मुंह में रखना चाहती हूं, परन्तु वह इतना ऊंचा लटका है कि मेरा हाथ नहीं पहुंच पा रहा है। विक्रमादित्य उसके कारुणिक विलाप पर पसीज गए और बोले मैं तुम्हारी क्या मदद कर सकता हूँ? तुम चाहो तो मेरे कंधे पर चढ़ कर ऐसा कर सकती हो। स्त्री राजा के कंधे पर चढ़ कर लटके हुए व्यक्ति के मुंह में निवाला रखने की बजाय उसे ही नोच-नोच कर खाने लगी। राजा आश्चर्य में पड़ गया कि इस स्त्री का यह कैसा पतिव्रत धर्म ? पर वह नि:शब्द रहा। कुछ देर बाद वह स्त्री नीचे उतरी। उसने कहा मैं नर-पिशाचिनी हूँ और हर रोज आदमियों को खाती हूँ। विक्रम ने सोचा वह अगला निवाला मुझे ही बनाएगी। वे बहुत साहसी, निडर और शूरवीर थे। पिशाचिनी बोली - 'मैं तुम्हारी सहायता पर बहुत खुश हूँ, तुम जो चाहो, सो मांगो।' राजा के पास धन संपदा की तो कमी नहीं थी, 'अन्नपूर्णा थाल' की कमी है, बस वही मांग लिया। पिशाचिनी बोली - 'वह तो मेरे पास नहीं, मेरी छोटी बहन के पास है। तुम मेरे साथ चलो, मैं दिलवाती हूँ।' अंधेरी रात में राजा उसके साथ चल पड़ा। दोनों नदी किनारे-किनारे एक झोंपड़े पर पहुंचे। पिशाचिनी ने ताली बजाई, अन्दर से बहन आई। उसने कहा 'अन्नापूर्ण थाल' इस व्यक्ति को दे दो, यह इसके सर्वथा योग्य है। बहन अंदर से एक चमचमाता थाल लाई, और राजा को सौंप दिया और बोली इसमें जो भी खाने की वस्तु मांगोगे, मिल जाएगी। राजा अपने रास्ते चला और वह पिशाचिनी अन्तर्धान हो गई। अगले दिन सम्राट क्षिप्रा नदी घाट पहुंचे। स्नान-ध्यान, पूजा-अर्चना कर ही रहे थे कि एक गरीब ब्राह्मण आया और बोला महाराज मैं तीन दिन से भूखा हूँ। राजा ने तत्काल 'अन्नपूर्णा थाल' से विविध व्यंजन मांगे तो तत्काल थाली उनसे भर गई। भरपेट खाने के बाद ब्राह्मण बोला - 'दान के साथ कुछ दक्षिणा भी हो जाए तो अच्छा है।' राजा बोले - 'ब्राह्मण देव जो मांगो, वही मिल जाएगा।' वह बोला - 'दक्षिणा में यह थाल मुझे दे दो।' राजा विस्मय में पड़ा, परन्तु एक पल की भी देर किए बिना वह चमत्कारी 'अन्नपूर्णा थाल' ब्राह्मण को दे दिया।

पुष्पावती बोली यदि तुम विक्रमादित्य की तरह महादानी हो तो इस सिंहासन पर बैठ सकते हो, जिन्होंने कठिनतम स्थितियों से प्राप्त अनमोल वस्तु का भी सहजता से परित्याग कर दिया। ■

हृदय परिवर्तन

उत्तरप्रदेश में अवैध बूचड़खानों पर योगी सरकार की कार्रवाई पर समाजवादी पार्टी(सपा) के बड़बोले नेता व पूर्वमंत्री आजम खान ने देशभर में गायों सहित अन्य जानवरों के काटे जाने पर रोक लगाने की मांग की है। सपा नेता ने मुस्लिम समुदाय को मीट न खाने की सलाह भी दी है।

देश के कानूनों में समानता पर बल देते हुए खान ने कहा, 'देश भर में गायों के काटे जाने पर प्रतिबंध होना चाहिए। ऐसा क्यों है कि यह केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कानूनी है और अन्य राज्यों में गैर-कानूनी है।' उप्र में वैध बूचड़खानों के चलने की अनुमति पर उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए खान ने कहा, 'इसका मतलब यह है कि यदि जानवर वैध कसाईखानों में काटे जाते हैं तो यह ठीक है लेकिन यही जानवर यदि अवैध बूचड़खानों में काटे जाते हैं तो यह गलत है।'

गौरतलब है कि अवैध बूचड़खानों पर लगी रोक के खिलाफ यूपी के मीट कारोबारी पांच दिन हड़ताल पर भी रहे। जबकि राज्य सरकार केवल अवैध बूचड़खानों पर कार्रवाई कर रही है। खान ने कहा, 'यह वैध, अवैध की चीजें बंद होनी चाहिए, सभी बूचड़खाने बंद होने चाहिए, किसी भी जानवर को नहीं काटा जाना चाहिए।' सपा नेता मुस्लिमों को मीट न खाने की सलाह भी दी है। खान ने कहा, 'इस्लाम में मीट खाना अनिवार्य नहीं किया गया है। उलेमाओं को लोगों से अपील करनी चाहिए कि वे मीट न खाएं।' अपने बयानों से प्राय: विभाजन की रेखाएं खींचने वाले सपा नेता का यह वक्तव्य कहीं उप्र में सत्ता परिवर्तन के साथ ही उनके हृदय परिवर्तन की प्रक्रिया तो नहीं? सवाल यह भी है कि जब आजम सत्ता में थे, तब उन्हें वैध-अवैध वाली बात क्यों समझ में नहीं आई थी? ■

मन को भाया संपादकीय

'प्रत्यूष' के अप्रैल अंक का संपादकीय 'रोटी जली क्यों, घोड़ा अड़ा क्यों?' पसंद आया। पांच में से चार राज्यों में भाजपा के वोटों की फसलें लहलहा उठी। कांग्रेस पंजाब में ही विजय हासिल कर पाई। और तो और गोवा व मणिपुर में जीती बाजी भी हार गई। सयाने लोग कह गए कि विद्या की किताबें पनवाड़ी का पान, तवे पर रोटी और अश्वशाला के घोड़ों को फेरा नहीं जाएगा तो सब गड़बड़ हो जाएगा। लगता है कांग्रेस मामूली सी यह बात भी भूल गई। इसीलिए उसकी रोटी भी जल गई और विजय रथ का घोड़ा भी अड़ गया।

-विनय भाणावत, नोट संग्रह विश्व रिकॉर्डधारी

'गधे की वापसी' गंभीर व्यंग्य

साठ के दशक के दौरान लिखी गई कृश्नचंदर की यह कहानी पढ़ने को मिली। करीब 50 बरस पहले लिखी कहानी यूपी के चुनाव में फिर से तब ताजा हो गई, जब मुख्यमंत्री रहे अखिलेश यादव ने अपनी जीत पक्की मान कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को इंगित कर गधे का प्रसंग सुनाया। उनका यह वार पलट कर उन पर ही आ गया। सत्ता के मद में पहले अपने पिता पर धोबी-पछाड़ दांव खेला और फिर मोदी-शाह से पंगा लेकर खुद ही चारों खाने चित्त हो गए।

-चन्द्रेश छतलानी, साहित्यकार

धक्का दे दो, मगर धोखा मत दो

अप्रैल के अंक में 'ज़हर बनता दूध' आलेख पढ़ कर हैरानी हुई कि देश में कैसे-कैसे मिलावटखोर पनप रहे हैं। जिन्हें लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने और जीवन को संकट में डालने पर न कोई शर्म है और न हिचक। नवजात शिशुओं और अशक्त लोगों को तो सुबह-सुबह दूध-चाय का इस्तेमाल मजबूरी है। सिंथेटिक दूध में मिलाए जाने वाले अपमिश्रण के बारे में पढ़ कर ताज्जुब हुआ। लगता है, ये लोग समाज के बड़े गुनहगार हैं। लोगों की ज़िंदगी दांव पर हैं, ऐसे में सरकारें कर क्या रही है?

-जयन्तीलाल पारिख, समाजसेवी

'प्रत्यूष' की पाठकों के बीच बढ़ी रेटिंग

'प्रत्यूष' ने अपना डेढ़ दशक का सफ़र पूरा करते हुए पत्रकारिता की मिसाल कायम की और हर क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय श्रेष्ठता बढ़ाई। कोई पत्रिका निकालना अलग बात है, परन्तु श्रेष्ठता को बनाए रखना विशिष्ट बात है। पत्रिका ने इन वर्षों में पाठकों के बीलच अपनी रेटिंग बढ़ाई है। आलेख, समसामयिकता, साज-सज्जा, कलेवर की दृष्टि से यह पत्रिका किसी भी राष्ट्रीय पत्रिका से कम नहीं है।

-हर्षित शर्मा, उद्यमी

घमौरियां बढ़ा न दें मुश्किलें!

तपाने वाली गर्मी और उसकी वजह से उत्पन्न पसीना किसी को नहीं छोड़ता, चाहे वह बच्चा हो या बड़ा। इस मौसम में शरीर जलती-चुभती घमौरियों की गिरफ्त में भी आ ही जाता है। इससे पहले कि ये आपको सताने लगें, सावधानी बरत लीजिए।

बाहरी त्वचा संसार और हमारे आंतरिक शरीर के बीच एक अवरोध का कार्य करती है। यह हमारे शरीर को संक्रमण, रसायन और अल्ट्रावॉयलेट किरणों के बाहरी आक्रमण से बचाती है। शरीर को ठंडा रखने का एक तरीका स्वेट ग्लैंड से पसीना निकलना और त्वचा से इसे वाष्पित होने का अवसर देना है। स्वेट ग्लैंड हाथों और पैरों की उंगलियों के नाखूनों और ईयर कैनल के अलावा हमारे पूरे शरीर में होती हैं। ये त्वचा की अंदरूनी परत में होती हैं। स्वेट डॉक्ट्स के द्वारा पसीना ऊपर त्वचा की सतह पर आता है, लेकिन अगर ये स्वेट ग्लैंड ब्लॉक हो जाती हैं तो घमौरियां बन जाती हैं।

क्या है घमौरियां

इसे प्रिक्ली हीट या मिलियारिया या स्वेटरैश भी कहते हैं। यह स्थिति तब होती है, जब किसी व्यक्ति को सामान्य से अधिक पसीना आता है और उसकी स्वेट ग्लैंड ब्लॉक हो जाती है। स्वेट ग्लैंड के ब्लॉक होने से जो पसीना उत्पन्न होता है, वह वाष्पीकृत होने के लिए त्वचा की सतह पर नहीं आ पाता। इस कारण सूजन हो जाती है और त्वचा पर रैशेज पड़ जाते हैं। इसके कारण त्वचा पर मुंहासों के समान झुंड या छोटे-छोटे फफोले दिखाई देते हैं। घमौरियां गर्म तापमान में रहने के कुछ दिनों बाद निकलती हैं। यह कोई गंभीर समस्या नहीं है। अगर त्वचा को ठंडा और सूखा रखा जाए तो कुछ ही दिनों में यह स्वत: ठीक भी हो जाती हैं।

क्यों होती हैं घमौरियां

घमौरियां अत्यधिक पसीने के कारण होती हैं, विशेषकर गर्म और आर्द्र मौसम में। पसीने के कारण त्वचा की मृत कोशिकाओं और बैक्टीरिया के लिए स्वेट ग्लैंड को ब्लॉक करना आसान हो जाता है। यह एक अवरोध बना लेता है और त्वचा के नीचे पसीने को रोक लेता है, जहां यह इकट्ठा होता रहता है और छोटे-छोटे उभार बना लेता है। यह त्वचा पर दोनों के रूप में दिखाई देता है। जब ये दाने फूटते हैं और इनसे पसीना निकलता है, तब चुभने या डंक मारने वाली संवेदना होती है। घमौरियां कमर, पेट, गर्दन, छाती के ऊपरी भाग, उरू-मूल या बगल जैसे उन स्थानों पर अधिक होती हैं, जो कपड़े से ढके होते हैं। वैसे ये शरीर के किसी भी भाग की त्वचा पर हो सकती हैं।

घमौरियों के लक्षण

घमौरियों के छोटे, लाल और खुजली करने वाले लाल दाने हो जाते हैं। इनके कारण जलन और चुभन हो सकती है। अगर कुछ दिनों में घमौरियां अपने आप ठीक न हों तो डॉक्टर से संपर्क करें।

उपचार

अगर प्रभावित क्षेत्र को ठंडा और सूखा रखा जाए तो घमौरियां अपने आप ठीक हो जाती हैं। अगर दाने फूटने से मवाद बह रहा हो तो डॉक्टर को दिखाएं, क्योंकि इससे संक्रमण फैल सकता है।

रोकथाम

- घमौरियों को रोकने के लिए उस स्थान पर जाने से बचें, जहां गर्म और आर्द्र वातावरण हो और अत्यधिक पसीना आने की आशंका हो।
- गर्मियों में पंखे, कूलर या एसी का उपयोग करें, ठंडे पानी से नहाएं।
- त्वचा को सूखा और ठंडा रखें।
- अगर आप गर्मी में घर से बाहर निकल रहे हैं तो जितना हो सके छाया में रहें, छाता इस्तेमाल करें।
- डिहाइड्रेशन से बचने के लिए तरल पदार्थ लेते रहें।
- ढीले सूती कपड़े पहनें। सिंथेटिक कपड़े पहनने से बचें, यह उष्मा को रोक लेते हैं।

- डॉ. दिनेश पुरोहित

क्या करें, क्या न करें

- एंटीबैक्टीरियल सुबन का उपयोग करें, ताकि आपकी त्वचा पर सामान्य से अधिक बैक्टीरिया न पनपें।
- घमौरियों को खुजलाएं नहीं, इससे संक्रमण फैल सकता है।
- त्वचा को सुखाने के लिए तौलिए का इस्तेमाल न करें, बल्कि उसे हवा में सुखाएं।
- बिना डॉक्टर की सलाह के किसी आइंटमेंट या दूसरे लोशन का प्रयोग न करें।
- गर्मियों में विटामिन सी का सेवन अधिक मात्रा में करें। टमाटर, पालक, नींबू, संतरे में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है।

लेखक बन गया 'रोबोट'

अमेरिकी लोकप्रिय धारावाहिक 'फ्रेंड्स' के एक एपिसोड की पूरी पटकथा भी रोबोट से लिखवाई गई है। जापान के एक उपन्यास का सह-लेखक भी एक रोबोट था, परन्तु ध्यान देने वाली बात यह है कि दूसरा सह-लेखक एक इंसान था। दरअसल जब हम रोबोट लेखक की चर्चा करते हैं तो इसका अर्थ मशीनी मानव नहीं है, बल्कि कम्प्यूटर प्रोग्राम है। यह रिपोर्टिंग और रचनात्मक लेखन कर सकता है और इसे प्रशिक्षित करने वाला इंसान ही है।

क्या विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लेखक या रिपोर्टर बेरोजगार बनेंगे? एक बारगी तो ऐसी आशंका होना स्वाभाविक भी है। ऐसे प्रकाशक या मालिक जो आलेखन काम को सिर्फ एक कारोबार मानते हैं, वे इंसान के मुकाबले निश्चय ही रोबोट को तरजीह देंगे। अभी कछ दिनों पहले चीन के 'चाइना डेली' में 300 शब्दों की एक रिपोर्ट छपी, जो जियाओ नन नामक रोबोट ने लिखी। खास बात यह रही कि इस मशीनी मानव ने यह रिपोर्ट महज एक सेकंड में ही तैयार की। लेखक अब गुजरे ज़माने की दास्तां बन कर रह जाएंगे। लेखक ही नहीं रोबोट अब इंजीनियर, टेक्नोक्रेट, ऑपरेटर, ड्राइवर, नौकर, मजदूर ही नहीं अपितु सैनिक तक बन चुके हैं। एकाउंटेंसी में तो कम्प्यूटर की गणना का कोई मुकाबला ही नहीं। मानवरहित हवाई यान यानि ड्रोन तो दुर्गम और भीड़भाड़ीारे आबादी वाले इलाकों में अपने अचूक लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। अमेरिका अब रोबोट सैनिकों की बटालियनें खड़ी करने में ही जुटा है। पेट्रिएटिक मिसाइलें तो इंसानी दिमाग की तरह सोच-समझकर लक्ष्य संधान कर सकती है।

रोबोट भले ही आंकड़ों को ज्यादा अच्छी तरह समझते हों, फिर भी भावनात्मक स्तर पर वे कोरा कागज ही सिद्ध हो रहे हैं। दिमागी स्तर पर कुशल होते हुए भी दिल से कोई निर्णय लेने में वे पूरी तरह अक्षम हैं। यह पुराकथा तो आपने सुनी ही होगी कि एक राजा ने उमस भरे वातावरण में हाथ से पंखा झलाने वाले एक नौकर को रुष्ट होकर हटा दिया और एक प्रशिक्षित बन्दर रख लिया, जो पंखा करते न थकता और न ही सुस्ताता था। राजा मजे से रोजाना गर्मियों में सोता। एक दिन ऐसा अवसर आया जब एक मक्खी राजा के बदन पर बार-बार बैठ रही । बन्दर पंखा झलते उसे उड़ाता रहा, पर मक्खी अपनी फितरत से बाज न आई। बन्दर ने राजा के सिरहाने पड़ी तलवार उठाई और मक्खी पर दे मारी। मक्खी तो उड़ गई, मगर राजा का धड़ दो फाड़ हो गया। यह प्रतीकात्मक कहानी बताती है कि इंसान ही एक मात्र ऐसा प्राणी है जो मुसीबत में दिमाग से नहीं दिल से फैसला ले सकता है, कोई अन्य नहीं। मशीन तो मानव निर्मित ही होती। भला उसकी क्या बिसात। हालांकि रोबोट लेखक बनने का यह पहला उदाहरण नहीं है। समाचार एजेंसी एसोसिएट प्रेस में यह काम काफी पहले से चल रहा है। यहां पर कंपनियों की रिपोर्ट आधारित खबरें लिखने का काम रोबोट के हवाले है। रोबोट से अखबारी खबरें ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक रचनात्मक लेखन भी काफी आगे बढ़ चुका है। अमेरिकी लोकप्रिय धारावाहिक 'फ्रेंड्स' के एक एपिसोड की पूरी पटकथा भी रोबोट से लिखवाई गई है। जापान के एक उपन्यास का सह-लेखक भी एक रोबोट था, परन्तु ध्यान देने वाली बात यह है कि दूसरा सह-लेखक एक इंसान था। दरअसल जब हम रोबोट लेखक की चर्चा करते हैं तो इसका अर्थ मशीनी मानव नहीं है, बल्कि कम्प्यूटर प्रोग्राम है। यह मानवीय प्रशिक्षण से ही रिपोर्टिंग और रचनात्मक लेखन कर सकता है और उसको प्रशिक्षित करने वाला इंसान ही होता है। फिलहाल ऐसा प्रोग्राम इंसानी लेखकों को इस कारोबार से पूरी तरह बाहर का रास्ता बताने की स्थिति में नहीं है। न तो रोबोट इंटरव्यू में क्रॉस क्वेश्चन कर सकता है और न ही यह तय कर सकता है कि प्रश्नों के जवाबों में ऐसी कौन सी बात है, जिसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अर्थात् इंटरव्यू का 'न्यूज एंगल' रोबोट कभी तय नहीं कर सकेगा। यद्यपि कम्प्यूटर विशेषज्ञ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विकसित करने में जुटे हैं। एक सोच यह है कि रोबोट में आप कितनी ही अक्ल उंडेल देंगे, लेकिन वह काम तो डाली गई अक्ल से ही कर सकेगा, जबकि इंसान के लिए ऐसी कोई सीमा नहीं है। रोबोट कितना ही सयाना क्यों न हो जाए, फिर भी उसका पूरी तरह लेखक होना संभव नहीं। उसका काम जांचने, परखने, युक्तिसंगत और समसामयिक बनाने के लिए इंसानों की जरूरत पड़ेगी ही। कम्प्यूटर के आगमन पर भी इंसान के महत्व को कम नहीं किया जा सका। कम्प्यूटर की ढेरों गलतियों को दुरुस्त करने वाले भी तो इंसान ही है। ■

-ओम शर्मा

भविष्यफल मई 2017

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

माह का पूर्वार्द्ध अति उत्साहपूर्ण है। कार्य क्षेत्र एवं नौकरी में सकारात्मक परिवर्तन के योग हैं, आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, रूके कार्यों को गति मिलेगी, स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव, दाम्पत्य जीवन मधुरता युक्त, सन्तान की ओर से प्रसन्नता, बड़ों से सहयोग प्राप्त होगा।

वृषभ

उत्साह एवं ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, लेकिन अतिउत्साह में हानि की भी संभावना। कार्य क्षेत्र में उठापटक चलेगी। आय पक्ष श्रेष्ठ किन्तु अड़चनें पैदा होंगी। जीवन साथी का पूर्ण सहयोग, सन्तान पक्ष सामान्य, दीर्घकालिक योजनाएं टालें।

मिथुन

राजकीय एवं शासकीय कार्यों में सफलता, रूके हुए कार्य बनने लगेंगे, आय के नये स्रोत बनेंगे, नये सम्पर्कों से लाभ मिलेगा, विरोधी परेशान कर सकते हैं, दाम्पत्य जीवन मध्यम, सन्तान पक्ष से प्रसन्नता, पुराने लेन-देन का हिसाब चुकता हो सकता है।

कर्क

नौकरी के लिए प्रयासरत जातकों को सफलता मिलेगी, भाग्य भी पूर्ण सहयोग करेगा। खरीद फरोख्त के मामलों में सावधानी परम आवश्यक तथा निवेश सम्बन्धी मामलों में एक बार पुनर्विचार कर लेना हितकारी रहेगा, स्वास्थ्य ठीक रहेगा, जीवन साथी के स्वास्थ्य में गिरावट की संभावना।

सिंह

अति उत्साह एवं भावनात्मक आवेग उलझा देंगे। कोई कार्य करने से पहले बड़ों से परामर्श अवश्य करें, आय-व्यय में तालमेल की कमी, कार्य क्षेत्र श्रेष्ठ भाग्य का पूर्ण सहयोग, नये सम्बन्धों का भरपूर लाभ उठायेंगे, स्वास्थ्य उत्तम, दाम्पत्य जीवन सामान्य।

कन्या

दिग्भ्रमित रहेंगे, धैर्य से ही सफलता मिल सकती है, जल्दबाजी नुकसान कर सकती है। बुजुर्गों को सेहत सम्बन्धित परेशानी रहेगी, जीवन साथी के परामर्श से ही कोई कार्य करें, कर्म क्षेत्र सामान्य, पैतृक मामले सुलझ सकते हैं, यात्राओं को टालने का प्रयास करें।

तुला

साझेदारी में अपने अनुभवों का लाभ मिलेगा। चल रही गतिविधियों को आगे बढ़ा पायेंगे, मित्रों से अनबन हो सकती है, व्यवसायिक यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी, आय एवं सन्तान पक्ष प्रभावित हो सकता है, अतिव्यस्तता से स्वास्थ्य में गिरावट सम्भव।

वृश्चिक

सन्तान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। शासकीय कार्यों से अनपेक्षित लाभ संभव। आमोद-प्रमोद एवं यात्राओं में समय व्यतीत होगा, जीवन साथी से मधुरता ,व्यापारिक प्रतिस्पर्धा में परेशानी, आय पक्ष सामान्य, मान प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी, सम्मानित हो सकते हैं।

धनु

अचल सम्पत्ति में निवेश का सही समय है लाभ उठायें। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी, भौतिक सुख साधनों में बढ़ोतरी, प्रणय सम्बन्धों में श्रेष्ठता, सन्तान पक्ष से चिंता मुक्ति, कार्य क्षेत्र सामान्य रहेगा, भाग्य के अवरोध होने से चिन्तित हो सकते हैं।

मकर

रचनात्मक कार्यों में पूर्ण सफलता मिलेगी, व्यापारिक गतिविधियां तेज, भाग्य साथ देगा। कला के क्षेत्र में कार्य करने वालों को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे, आकस्मिक व्याधियों से परेशानी संभव, दाम्पत्य जीवन सामान्य, सन्तान पक्ष मध्यम, कर्ज से मुक्ति।

कुम्भ

पुराने विवादों का निपटारा हो सकता है, पराक्रम एवं प्रतिष्ठा का विस्तार होगा, जीवन साथी का उत्साह आपको प्रेरित करेगा एवं सफलता प्राप्त होगी, साझेदारी घाटे का सौदा साबित होगी, जमीन-जायदाद से लाभ मिलेगा, स्वास्थ्य सामान्य, सन्तान पक्ष से हर्षित रहेंगे, व्यवहार में सौम्यता ठीक रहेगी।

मीन

नौकरीपेशा जातकों को पदोन्नति से प्रसन्नता होगी। यात्राओं के योग बनेंगे, योजनाएँ तो बनेगी पर क्रियान्वयन में बाधाएँ उत्पन्न होगी, पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिल सकेगा, आय पक्ष बाधित रहेगा, व्यापारिक गतिविधियां सामान्य रहे, सेहत में कमी, अपने बड़े बुजुर्गों की राय से कार्य सम्पादन करें।

Manglam Arts
(Govt. Recognised Export House)
MANUFACTURER AND EXPORTERS
Sukhadia Circle, Udaipur - 313 001 India
Tel. : +91-294-2425157/58/59/60
E-mail : udaipur@manglam.com | Website : www.manglamarts.com

महादेव भोजनालय
महादेव डाईनिंग
एण्ड एसी हॉल
ढाबा स्टाइल भी उपलब्ध
हर हर महादेव
लालाराम गुर्जर
दीपक गुर्जर
पार्सल सुविधा उपलब्ध
• शुद्ध शाकाहारी • चाइनीज • साऊथ इंडियन • गुजराती
• पंजाबी • राजस्थानी • नाश्ता, लंच व डिनर
बलीचा बाईपास, उदयपुर, मोबाइल : 9602508505

प्रत्यूष समाचार

'रमाडा' को सर्वश्रेष्ठ होटल का खिताब

ज्योफी बालोटी से अवार्ड प्राप्त करते रमाडा रिसोर्ट प्रबंध निदेशक रतन तलदार एवं मैनेजर डॉली तलदार।

उदयपुर। रमाडा उदयपुर रिसोर्ट एंड स्पा को विंडम होटल ग्रुप ने विश्व की सर्वश्रेष्ठ होटल का खिताब दिया है। ब्रसेल्स में हुए समारोह में रमाडा रिसोर्ट के प्रबंध निदेशक रतन तलदार एवं मैनेजर डॉली तलदार को यह अवार्ड विन्डम होटल ग्रुप के प्रेसीडेंट व सीईओ ज्योफ बालोटी ने दिया। गौरतलब है कि उदयपुर के रमाडा रिसोर्ट को विश्व के 77 देशों में स्थित 8 हजार से अधिक होटलों में सर्वश्रेष्ठ चुना गया। रमाडा की ग्राहक सेवा, आर्किटेक्ट और रेवेन्यू आदि के आधार पर अवार्ड के लिए चयनित किया गया। इससे पहले भी रिसोर्ट एंड स्पा बेस्ट वेडिंग एंड माइस रिसोर्ट व बेस्ट लेजर एंड वेडिंग रिसोर्ट और रोमांटिक होटल का खिताब जीत चुका है।

स्कॉलर्स एरिना ने मनाया स्थापना दिवस

उदयपुर। द स्कॉलर्स एरिना संस्थान की दोनों शाखाओं में 16वां स्थापना दिवस पिछले दिनों मनाया गया। इस मौके पर विज्ञान प्रदर्शनी लगी। प्रधानाध्यापिका डॉ. शर्मिला जैन ने बताया कि विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। सत्र 2016-17 में श्रेष्ठ स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संरक्षक बी. एल. जैन ने विचार रखे। प्रशासक डॉ. लोकेश जैन ने आभार जताया। संयोजन मित्तल व्यास और पारस राठौड़ ने किया।

बच्चों के साथ केक काटते हुए संरक्षक बी. एल. जैन , प्रशासक डॉ. लोकेश जैन व प्रधानाध्यापिका डा. शर्मिला।

चन्द्रगुप्त बने राजस्थान तैराकी संघ के सचिव

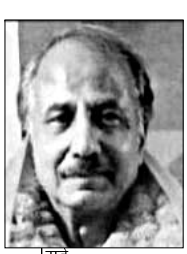

उदयपुर। राजस्थान तैराकी संघ के 8 अप्रैल को शाहपुरा में सम्पन्न चुनाव में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आये अध्यक्षों ने जयपुर के अनिल व्यास को अध्यक्ष एवं उदयपुर के चन्द्रगुप्त सिंह चौहान को सचिव निर्वाचित किया। चुनाव में सर्वसम्मति से महंत कैलाश, डॉ. भूपेन्द्र सिंह राठौड़ को राजस्थान तैराकी संघ का आजीवन संरखक एवं दिलीप सिंह चौहान को राज्य स्पोर्ट्स काउंसिल का प्रशिक्षक घोषित किया गया।

पेटेंट आवेदन में देश में छठें स्थान पर

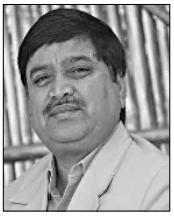

उदयपुर। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठविश्वविद्यालय, उदयपुर 22 पेटेंट का आवेदन कर, संस्थानों और विश्वविद्यालयों से पेटेंट के लिए आवेदन करने में, देश भर के संस्थानों में छठा स्थान प्राप्त कर इस वर्ष भी शीर्ष 10 आवेदकों में शामिल हो गया है। भारत सरकार के कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिन्ह एवं भौगोलिक उपदर्शन के वार्षिक प्रतिवेदन 2015-16 ने यह जानकारी प्रकाशित की है। कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने बताया कि देश की बौद्धिक सम्पदा अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण पेटेंट होते हैं, जो बौद्धिक सम्पदा का संरक्षण करते हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान विद्यापीठ में अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पेटेंट के आवेदन पर एक बहुदेशीय कार्यनीति बनाई गई है।

रेडिमेड और होजरी संघ की जीएसटी कार्यशाला

दौसा सांसद को प्रतीक चिन्ह भेंट करते संघ अध्यक्ष राजमल जैन, सांसद अर्जुन मीणा, पारस सिंघवी, अक्षय जैन एवं हरीश राजानी।

उदयपुर (प्रब्यू) 1 जुलाई से लागू होने वाले जीएसटी को लेकर उदयपुर रेडिमेड और होजरी संघ से जुड़े व्यापारियों की जीएसटी कार्यशाला गत दिनों हुई। जिसमें लगभग 450 व्यापारियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि दौसा सांसद एवं नेशनल जीएसटी काउंसिल के सदस्य हरीश मीणा ने कहा कि 'एक देश एक कर' प्रणाली लागू होने से सरकार की आमदनी बढ़ेगी और देश के विकास कार्यों में गति आएगी। जीएसटी आजादी के बाद का सबसे बड़ा आर्थिक सुधार है। उदयपुर सांसद अर्जुन मीणा, मुख्य वक्ता वाणिज्य कर विभाग के मनीष बख्शी, सीए यशवंत मंगल ने भी विचार रखे।

संघ के अध्यक्ष राजमल जैन ने बताया कि जीएसटी को अपनाने में कुछ समय परेशानी होगी मगर आगे परिणाम अच्छे होंगे। वाणिज्य कर विभाग के उपायुक्त संजय विजय ने कहा कि करदाता को विभाग के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

प्रधानमंत्री से मिले जनप्रतिनिधि

उदयपुर। संसद अवलोकन के लिए गए उदयपुर के पार्षदों ने पिछले दिनों दिल्ली में राजस्थान के गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया, सांसद अर्जुनलाल मीणा और महापौर चंद्रसिंह कोठारी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें उदयपुर आने का न्यौता दिया।

दरों पर फोर्टी का विरोध

FORTi
FEDERATION OF RAJASTHAN TRADE & INDUSTRY

जयपुर। फैडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इण्डस्ट्री(फोर्टी) उदयपुर के संभागीय अध्यक्ष प्रवीण सुथार ने बताया कि फोर्टी राजस्थान के महामंत्री विजय गर्ग ने प्रधानमंत्री द्वारा नकद लेन-देन को सीमित करने तथा लोगों को डिजिटल भुगतान प्रणाली के लिये प्रेरित करने का स्वागत किया है।

उन्होंने कहा कि आमजन से लेकर व्यापारी वर्ग इसका समर्थन कर रहा है, किन्तु दूसरी ओर एसबीआई द्वारा गत दिनों बैंकिंग लेन-देन पर चार्जेज बढ़ा दिये गये हैं, जो डिजीटल पेमेंट को प्रमोट करने में बाधक हैं।

फोर्टी राजस्थान के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने बताया कि राज्य के व्यापार, उद्योग तथा आमजन की परेशानी को देखते हुए फोर्टी ने इस विषय में केन्द्रीय वित्तमंत्री अरूण जेटली एवं भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर को पत्र लिखकर उचित कार्यवाही करने एवं स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया है।

यादव को पीएचडी उपाधि

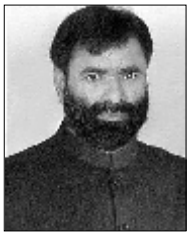

डूंगरपुर। शहर के प्रतिष्ठित वकील और कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर यादव को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है। शहर से सटे बिलड़ी गांव निवासी यादव को यह उपाधि पेसिफिक यूनिवर्सिटी उदयपुर के सामाजिक एवं मानविकी संकाय द्वारा 'वागड़ क्षेत्र के डूंगरपुर जिले में जनजाति श्रमिकों के मानवाधिकार हनन' विषय पर किए गए शोध के लिए दी गई है। उन्होंने अपना शोधकार्य विद्याभवन संस्थान के प्रोफेसर श्रीराम आर्य के निर्देशन में पूर्ण किया।

विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते चेयरमैन जे.पी. अग्रवाल एवं निदेशक अंकित अग्रवाल।

'फेस्टजार' में श्रेष्ठ छात्रों का सम्मान

उदयपुर। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज, डबोक के वार्षिकोत्सव 'फेस्टेजार-2017' में सांस्कृतिक व शैक्षिक छात्र प्रतिभाओं को सम्मान से नवाजा गया।

कार्यक्रम में छात्रों ने ग्रुप, सोलो डांस आदि में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए रंगोली के माध्यम से बेटी बचाने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि जे. पी. अग्रवाल(चेयरमैन गीतांजली ग्रुप) एवं गीता अग्रवाल(बोर्ड सदस्य गीतांजली ग्रुप) ने छात्रों को संदेश में कहा कि तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ नैतिक शिक्षा भी जरूरी है।

पीएमसीएच में नि:शुल्क दवा बैंक

उदयपुर। उदयपुर में अब किसी भी गरीब को इलाज की दवा के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल भीलों का बेदला में सोजतिया चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से नि:शुल्क महेश सोजतिया दवा बैंक की शुरुआत की गई है। इसमें लाईफ सेविंग मेडिसिन जरूरतमंदों को नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी।

नि:शुल्क दवा बैंक का उद्घाटन पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, पेसिफिक मेडिकल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. पी. अग्रवाल, पेसिफिक यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार शरद कोठारी, सोजतिया चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रो. रणजीत सिंह सोजतिया, डॉ. महेन्द्र सोजतिया, रीना सोजतिया, अनिता सोजतिया ने किया। इस अवसर पर हॉस्पीटल के मेडिकल अधीक्षक डॉ. आर. के. सिंह सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सोजतिया चेरिटेबल ट्रस्ट के रणजीत सिंह सोजतिया एवं डॉ. महेन्द्र सोजतिया ने बताया कि सोजतिया चेरिटेबल ट्रस्ट सामाजिक कार्य और सेवा के लिए कटिबद्ध है। इसी क्रम में गरीबों की सहायता के लिए दवा बैंक की स्थापना कर लाईफ सेविंग और इमरजेंसी मेडिसिन दी जाएगी।

दवा बैंक के शुभारंभ पर पीएमसीएच चेयरमैन राहुल अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल रणजीत सिंह सोजतिया, डॉ. महेन्द्र सोजतिया, डॉ. डी. पी. अग्रवाल, पेसिफिक यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार शरद कोठारी, रीना सोजतिया, अनिता सोजतिया एवं अन्य।

रतलिया को विशेष सम्मान

उदयपुर। प्लेटिनम ग्रुप के फाउंडर प्रवीण रतलिया को इंटरनेशनल बिजनेस काउंसिल ने 'भारत विद्या शिरोमणि सम्मान' से नवाजा है। नई दिल्ली में हुए समारोह में मुख्य अतिथि तमिलनाडु व असम के पूर्व राज्यपाल भीष्म नारायण सिंह और वरिष्ठ नेता हरिकेश बहादुर ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। इस मौके पर रतलिया ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में पूंजीपतियों के प्रवेश से शिक्षा महंगी हो रही है। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि हर क्लास के लिए फीस और स्टेशनरी खर्च की अधिकतम सीमा तय करे।

डागरिया व शाह अध्यक्ष

उदयपुर। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा राजस्थान प्रान्त के चुनाव भट्टारक जी का नासिया जयपुर में चुनाव अधिकारी प्रभात टोग्या मणिपुर, विमल पाटनी कोलकाता एवं प्रदीप पाटनी दिगी की देखरेख में हुए चुनाव में उदयपुर के सुन्दरलाल डागरिया की तीसरी बार पुन: श्रुत संविर्धिनी महासभा राजस्थान प्रान्त का एवं राजेश बी. शाह को तीर्थ संरक्षिणी महासभा राजस्थान प्रान्त का अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

सुन्दरलाल

राजेश

महिला स्वयं सहायता समूह

प्रशिक्षणार्थियों के साथ उपखंड अधिकारी इन्द्राज सिंह, गौतमलाल, उप प्रबंधक शैलेष चौबीसा, सिराज खान, श्वेता राठौड़ एवं अन्य।

निम्बाहेड़ा। जे. के. सीमेन्ट वर्क्स द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत मांगरोल में संचालित सुरभि महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित सेनेट्री नेपकीन इकाई का पिछले दिनों उपखण्ड अधिकारी इन्द्राज सिंह व तहसीलदार गौतम लाल ने अवलोकन किया।

जे. के. सीमेंट के उप प्रबंधक शैलेष चौबीसा ने उनका स्वागत करते हुए समूह सदस्यों से परिचय करवाया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम से समूह की सदस्य महिलाओं के आर्थिक स्तर में उन्नयन हुआ है। इस अवसर पर सिराज खान, श्वेता राठौड़, अनुराधा चौहान, यशोदा टांक आदि भी उपस्थित थे।

आईवीएफ की गोरखपुर में दस्तक

सेंटर का शुभारंभ करते चैयरमेन डॉ. अजय मुर्डिया, डॉ. क्षितिज मुर्डिया, मनीष खत्री, डॉ. पूजा एवं अन्य।

उदयपुर। नि:संतानता के इलाज के क्षेत्र में भारत में प्रतिष्ठित उदयपुर के इंदिरा आईवीएफ हॉस्पीटल प्रा. लि. ने मार्च व अप्रैल में अपने तीन और नए सेंटर आरम्भ किए। इससे पूर्व वह देश के 19 शहरों में अपने केन्द्र स्थापित कर नि:संतान दम्पत्तियों की झोली में खुशियां डालने का काम आरंभ कर चुका है। फरीदाबाद में 20वें सेन्टर का शुभारंभ 22 मार्च को सेक्टर 16 में आरंभ हुआ जब कि 21वें सेंटर का उद्घाटन कानपुर में 26 मार्च को तथा 22वें सेंटर का शुभारंभ शुभारंभ गोरखपुर में 16 अप्रैल को हुआ। इस मौके पर नि:संतान दम्पत्तियों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से नि:शुल्क परामर्श हासिल किया। कार्यक्रम में आईवीएफ ग्रुप चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया, डॉ. क्षितिज मुर्डिया, मनीष खत्री व डॉ. पूजा उपस्थित थे।

अनिल अग्रवाल का एंग्लो अमेरिकन कंपनी में भारी निवेश

उदयपुर। अनिल अग्रवाल की वॉलकैन इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड ने एंग्लो अमेरिकन पीएलसी के शेयरों में लगभग 15,700 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। वॉलकैन अनिल अग्रवाल के परिवार की पूर्ण रूप से स्वामित्व ट्रस्ट है। एंग्लो अमेरिकन पीएलसी दुनिया की सबसे बड़ी विविध धातु एवं खनन कंपनियों में से एक है तथा वैश्विक स्तर पर खनिज धातुओं पर आधारित प्लेटिनम एवं डायमंड का दुनिया में नेतृत्व भी कर रही है। यह विश्व की डायमंड में सबसे बड़ी कंपनी डी बीयर्स के मालिक है। जो दुनिया की डायमंड एक्सप्लोरेशन, खनन एवं विपणन कंपनी है। डी. बीयर्स विश्व में 30 मिलियन से अधिक कैरेट डायमंड का वार्षिक उत्पादन करती है जो विश्व में डायमंड उत्पादन का 35 प्रतिशत है।

प्रधानमंत्री से मिले मीडियाकर्मी

उदयपुर के मीडियाकर्मियों के दल ने प्रतापसिंह राठौड़, प्रमोद सोनी, सुशील सिंह, कपिल श्रीमाली, देवेन्द्र शर्मा, ऋषभ जैन के साथ पिछले दिनों नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

'लक्ष्य निर्धारण' कार्यशाला

कार्यशाला को संबोधित करती डॉ. स्वीटी छाबड़ा।

उदयपुर। पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेन्ट(पीआईएचएम) में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता डॉ. स्वीटी छाबड़ा मैनेजिंग डायरेक्टर, न्यू इंटरनेशनल कॉस्मेटिक केयर थी। संस्थान निदेशक विनोद कुमार सिंह भदौरिया ने कहा कि प्रोत्साहित करने वाले व्याख्यान से छात्र-छात्राओं को प्रेरणा मिलती है और वे भविष्य का निर्धारण सही दिशा में कर सकते हैं। छाबड़ा ने कहा कि सफलता प्राप्ति में भाग्य की कोई भूमिका नहीं होती। सफलता का निर्धारण हमारी लगन एवं परिश्रम पर निर्भर करता है। संचालन डॉ. संगीता धर, डॉ. मधु मुर्डिया एवं मोनिका चौधरी ने किया।

पर्यटन मानचित्र पर डूंगरपुर को लाने के प्रयास

डूंगरपुर(प्रब्यू)। नगर परिषद् के सभापति के. के. गुप्ता ने कहा कि डूंगरपुर को पर्यटन के मानचित्र पर उभारने के लिए मोतली मोड़ से शहर की सीमा तक विकास के नए आयाम दिए जा रहे है। गुप्ता ने 'प्रत्यूष' को बताया कि डूंगरपुर को पर्यटन के क्षेत्र में उभार कर देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए यहां की सांस्कृतिक विरासत, जनजाति आदिम संस्कृति तथा हेरिटेज लुक को एक नया आयाम दिया जा रहा है।

गुप्ता ने बताया कि शहर में हर्बल उद्यान विकसित किया जाएगा। ताकि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक एवं सजग आम आदमी इस हर्बल उद्यान से विभिन्न प्रकार की औषधियां प्राप्त कर सके। साथ ही शहर की सुन्दरता को और बढ़ाने के लिए पातेला में जहां सुंदर बगीचे का निर्माण होगा। वहीं शहर के प्रमुख दरवाजों कुरियाला दरवाजा, जज साहब का दरवाजा, सारणेश्वर मंदिर आदि का वास्तविक लुक को ध्यान में रखते हुए इनका नवनिर्माण होगा ताकि आने वाला पर्यटक यहां की वास्तु कला से भी रूबरू हो सके।

पाहुजा अध्यक्ष

उदयपुर। शहर के न्यू पोलो ग्राउण्ड विकास समिति के सहेलीनगर के चुनाव पूर्व अध्यक्ष मोतीसिंह पोरवाल के सान्निध्य में हुए। अशोक कुमार पाहुजा अध्यक्ष व पवन पारिख सचिव चुने गए।

होटल एसोसिएशन शपथ समारोह

उदयपुर। यूडीएच मंत्री श्रीचंद कृपलानी ने होटल एसोसिएशन की नव गठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। अध्यक्षता भाजपा देहात जिलाध्यक्ष गुणवंत सिंह झाला ने की। विशिष्ट अतिथि महापौर चन्द्रसिंह कौठारी, यूआईटी चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली, उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष वी. पी. राठी, उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष पारस सिंघवी, दिनेश भट्ट, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा थे। पूर्व कार्यकारिणी के अध्यक्षों को अतिथियों ने सम्मानित किया।

इन्होंने ली शपथ : अध्यक्ष भगवान वैष्णव, धीरज दोशी, उपाध्यक्ष राकेश चौधरी, सचिव प्रफुल्लसिंह कुमावत, सहसचिव अम्बालाल साहू कोषाध्यक्ष व सुभाष सिंह राणावत, कमल भण्डारी, कीर्ति अग्रवाल, आशीष छाबड़ा, सुदर्शन सिंह कारोही, युवराज सिंह झाला, गजेन्द्र सुयल, जोय सुहालका, युदुराज सिंह कृष्णावत ने सदस्य के रूप में शपथ ली।

दक पुनः मानद सचिव निर्वाचित

राजसमन्द (प्रब्यू)। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा राजसमन्द के चुनाव 8 अप्रेल को जिला कलक्टर अर्चनासिंह की अध्यक्षता में तुलसी साधना शिखर सभागार में सर्वसम्मति से हुए। चुनाव में लगातार छठी बार समाजसेवी राजकुमार दक को मानद सचिव निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर सर्वसम्मति के बाद जिला प्रबन्ध समिति एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों का भी निर्वाचन हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधि सचिव डॉ. बसंतीलाल बाबेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पंकज गौड़, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. सी. एल. डूंगरवाल उपस्थित थे। जिला कलक्टर अर्चनासिंह ने रेडक्रॉस सोसायटी के कार्यों पर संतोष व्यक्त करते राजकुमार दक एवं उनकी टीम की समर्पित सेवाओं की सराहना की।

रातलिया की कुलस्ते से भेंट

उदयपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री फगन सिंह कुलस्ते से गत दिनों दिल्ली में नवीन रातलिया ने भेंट की एवं युवा रक्तदान मिशन से जुड़ने का उनसे आग्रह किया। जिसे उन्होंने स्वीकार किया। इस मिशन का उद्देश्य राजस्थान, मध्यप्रदेश व गुजरात के समस्त नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं को स्वेच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करना है।

आर्किटेक्ट कपिल जैन इंटोदिया को विशेष जिम्मा

उदयपुर। युवा आर्किटेक्ट उदयपुर निवासी कपिल जैन इंटोदिया को राजस्थान में बहुमंजिला इमारतों के पूर्णता प्रमाण पत्र देने का जिम्मा राजस्थान सरकार ने दिया है। राज्य में वर्तमान में कुल 10 आर्किटेक्ट का ही चयन किया गया है। कपिल इंटोदिया तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के फाउंडर सदस्य भी हैं और अनेक जैन सामाजिक संस्थाओं के सदस्य भी।

नारायण सेवा को 'एशियाज मोस्ट ट्रस्टेड ब्राण्ड अवार्ड'

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर को हाल ही में बैंकॉक(थाईलैण्ड) में दिव्यांगों की नि:शुल्क चिकित्सा एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक सेवाओं के लिए 'एशियाज मोस्ट ट्रस्टेड ब्राण्ड अवार्ड-2016' से सम्मानित किया गया। थाई चैम्बर्स के अध्यक्ष डॉ. सुथराम वेलेसेथियन व इन्फोमीडिया, न्यूजर्सी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमन्त कौशिक से यह अवार्ड संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल व निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल ने ग्रहण किया।

एलएस शेखावत को राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार

नई दिल्ली। उदयपुर स्थित हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्य प्रचालन अधिकारी(खनन) एल एस शेखावत को राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार-2016 से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने उन्हें अवार्ड स्वरूप प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह के साथ तीन लाख रुपये की नगद पुरस्कार राशि प्रदान की। राष्ट्रपति भवन में 12 अप्रेल को आयोजित समारोह में शेखावत को यह सम्मान खनन क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए नवाचार प्रयोगों के लिए दिया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय ऊर्जा एवं खनन मंत्री पीयूष गोयल भी उपस्थित थे।

खराड़ी सेवादल जिला संगठक

उदयपुर। प्रदेश कांग्रेस सेवादल प्रदेशाध्यक्ष राकेश पारीक के निर्देशानुसार उदयपुर देहात जिला कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष दयालाल चौधरी ने खेरवाड़ा के रूपसिंह खराड़ी को जिला संगठक मनोनीत किया है।

राजा चौधरी राष्ट्रीय महामंत्री

उदयपुर। राष्ट्रीय युवा जायसवाल(कलाल) महासभा की कार्यकारिणी में राजा चौधरी राष्ट्रीय महामंत्री, राजीव शाह कोषाध्यक्ष चुने गए। संरक्षक पूर्व विधायक प्रकाश चौधरी, अशोक जायसवाल ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

शासन स्थापना महोत्सव 5-6 को

उदयपुर। आदिनाथ मानव कल्याण समिति, ग्राम कविता के तत्वावधान में 5-6 मई 2017 को महावीर केवल्य ज्ञान कल्याणक एवं शासन स्थापना महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर शासन देवी माता पद्मावती देवी और आचार्य बुद्धिसागर महाराज की क्रमश: प्रतिष्ठा व प्रतिमा स्थापना की जाएगी। संस्थापक सुधर्मसागर महाराज ने बताया कि आयोजन के दौरान होने वाली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे।

मेहता चेयरमैन

आरसी मेहता

उदयपुर। उदयपुर टेक्सबार चेरिटेबल सोसायटी के चुनाव में आरसी मेहता को चेयरमैन चुना गया। पियूष चोरडिया सचिव, अशोक बापना कोषाध्यक्ष बने।

पियूष चोरडिया

रेहाना प्रदेशाध्यक्ष, शकुन्तला राष्ट्रीय महासचिव

जयपुर। रेहाना रियाज चिश्ती राजस्थान महिला कांग्रेस की नई अध्यक्ष मनोनीत की गई हैं। यह घोषणा पार्टी महासचिव जनार्दन द्विवेदी ने की। इसके साथ ही शकुंतला रावत महिला कांग्रेस में राष्ट्रीय महासचिव और सोनाली साहू सचिव होंगी। रियाज कांग्रेस नेता एवं पूर्व राज्यपाल मोहम्मद उस्मान आरिफ के परिवार से सम्बद्ध है।

खलील अगवानी सम्मानित

उदयपुर। हुसैनी सोसायटी झालावाड़ द्वारा लाइफ प्रोग्रेसिव सोसायटी के सदर डॉ. खलील अगवानी एवं समन्वयक बेहजाद खान को समाज सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

भानावत जार के जिलाध्यक्ष

उदयपुर। डॉ. तुक्तक भानावत को जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान(जार) की उदयपुर इकाई का अध्यक्ष चुना गया। निवर्तमान अध्यक्ष पवन खाब्या ने डॉ. तुक्तक को कार्यभार सौंपा। वे पूर्व में भी इस पद पर रह चुके हैं।

डॉ. देवेन्द्रा आमेटा सम्मानित

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में स्नेह मिलन और कार्यकर्ता सम्मान समारोह में डॉ. देवेन्द्रा आमेटा का उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए उल्लेखनीय कार्य के लिए कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत व प्राचार्य डॉ. शशि चित्तौड़ा ने प्रतीक चिह्न, शॉल, उपरणा एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।

शोक समाचार

उदयपुर। **श्रीमती बसंत प्रभा जैन 'गोधा'** का 30 मार्च 2017 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पति शांतिलाल जैन, पुत्र अशोक जैन व पुत्रियां आरती तथा नीलम पाटनी सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। **श्री महेन्द्र कुमार वशिष्ठ** सुपुत्र स्व. रघुनाथ प्रसाद वशिष्ठ का 22 मार्च 2017 को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी, पुत्र प्रमोद व विनोद तथा पुत्री सुनीता शर्मा सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री विजय सिंह बाबेल कानोड़वाला की धर्मपत्नी **श्रीमती कृष्णा देवी** का 22 मार्च 2017 को निधन हो गया। वे अपने पीछे पुत्र अशोक बाबेल(पूर्व अतिरिक्त मुख्य अभियंता), पुत्रियां डॉ. शशि भंडारी, मधु भण्डारी व साधना कोठारी तथा उनका भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री सुमति प्रसाद जैन की धर्मपत्नी **श्रीमती तारा देवी (टिमरूवा)** का 29 मार्च, 2017 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र सुनील व अनिल जैन तथा उनका भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। स्व. जेठानंद थारानी की धर्मपत्नी **श्रीमती सीता थारानी** का 15 अप्रेल, 2017 को देहांत हो गया। वे अपने भतीजे महेश, अशोक और कैलाश थारानी तथा उनका भरपूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री गोपीलाल जी टांक सरदारपुरा की धर्मपत्नी **श्रीमती सुगन देवी** का 24 मार्च 2017 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र मुकेश, जयप्रकाश व नरेन्द्र तथा पुत्री किरण सहित समृद्ध परिवार छोड गई हैं।

'प्रत्यूष' में प्रकाशन के लिए सामयिक विषयों पर आलेख भेजें। चयन होने पर उचित पारिश्रमिक।

चित्तौड़गढ़। बड़ी सादड़ी के पूर्व विधायक **ललित सिंह बानसी** का 27 मार्च, 2017 को निधन हो गया। वे अपने पीछे पुत्र कुं. भूपेन्द्र सिंह, पुत्रियां मधुलिका, प्रीति व हेमा कुमारी सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर विभिन्न राजनैतिक दलों ने गहरा शोक व्यक्त किया।

उदयपुर। श्रीमती केसर शर्मा पत्नी स्व. श्री नारायण लाल शर्मा(सनाढ्य) का 27 मार्च को देहांत हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र रमेश, जगदीश एवं चंद्रप्रकाश शर्मा, पुत्री सुनंदा भारद्वाज सहित विशाल परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री महेश सुवालका पुत्र स्व. मोहनलाल जी सुवालका का 26 मार्च को आकस्मिक निधन हो गया। अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती उषा देवी, पुत्र भुवनेश व हर्षवर्द्धन तथा पुत्रियां गायत्री व प्रतिभा देवी सहित भाई-भतीजों का विशाल परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। स्व. गजानंद जी याज्ञिक के पुत्र **श्री राजेन्द्र औदिच्य** का 14 मार्च, 2017 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती मृदुला, पुत्र चिराग पुत्री सौम्या सहित समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। **श्रीमती रूपाबाई कुमावत (टांक)** धर्मपत्नी

स्वर्गीय श्री जोधराज जी कुमावत का पिछले दिनों देहावसान हो गया। वे अपने पीछे पुत्र ख्यालीलाल, रोशनलाल, दलपत सिंह और दिनेश कुमावत तथा पुत्रियां ललिता देवी, सावित्री देवी, दयावन्ती देवी और कलावन्ती देवी सहित पौत्र-पौत्रियों और दोहित्र-दोहित्रियों का भूरापूरा परिवार छोड गई।

उदयपुर। **श्रीमती चौसर देवी** धर्मपत्नी स्व. सुंदरलाल चौधरी का 19 अप्रेल 2017 को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे पुत्र ललित, राजेश और अभय चौधरी, पुत्रियां कैलाश देवी मेहता, पुष्पा मेहता, राजकुमारी माण्डोत, सरोज मेहता तथा नीलम इंटोदिया व उनका भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा

AADHAR PRODUCTS

डिसाइड®

वाशिंग पाउडर, डिटर्जेंट टिकिया एवं बर्तन बार

Mfd. & Mktd. by : AADHAR PRODUCTS PVT. LTD., UDAIPUR Trade Enquiry 7727864004 | visit us at : www.aadharproducts.in

MIRAJ GROUP

तन भी शुद्ध, मन भी शुद्ध... तो वस्त्र क्यों रहे अशुद्ध !

मिराज शुद्ध ऑयल सोप

100% पशु चर्बी रहित

MIRAJ TRADECOM PVT. LTD.

Miraj Campus, Nathdwara - 313 301 (Raj.) India / Email : fmcg@mirajgroup.in / Web: www.mirajgroup.in

Contact us at : 88759 92317, 88759 33370

www.rkivf.com
info@rkivf.com
उम्मीद खो चुकी महिलाओं को आज गर्व है, अपने माँ बनने पर
ब्लास्टोसिस्ट कल्चर जैसी अत्याधुनिक तकनीक से उम्मीद खो चुकी महिलाएं भी माँ बन रही हैं
टेस्ट ट्यूब बेबी
ब्लास्टोसिस्ट
कल्चर
आधुनिक तकनीक, जो है निःसंतान दम्पतियों के वंश के अंश का उजाला
RKIVF
क्या है ब्लास्टोसिस्ट कल्चर : ब्लास्टोसिस्ट कल्चर को डे 5 ट्रांसफर भी कहते हैं, इस तकनीक से टेस्ट ट्यूब बेबी में संतान प्राप्ति की सम्भावना कई गुना बढ़ जाती हैं। अन्य तकनीक से बार-बार असफल दम्पतियों में इस तकनीक से बेहतर व उत्साह जनक परिणाम देखने को मिल रहे हैं।
वे दम्पति सम्पर्क करें :- यदि विवाह के 1 वर्ष बाद भी आप माँ नहीं बन पा रही हैं • डॉक्टर ने आपको टेस्ट ट्यूब बेबी की राय दी है • आपकी दोनों ट्यूब्स ब्लॉक हैं • बच्चेदानी में गांठ है • उम्र बहुत ज्यादा है • अण्डे बराबर नहीं बनते हैं • मासिक चक्र अनियमित या बंद है • पति में शुक्राणु विकार या 'मिल' शुक्राणु है • पति में रतिक्रिया सम्बन्धी कमी • आपको बार-बार
30 अप्रेल से पहले रजिस्ट्रेशन कराने पर
टेस्ट ट्यूब बेबी / IVF प्रक्रिया अब
₹15,000/-
(Medicine Consumables cost Extra. T&C Apply)
HELPLINE NO. 08107099997
07742799997, 0294-6950097
INFINIUM
आर.के. हॉस्पिटल एवं टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर
5–ए, मधुबन, बिजली विभाग खिड़की के सामने, उदयपुर–313001 (राजस्थान)
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान में सहयोग करें। भ्रूण लिंग परीक्षण करवाना जघन्य अपराध है, यह कार्य हमारे यहां नहीं किया जाता है।

email:killerudaipur@gmail.com

TANVI'S KILLER

EXCLUSIVE STORE

102, Hitawala Complex, Opposite Soni Hospital,
Saheli Marg, Udaipur (Raj.) Phone :- 0294-2426832

नमस्कार उदयपुर!

Fortis JK HOSPITAL

अब आपकी सेवामें

फोर्टिस जे के हॉस्पिटल, आपका "स्टेट ऑफ आर्ट-मल्टी स्पेशयालिटी हॉस्पिटल" अब उदयपुर में

अत्याधुनिक सुविधाएं

- हार्ट केयर
- ब्रेन एवं स्पाइन केयर
- हड्डी एवं जोइन्ट केयर
- मातृ एवं शिशु केयर
- किडनी केयर
- डाइजेस्टिव केयर
- एन्डोक्रिनोलॉजी
- आपातकालीन एवं क्रिटीकल केयर

राजस्थान में पहली बार

Critinext Converging Critical Care

PHILIPS AlluraClarity FD 20 Cathlab

हमारी सर्वस्वीकृत सेवाएं

SRL Diagnostics

Fortis HEALTHWORLD The Complete Health Store

फोर्टिस जे के हॉस्पिटल
प्लॉट नं. 1, शोभागपुरा, DPS रोड़
उदयपुर – 313001
आपातकालीन – 0294 306 1111
वेबसाईट : www.fortisjkhospital.com

Fortis JK HOSPITAL

समयादेश के लिए सम्पर्क करें
+91 294 306 1000

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
+91 911 614 4061